Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi
Ranchi ● Monday, 17 November 2025 ● Year : 03 ● Issue : 299 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

सुविचार

जापानियों, चीनियों आदि ने अंग्रेजी से सीखा है, लेकिन अपनी भाषाओं को अविकसित मानकर उन्होंने अंग्रेजी को राजभाषा नहीं बनाया।

-रामविलास शर्मा

Nora Fatehi Breaks Silence On Drug...

बिहार में बढ़ीं सियासी गतिविधियां, नीतीश से मिले कई नेता

आज होगी विधायक दल की बैठक और आखिरी कैबिनेट मीटिंग, विधानसभा भंग करने की होगी सिफारिश

- मुख्यमंत्री से मुलाकात के बाद उपेंद्र कुशवाहा और विजय सिन्हा दिल्ली रवाना
- 18 से 20 नवंबर के बीच हो सकती है नई सरकार की शपथ
- गांधी मैदान में आज से 20 नवंबर तक आम लोगों के प्रवेश पर लगी रोक

केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात कर उन्हें शानदार जीत पर शुभकामनाएं दी।

जदयू के सभी विधायक बुलाए गए हैं पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को अपने सभी विधायकों को पटना बुलाया है। संभावना जताई जा रही है कि शाम तक विधायक दल की बैठक है सकती है। जहां शपथ की तारीख, मंत्रियों के नाम की चर्चा हो सकती है।

आज तेजस्वी करेंगे हार की समीक्षा

दूसरी ओर बिहार विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद तेजस्वी यादव सोमवार को अपने सरकारी आवास पर पार्टी के खराब प्रदर्शन की समीक्षा कर सकते हैं। चुनाव में हारे हुए सभी उम्मीदवारों से तेजस्वी यादव मुलाकात करेंगे। सुबह 11 बजे एक पोलो रोड स्थित सरकारी आवास पर बैठक हो सकती है। वहीं रविवार को माले महासचिव दीपंकर भट्टाचार्य ने पटना में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा कि गठबंधन को झटका मिला है और लोग दुखी हैं, लेकिन एसआईआर को लेकर चिंता पूरे देश में महसूस की जा रही है। लोग कह रहे हैं कि एसआईआर के खिलाफ पूरे देश में मुद्दा बनाकर आंदोलन किया जाएगा। विपक्ष विहीन लोकतंत्र बनाने की कोशिशें चल रही हैं, यह चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि 18 से 24 नवंबर तक जीते-हारे सभी उम्मीदवार जनता के बीच सघन जनसंपर्क और जनसंवाद अभियान चलाएंगे। इस दौरान बिहार के चुनाव परिणाम पर जनता क्या सोच रही है, इसे जानने की कोशिश की जाएगी।

होगी। इसके बाद राज्यपाल को सीएम नीतीश कुमार अपना इस्तीफा सौंपेंगे। नई सरकार 18 से 20 नवंबर के बीच शपथ ले सकती है। शपथ ग्रहण में पीएम नरेंद्र मोदी सहित भाजपा के बड़े नेता शामिल हो सकते हैं। गांधी मैदान में शपथ ग्रहण समारोह की तैयारी शुरू कर दी गई है। इसे लेकर 17 से 20 नवंबर तक आम लोगों के प्रवेश को बंद कर दिया गया है।

100 करोड़ के कफ सिरप की सप्लाई मामले में बड़े सिंडिकेट का पर्दाफाश

PHOTON NEWS RANCHI : उत्तर प्रदेश के वाराणसी में झारखंड के रांची से 100 करोड़ रुपये के कफ सिरप की सप्लाई के मामले में बड़े सिंडिकेट का पर्दाफाश हुआ है। वाराणसी में कोडिन फॉस्फेटयुक्त कफ सिरप की अवैध बिक्री के खिलाफ वहां पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। उत्तर प्रदेश के कुल 93 थोक विक्रेताओं के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। इसके बाद ड्रग इंस्पेक्टर जुनाब अली की शिकायत पर रांची के कोतवाली थाना में 28 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करायी गयी है। इसमें तुपुदाना थाना क्षेत्र स्थित शैली ट्रेडर्स के मालिक समेत 28 लोगों को अभियुक्त बनाया गया है। शैली ट्रेडर्स पर फेंसेडाइल नामक कफ सिरप की बिक्री करने का आरोप है। उल्लेखनीय है कि फेंसेडाइल कफ सिरप का इस्तेमाल नशे के रुप में किया जाता है। फेंसेडाइल कफ सिरप जहरीला है। यह इंसान के शरीर में तेजी से नशा को बढ़ाता है। धनबाद में बरामद कफ सिरप की जांच में पाया गया था कि इसमें कोडीन की मात्रा एक किलो से कहीं अधिक 4.912 किलो थी। कफ सिरप में इतनी मात्रा में कोडीन हेरोइन जैसा असर करती है।

- रांची में केस दर्ज, तुपुदाना थाना क्षेत्र स्थित शैली ट्रेडर्स के मालिक समेत 28 लोगों को बनाया गया अभियुक्त
- फेंसेडाइल नामक कफ सिरप की बिक्री करने का आरोप
- वाराणसी में भी कोडिन फॉस्फेटयुक्त कफ सिरप की अवैध बिक्री के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज
- मध्य प्रदेश और राजस्थान में बच्चों की मौत की घटनाओं के बाद की गई कार्रवाई

93 थोक व्यापारियों को की गई थी सप्लाई

उत्तर प्रदेश पुलिस की यह बड़ी कार्रवाई मध्य प्रदेश और राजस्थान में कोडीन फास्फेट युक्त कफ सिरप पीने से हुई बच्चों की मौत की घटनाओं के बाद की गई है। कफ सिरप के स्टॉक की लगातार की जा रही जांच में पता चला है कि रांची के मेसर्स शैली ट्रेडर्स ने वर्ष 2023-25 के दौरान एबोट हेल्थ केयर से करीब 89 लाख रुपये की फेंसाडाइल कफ सिरप की खरीद की थी। शैली ट्रेडर्स के प्रोपराइटर भोला प्रसाद और उनके बेटे शुभम जायसवाल ने वाराणसी सहित उत्तर प्रदेश के 93 थोक व्यापारियों को 100 करोड़ रुपए की इस कफ सिरप की सप्लाई की। चौंकाने वाली बात यह है कि इस 100 करोड़ की सप्लाई में से अकेले वाराणसी के 26 मेडिकल स्टोरों पर लगभग 50 करोड़ की कफ सिरप भेजी गई थी। उत्तर प्रदेश खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग के आयुक्त के नेतृत्व में वाराणसी में चलाए गए इस अभियान में यह सामने आया कि बनारस सहित प्रदेश के जिन थोक विक्रेताओं को यह कफ सिरप सप्लाई की गई थी, उनके पास विक्रय का कोई रिकॉर्ड मौजूद नहीं था। जांच के दौरान कई थोक विक्रेता की दुकानें बंद मिलीं। इस पूरे मामले में सबसे बड़ा सवाल झारखंड का अपराध अनुसंधान विभाग (सीआईडी) और रांची की हटिया-तुपुदाना पुलिस पर है। लगातार मीडिया ने पहले भी कई खबरें प्रकाशित की थी। लेकिन धनबाद के बरवाअड्डा से बरामद कफ सिरप मामले की जांच कर रही सीआईडी और हटिया पुलिस ने शैली ट्रेडर्स के खिलाफ कार्रवाई नहीं की।

SHARE

सेंसेक्स	:	75,364.69
निफ्टी	:	22,904.45

SARAFA

सोना	:	11,615
चांदी	:	175.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

रेत से भरे ट्रैक्टर-ट्रॉली में घुसी कार, 5 की मौत

GWALIOR : ग्वालियर में तेज रफ्तार फॉर्च्यूनर कार रेत से भरे ट्रैक्टर-ट्रॉली से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि फॉर्च्यूनर सवार सभी पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। कार ट्रॉली के नीचे घुस गई, जिसकी वजह से कोई भी यात्री बच नहीं पाया। हादसा ग्वालियर-झांसी हाइवे पर शहर से करीब 20 किलोमीटर पहले रविवार सुबह साढे.5 से 6 बजे के बीच हुआ। हादसे में आदित्य जादौन, राम पुरोहित, क्षितिज उर्फ प्रिंस राजावत, कौशल भदौरिया, अभिमन्यु सिंह की मौत हो गई। सभी मृतक ग्वालियर निवासी बताए जा रहे हैं। वे फॉर्च्यूनर में उत्तर प्रदेश के झांसी से एक कार्यक्रम में शामिल होकर ग्वालियर लौट रहे थे। कार जैसे ही मालवा कॉलेज के सामने पहुंची, मोड़ पर रेत से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली सामने आ गई। तेज रफ्तार होने के कारण ड्राइवर, कार को नियंत्रित नहीं कर सका और कार पीछे से ट्रॉली में घुस गई।

ट्रक-ऑटो की टक्कर में 5 श्रद्धालुओं की गई जान

JODHPUR : जोधपुर में ट्रक और टेंपो की टक्कर में 5 श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि बच्चों समेत 12 लोग घायल हैं। घायलों को पहले बालेसर के सरकारी हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां से जोधपुर के मथुरा दास माथुर हॉस्पिटल के लिए रेफर कर दिया गया। सभी गुजरात के साबरकांठा से रामदेवरा दर्शन करने जा रहे थे। हादसा जोधपुर-जैसलमेर नेशनल हाईवे-125 पर बालेसर (जोधपुर) के पास खारी बेरी गांव में रविवार सुबह करीब साढ़े 5 बजे हुआ। बालेसर थाना प्रभारी मूल सिंह भाटी ने बताया- बालेसर में नेशनल हाईवे-125 पर बाजरे की बोरियों से भरे ट्रक ने टेम्पो को सामने से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि टेंपो का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, जबकि ट्रक आगे जाकर पलट गया।

झारखंड के रजत जयंती उत्सव पर जतरा का आयोजन, सीएम हेमंत बोले-

जतरा सामूहिक भावना, एकता व गौरवशाली विरासत का प्रतीक

अल्बर्ट एक्का चौक पर ढोल-नगाड़ा लेकर मुख्यमंत्री ने किया झांकियों का स्वागत

PHOTON NEWS RANCHI : रविवार को झारखंड स्थापना के रजत जयंती उत्सव के मौके पर जतरा का आयोजन किया गया। इस दौरान जतरा यात्रा निकाली गई। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अल्बर्ट एक्का चौक पर ढोल-नगाड़ा लेकर जतरा यात्रा का स्वागत करते दिखे। मुख्यमंत्री ने राज्यवासियों को प्रदेश की 25वीं वर्षगांठ की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि झारखंड सिर्फ भौगोलिक पहचान नहीं, बल्कि संघर्ष, अस्मिता और गौरव की भूमि है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार झारखंड की भाषा, संस्कृति और पारंपरिक पहचान को संरक्षित व सशक्त करने की दिशा में निरंतर कार्यरत है। उन्होंने कहा कि झारखंड जतरा राज्य की सामूहिक भावना, एकता और गौरवशाली विरासत का प्रतीक है। ये आने वाली पीढ़ियों को अपनी जड़ों से जोड़ने का माध्यम बनेगा।

समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा की झलक

जतरा झारखंड की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा, लोककला और जनएकता का जीवंत प्रतीक बनी। जतरा में राज्य की विभिन्न जनजातीय और स्थानीय समुदायों ने पारंपरिक वेशभूषा में नृत्य, गीत पेश किया। वहीं वाद्य यंत्र और झांकियों के माध्यम से अपनी संस्कृति की रंगारंग झलक पेश की। विभिन्न जिलों से आई झांकियों में झारखंड की लोककला, त्योहार, नायक-नायिकाओं के योगदान और वीर सपूतों के संघर्ष को दर्शाया गया। इस दौरान हेलीकॉप्टर से फूलों की बारिश की गई। हजारों की संख्या में लोग इस यात्रा के साक्षी बने। जतरा को स्थानीय जैप-1 ग्राउंड डोरंडा में कल्याण मंत्री चमरा लिंडा ने नगाड़ा बजाकर और हरी झंडी दिखाते हुए रवाना किया। जतरा के समापन अवसर पर कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की और विधायक कल्पना सोरेन बिरसा मुंडा स्मृति पार्क, जेल चौक पहुंचीं और झारखंड जतरा का स्वागत करते हुए समापन किया।

हेलीकॉप्टर से झांकियों पर की गई फूलों की बारिश

- कल्पना सोरेन और शिल्पी तिर्की ने जतरा का किया स्वागत
- पारंपरिक हथियारों के साथ झांकियों में शामिल हुए युवक

जल, जंगल, जमीन की थीम पर बनी थीं झांकियां

जतरा में तरह-तरह की झांकियों ने लोगों का मन मोह लिया। झांकियां झारखंड के जल, जंगल, जमीन की थीम पर बनी थीं। पारंपरिक हथियारों के साथ युवा झांकियों में शामिल हुए। झारखंड जतरा जैप-1 ग्राउंड डोरंडा से अल्बर्ट एक्का होते हुए बिरसा मुंडा स्मृति पार्क जेल चौक तक निकाली गई। इस जतरा में सीएम हेमंत ने खुद से पारंपरिक ढोल-नगाड़ा बजाकर स्थानीय लोक कलाकारों कीआ हौसला बढ़ाया और पदयात्रा भी की। झारखंड की लगभग ढाई दर्जन जनजातियों की कला, नृत्य, वाद्ययंत्र और पारंपरिक परिधानों की झांकियों ने राजधानी की सड़कों पर उत्सव का माहौल बना दिया।

बिष्टुपुर स्थित होटल एल्कोर में होगा दो दिवसीय आयोजन

जमशेदपुर में पुस्तक महोत्सव 'छाप' आज से

PHOTON NEWS JSR : साहित्य, कला एवं संस्कृति को समर्पित 'साहित्य कला फाउंडेशन' के वार्षिक पुस्तक महोत्सव 'छाप' का द्वितीय संस्करण सोमवार से आरंभ हो रहा है। इस दो दिवसीय पुस्तक महोत्सव का आयोजन जमशेदपुर के बिष्टुपुर स्थित होटल एल्कोर में किया गया है। महोत्सव का उद्घाटन सत्र सुबह 10:30 बजे आरंभ होगा। इस सत्र की मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद डॉ. महुआ माजी होंगी। विशिष्ट अतिथि ख्यातिलब्ध गीतकार बुद्धिनाथ मिश्र होंगे। जेएनयू के भारतीय भाषा केंद्र की प्रो. (डॉ.) गरिमा श्रीवास्तव एवं डॉ. विजय शर्मा (जमशेदपुर) कार्यक्रम में शिरकत करेंगी। 'छाप' के इस संस्करण में हिंदी, अंग्रेजी, भोजपुरी, मैथिली, ओड़िया एवं जनजातीय भाषाओं की पुस्तकों पर अलग-अलग सत्र होंगे। इन सत्रों में उक्त भाषाओं के विद्वान एवं मर्मज्ञ अपने बहुमूल्य विचार साझा करेंगे। पहले दिन के महोत्सव में शामिल होने के लिए सभी अतिथि जमशेदपुर पहुंच गए हैं। कार्यक्रम में शहर एवं आसपास के क्षेत्र से आमंत्रित विभिन्न कॉलेजों के शिक्षक-शिक्षिकाएं छात्र-छात्राएं, साहित्यकार, पुस्तक प्रेमी एवं गणमान्य लोग शामिल होंगे। उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष 2024 में 'छाप' के प्रथम संस्करण का आयोजन किया गया था। यह आयोजन सरायकेला-खरसावां जिला प्रशासन के सहयोग से आदित्यपुर स्थित ऑटो कलस्टर में किया गया था।

- बुद्धिनाथ, गरिमा, सत्यार्थ पहुंचे, विभिन्न भाषाओं के जाने-माने विद्वान करेंगे शिरकत
- राज्यसभा सांसद डॉ. महुआ माजी होंगी मुख्य अतिथि
- हिंदी, अंग्रेजी, भोजपुरी, मैथिली, ओड़िया एवं जनजातीय भाषाओं की पुस्तकों पर होगी चर्चा

दिल्ली ब्लास्ट : जांच में बड़ा खुलासा, पूछताछ में सामने आई सच्चाई

सुसाइड बॉम्बर की तलाश में था आतंकी उमर

जिसका ब्रेनवॉश किया, उसने इस्लाम में खुदकुशी को हराम बताकर किया इनकार

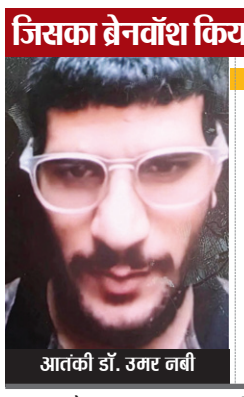

आतंकी डॉ. उमर नबी

ब्लास्ट हुई कार के मालिक को एनआईए ने दबोचा

NEW DELHI @ PTI : 10 नवंबर को दिल्ली लाल किला ब्लास्ट केस की कई एंगल से जांच चल रही है। आतंकी डॉ. उमर नबी से जुड़े कुछ संदिग्ध लोगों को जम्मू-कश्मीर पुलिस ने हिरासत में लिया है। उसने पूछताछ में यह बड़ा खुलासा हुआ है कि डॉक्टरों वाला ये सफेदपोश आतंकी मॉड्यूल पिछले साल ही एक सुसाइड बॉम्बर की तलाश कर रहा था। इसका जिम्मा डॉ. उमर पर ही था। वही मॉड्यूल के एजेंडे को लगातार आगे बढ़ा रहा था। उमर का मानना था कि मॉड्यूल में एक सुसाइड बॉम्बर का होना जरूरी है। जांच अधिकारियों ने बताया हिरासत में काजीगुंड का जसीर उर्फ दानिश भी है। उसके अनुसार, अक्टूबर 2023 में कुलगाम की एक मस्जिद में उसकी डॉक्टरों वाले इस टेरर मॉड्यूल से मुलाकात हुई थी। इसके बाद उसे फरीदाबाद की अल फलाह यूनिवर्सिटी लाकर किराए के कमरे में रखा गया। मॉड्यूल चाहता था कि वह ओवर-ग्राउंड वर्कर बने, लेकिन उमर ने उसे कई महीनों तक सुसाइड बॉम्बर बनने के लिए ब्रेनवॉश किया। मॉड्यूल की प्लानिंग इसलिए फेल हुई, क्योंकि जसीर ने आर्थिक स्थिति खराब होने और इस्लाम में आत्महत्या हराम होने का हवाला देकर सुसाइड बॉम्बर बनने से इनकार कर दिया था। दिल्ली ब्लास्ट केस में एनआईए ने रविवार को आतंकी उमर के साथी आमिर राशिद अली को दिल्ली से गिरफ्तार किया। इसने उमर के साथ मिलकर दिल्ली ब्लास्ट की साजिश रची थी। वह जम्मू-कश्मीर के पंपोर के संबूरा का रहने वाला है। आई-20 कार आमिर के नाम पर ही रजिस्टर्ड थी। रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि उमर उन नबी ने फरीदाबाद में अल-फलाह यूनिवर्सिटी के पास अपने घर में एक लैब बनाई थी। जहां वह विस्फोटकों की टेस्टिंग करता था।

ग्रेट सक्सेस लंबे समय तक इसरो के रिसर्च से खुलने लगे नए रहस्य

अब चांद के ध्रुवीय क्षेत्रों की भी मिलने लगीं अहम जानकारियां

चंद्रयान-2 ऑर्बिटर से प्राप्त उन्नत आंकड़ों की मदद से अध्ययन के खुले नए द्वार

डेटा में उपलब्ध हैं चांद की सतह के भौतिक और विद्युत गुणों से जुड़े महत्वपूर्ण तथ्य

अब तक धरती पर भेज चुका है उच्च गुणवत्ता वाले हजारों जानकारियों के सेट

PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK : पिछले कुछ वर्षों में भारत ने अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में विकास के नए आयाम स्थापित किए हैं। इस संदर्भ में इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन यानी भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने एक बार फिर चांद को लेकर लंबे समय तक किए गए रिसर्च में बड़ी कामयाबी हासिल की है। कुछ दिन पहले संस्थान की ओर से यह जानकारी दी गई है कि चंद्रयान-2 ऑर्बिटर से प्राप्त उन्नत आंकड़ों की मदद से अब चांद के ध्रुवीय क्षेत्रों का गहराई से अध्ययन के नए द्वार खुलने लगे हैं। इसकी प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। नई जानकारियां मिलने लगी हैं। इस मिशन से प्राप्त आंकड़ों में चांद की सतह के भौतिक और विद्युत गुणों से जुड़े महत्वपूर्ण तथ्य हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि भविष्य में यह उपलब्धि वैश्विक चांद अनुसंधान में कारगर योगदान साबित होगी। इसरो के वैज्ञानिकों के अनुसार, चंद्रयान-2 ऑर्बिटर 2019 से लगातार चांद की कक्षा में चक्कर लगा रहा है। अब तक उच्च गुणवत्ता वाले हजारों जानकारियों के सेट धरती पर भेज चुका है। ऑर्बिटर में लगे डुअल फ्रीक्वेंसी सिंथेटिक अपर्चर रडार से वैज्ञानिकों को पहली बार एल-बैंड में चांद का फुल पोलरिमेट्रिक मोड में सर्वेक्षण करने का मौका मिला है।

भविष्य में वैश्विक चांद अनुसंधान में कारगर योगदान साबित होगी यह उपलब्धि	साल 2019 से चांद की कक्षा में लगातार चक्कर लगा रहा है चंद्रयान-2 ऑर्बिटर	एल-बैंड में चांद का फुल पोलरिमेट्रिक मोड में सर्वेक्षण करने का वैज्ञानिकों को मिला मौका

सौरमंडल के प्रारंभिक रासायनिक हालत

यह तकनीक वर्टिकल और हॉरिजॉन्टल दोनों दिशाओं में सिग्नल भेजती और प्राप्त करती है। इससे सतह के गुणों का सटीक अध्ययन किया जा सकता है। यह रडार अब तक 1400 से अधिक डेटासेट भेज चुका है। इसरो के अहमदाबाद स्थित स्पेस एप्लीकेशंस सेंटर के वैज्ञानिकों ने इन आंकड़ों का उपयोग कर चांद के उत्तर और दक्षिण ध्रुवों के 80 से 90 डिग्री अक्षांश क्षेत्र के पोलर मोजाइक तैयार किए हैं। इनसे सतह के खुरदरापन, घनत्व, छिद्रता और जल-बर्फ की संभावित उपस्थिति का अध्ययन किया जा रहा है। इसरो ने बताया है कि चांद के ध्रुवीय क्षेत्र सौरमंडल के प्रारंभिक रासायनिक हालात को सहेजे हुए हैं। इन क्षेत्रों का अध्ययन ग्रहों की उत्पत्ति और विकास को समझने में बेहद जरूरी है। चांद के इन इलाकों में बर्फ और खनिजों की मौजूदगी भविष्य के मानव अभियानों और वैज्ञानिक अनुसंधानों के लिए महत्वपूर्ण संसाधन साबित हो सकती है। अब तक प्राप्त डेटा पहले क्रम की जानकारी प्रदान करता है, जो आने वाले वैश्विक मिशनों की दिशा तय करेगा। चंद्रयान-2 से प्राप्त लेवल 3-सी पोलर मोजिइक प्रोडक्ट्स अब सार्वजनिक कर दिए गए हैं। ये डेटा इंडियन स्पेस साइंस डाटा सेंटर की प्रदन वेबसाइट पर उपलब्ध हैं और कोई भी वैज्ञानिक या संस्थान इनका उपयोग कर सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह डेटा विश्वभर में चांद के ध्रुवीय अनुसंधान की नई दिशा तय करेगा।

ईसीएल की बंद पड़ी कापासारा आउटसोर्सिंग परियोजना में हादसा

धनबाद में कोयले के अवैध खनन के दौरान धंसी चाल, एक की चली गई जान

चार घायल, पश्चिम बंगाल में कराया जा रहा इलाज

- बंगाल के नियामतपुर का निवासी था मृतक मनोज कोइरी
- कोलियरी प्रबंधन व निरसा पुलिस ने घटना में मौत से किया इनकार

शव ले गए परिजन

मनोज कोइसी का शव मुहाने के अंदर ही था। घटना की खबर पाकर दिन के करीब 11 बजे नियामतपुर से पहुंचे और शव को निकाला। परिजन मृतक के शव को चारपहिया वाहन से घर ले गए। स्थानीय लोगों ने बताया कि कोयला काटने के लिए कोयला तस्कर बाहर से मजदूर बुलाते हैं। इन्हें मुहाने के अंदर की जानकारी नहीं होती है। ये लोग जल्दबाजी में पिलर व चाल काटने लगते हैं। इसी कारण से चाल गिर गई और लोग इसकी चपेट में आ गए। लोगों ने बताया कि मुगमा का ही तस्कर बाहर से मजदूर मंगाकर कोयले का अवैध तरीके से उत्खनन करा रहा था।

PHOTON NEWS DHANBAD : धनबाद के मुगमा क्षेत्र में ईसीएल की बंद पड़ी कापासारा आउटसोर्सिंग परियोजना में रविवार की सुबह करीब सात बजे चाल धंस गई, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि चार अन्य घायल हैं। बताया जा रहा है कि सुबह में दर्जनों लोग मुहाने के अंदर घुसकर अवैध तरीके से कोयले का उत्खनन कर रहे थे। इसी दौरान चाल धंस गई। सभी घायल पश्चिम बंगाल के कुल्टी, नियामतपुर आदि क्षेत्र के रहने वाले हैं। घटना के बाद वहां भगदड़ मच गई। लोग किसी तरह जान बचाकर भागने लगे। सभी घायलों का इलाज पश्चिम बंगाल के अस्पतालों में कराया जा रहा है। हालांकि, पूर्व की तरह इस बार भी कोलियरी प्रबंधन व निरसा पुलिस ने घटना में मौत से इनकार किया है।

रेलवे के पार्सल कार्यालय में अवैध रूप से रखे गए 500 खरगोश, हंगामा

तस्करी की आशंका, कई दिनों से पड़े इन जीवों की मरणासन्न हो गई स्थिति

AGENCY DHANBAD :
धनबाद रेलवे पार्सल कार्यालय में रविवार को उस समय हंगामा मच गया जब पशु अधिकार कार्यकर्ता शौमिक बनर्जी अपने सहयोगियों के साथ कार्यालय पहुंचे। उन्हें सूचना मिली थी कि पार्सल कार्यालय में कई दिनों से करीब 500 खरगोश अवैध रूप से रखे गए हैं और उन्हें ट्रेन के जरिए किसी अन्य स्थान पर तस्करी कर ले जाने की योजना थी।

जांच में पता चला कि शाहा एंटरप्राइजेज इन खरगोशों को धनबाद से मुरादाबाद भेजने की तैयारी कर रहा था। पशु अधिकार कार्यकर्ता शौमिक बनर्जी ने बताया कि प्रत्येक पिंजरे में अधिकतम 10 खरगोश ले जाने की अनुमति है, लेकिन यहां भारी ओवरलोडिंग की गई थी। न तो भोजन की कोई व्यवस्था थी और न ही पानी की। इसी लापरवाही के कारण लगभग चार खरगोशों की मौत हो चुकी है, जबकि कुछ ने वहीं बच्चे भी दिए हैं।

पार्सल ऑफिस में पिंजरों में रखे गए खरगोश

शौमिक के अनुसार, यदि इन खरगोशों को शीघ्र ही नहीं बचाया गया, तो सभी की जान जा सकती है।

इस बीच पार्सल कर्मचारी रूपक कुमार ने कहा कि उचित कागजात न होने और नियमों का पालन न किए जाने के कारण पार्सल को रोक दिया गया था। वहीं, खरगोश लाने वाला व्यक्ति अपनी तबीयत खराब होने का हवाला देकर कार्यालय से बाहर चला गया।

चाकुलिया में हवाई पट्टी के पास मिला युवक का शव, धारदार हथियार से की गई हत्या

परिजनों ने बताया- शनिवार शाम को दो दोस्तों के साथ निकला था

PHOTON NEWS GHATSILA :
पूर्वी सिंहभूम जिले के चाकुलिया स्थित हवाई पट्टी के पास रविवार की सुबह एक युवक का शव खून से लथपथ हालत में मिला। ग्रामीणों ने इसकी सूचना पुलिस को दी, जिसके बाद.चाकुलिया के थाना प्रभारी संतोष कुमार घटनास्थल पहुंचे। मृतक के सिर पर किसी धारदार हथियार से वार किया गया है, जिससे उसकी मौत हो गई। शव मिलने की सूचना पर वहां काफी लोग जुट गए। ग्रामीणों ने बताया कि मृतक चाकुलिया नगर पंचायत क्षेत्र के वार्ड संख्या 6 का निवासी सुनील महतो था। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है। परिजनों के मुताबिक सुनील महतो 15 नवंबर को घर से बाइक लेकर निकला था।

घटनास्थल पर जांच करती पुलिस ● फोटोन न्यूज

देर शाम तक जब घर नहीं लौटा, तो परिजनों ने कई बार उसके फोन पर संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन बात नहीं हुई। कुछ देर बाद मोबाइल स्विचऑफ हो गया था। घटनास्थल के पास बाइक और मोबाइल नहीं मिला। थाना प्रभारी संतोष कुमार ने बताया कि पुलिस घटना की हर पहलू से जांच कर रही है। सुनील महतो के शव के पास शराब की बोतल और तीन गिलास मिले हैं। परिवार के सदस्यों ने बताया कि सुनील महतो के साथ और दो लोग थे। उन्होंने कहा कि किसी साजिश के तहत सुनील महतो को यहां बुलाकर हत्या की गई है। उनकी मांग है कि पुलिस फॉरेंसिक टीम के साथ जांच कर आरोपियों को गिरफ्तार करे।

BRIEF NEWS

जेल में लगी लोक अदालत, दी गई कानूनी जानकारी

KHUNTI : झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (झालसा) के निर्देश पर जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह डीएलएसए अध्यक्ष रसिकेश कुमार के मार्गदर्शन में उपकारा खूंटी में जेल लोक अदालत सह कानूनी जागरूकता शिविर एवं मेडिकल चेकअप कैंप का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कैदी उपस्थित रहे। डालसा सचिव राजश्री अपर्णा कुजूर ने रविवार को कैदियों को संबोधित करते हुए कहा कि जिन बंदियों को बेल कराने में दस्तावेजों की कमी, आर्थिक समस्या या परिवार से सहयोग नहीं मिल पाता है, वे आवेदन के माध्यम से डालसा सचिव या कारा अधीक्षक को सूचित कर सकते हैं। उन्हें हर संभव निःशुल्क कानूनी सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि वर्तमान में उपकारा खूंटी में 102 पुरुष और 17 महिला कैदी निरुद्ध हैं। उन्होंने यह भी साझा किया कि झालसा अब कैदियों एवं उनके परिवारों को सरकारी योजनाओं से जोड़ने की दिशा में कार्य कर रहा है। इसके तहत कैदियों के छोटे बच्चों का नजदीकी स्कूलों में आरटीई के तहत नामांकन कराया जाएगा तथा परिजनों से प्राप्त आवेदनों को जिला प्रशासन को भेजकर पात्रता के अनुसार लाभ दिलाया जाएगा। सचिव ने कैदियों से अपने अधिकारों को पहचानने, शिक्षा पर ध्यान देने तथा स्वयं को दोषी समझकर हतोत्साहित न होने की अपील की। कार्यक्रम में डीएलएसए की एलएडीसी डिप्टी चीफ नम्रता कुमारी, पीएलवी प्रेम कुमार ठाकुर, अजय कुमार मिश्रा तथा उपकारा के सहकर्मी मौजूद थे।

एक्सएलआरआई में देवेंद्र पाल सिंह ने मचाई धूम

JAMSHEDPUR : एक्सएलआरआई-जेवियर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट के वार्षिक फेस्टिवल एनसेंबल-वलहल्ला में दूसरे दिन रविवार की शाम संगीतमय हो गई, जब मशहूर गायक देवेंद्र पाल सिंह ने अपने हिट गीतों से छात्रों को झूमने पर मजबूर कर दिया। बॉलीवुड और सूफी फ्यूजन के मिश्रण वाले उनके गानों ने कैंपस को संगीत की लहरियों से सराबोर कर दिया। देवेंद्र ने 'तू माने या न माने दिलदारा', 'कुछ तो होगा' जैसे लोकप्रिय ट्रैक्स गाकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। छात्रों ने तालियां बजाते और नाचते हुए पूरा आनंद लिया। सिंह ने छात्रों से संवाद करते हुए कहा कि संगीत जीवन की ऊर्जा है, इसे जी भरकर जियो। कार्यक्रम में सैकड़ों छात्र-छात्राएं शामिल हुए, जिन्होंने सेल्फी और ऑटोग्राफ की होड़ मचाई। यह परफॉर्मेंस फेस्टिवल के सांस्कृतिक हिस्से का मुख्य आकर्षण रहा, जो प्रतियोगिताओं के बाद मनोरंजन का सही समापन साबित हुआ।

धनबाद में युवक का शव हुआ बरामद, जांच कर रही पुलिस

पांडेबेड़ा के पास झाड़ियों में मिली लाश, फैल गई सनसनी

AGENCY DHANBAD :
झरिया के घनुवाडीह ओपी क्षेत्र स्थित पांडेबेड़ा के पास रविवार को झाड़ियों में एक युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। इस बीच मृतक का एक वीडियो भी वायरल हुआ है, जिसमें वह खुदकुशी की बात कहते हुए दिखाई दे रहा है। मृतक की पहचान बोकारो चास निवासी 22 वर्षीय तुषार सिंह के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार तुषार 11 नवंबर को ओडिशा में काम करने के लिए चंद्रपुरा स्टेशन से ट्रेन पकड़ने निकला था, लेकिन स्टेशन तक नहीं पहुंचा। ओडिशा में संपर्क न होने

घटनास्थल पर पहुंची पुलिस

पर परिजन उसकी खोजबीन में जुट गए। चंद्रपुरा थाना में गुमशुदगी दर्ज होने और स्टेशन के सीसीटीवी की जांच के बाद पुलिस ने तुषार का मोबाइल लोकेशन ट्रेस किया, जो लोदना क्षेत्र में मिला। इसी लोकेशन के आधार पर परिजन पांडेबेड़ा पहुंचे, जहां झाड़ियों में उसका शव पड़ा मिला। परिवार ने इसे साफ-साफ हत्या करार देते हुए पांडेबेड़ा की एक युवती और उसके घरवालों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। परिजनों का कहना है कि तुषार का युवती से प्रेम प्रसंग चल रहा था और कुछ दिन पहले युवती के परिजनों ने उसे जान से मारने की धमकी दी थी। घनुवाडीह ओपी प्रभारी पंकज कुमार ने बताया कि युवक बोकारो का निवासी था और झरिया में एक लड़की से उसके प्रेम संबंध होने की जानकारी मिली है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत का स्पष्ट कारण सामने आएगा। फिलहाल प्रेम प्रसंग सहित सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है। वहीं इस घटना से पूरे इलाके में भय और आक्रोश का माहौल बना हुआ है।

हादसे में बाइक सवार दो महिला की मौत चालक बाल-बाल बचा

DUMKA : जिले के रामगढ़ थाना क्षेत्र के कारुडीह पंचायत अंतर्गत झांझर मंडल टोला और ठाकुर टोला के बीच रविवार शाम एक सड़क हादसे में बाइक पर सवार दो महिलाओं की पानी टैंकर के चपेट में आने से मौहो गई। बाइक चालक विपरीत दिशा में गिर जाने के कारण बाल-बाल बच गया। बताया जाता है कि निमार्णाधीन सड़क पर पानी डालने वाले टैंकर से टक्कर होने के कारण यह गंभीर हादसा हुआ। जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के जोरडीहा मोड़ से कारुडीह तक प्रधानमंत्री सड़क योजना के तहत सड़क निर्माण कार्य चल रहा है। जिसमें दुमका के एक संवेदक की ओर से काम कराया जा रहा है। हादसे के बाद पानी टैंकर का चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। जिसकी तलाश में पुलिस जुटी है। मृतकों की पहचान रामगढ़ थाना क्षेत्र के केंदखपरा गांव निवासी सुरेंद्र मुर्मू की मां संझली बास्की और बहन बहामुनी हेम्ब्रम के रूप में हुई है। सुरेंद्र अपनी मां और बहन को बाइक पर बैठाकर झांझर आदिवासी टोला में आयोजित एक शादी समारोह में गया था। शाम करीब पांच बजे वापसी के दौरान सामने से आ रहे टैंकर ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। जिससे दोनों महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई।

गाड़ीखास में हुई चोरी का 24 घंटे में उद्भेदन, धराए चार चोर

बरामद चोरी का सामान

PALAMU : पंड़वा थाना क्षेत्र के ग्राम गाड़ीखास में 15-16 नवंबर की रात लगभग 1.10 बजे योगेंद्र कुमार सिंह के घर में चोरी हुई थी। इसकी सूचना मिलते ही थाना में उपस्थित पदाधिकारियों की एक टीम गठित की गई। टीम ने त्वरित एवं पेशेवर कार्रवाई करते हुए ग्राम गाड़ीखास से चार चोरों को चोरी के सामान सहित गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान अभियुक्तों ने स्वीकार किया कि वे सभी बिहार (रोहतास जिला) के अकोढ़ीगोला थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं और पिछले तीन-चार दिनों से पलामू के विभिन्न क्षेत्रों में दिन में रेकी और रात में चोरी कर रहे थे। उन्होंने टाउन थाना क्षेत्र के एक घर में भी चोरी करने की बात बताई। इनकी निशानदेही पर चोरी के सामान बरामद कर लिए गए। गिरफ्तार अभियुक्तों में जितु कुमार, अभय खरवार, बिफन खरवार उर्फ कार्तिक और संदीप कुमार शामिल हैं।

डंपर की चपेट में आकर युवक घायल, ग्रामीणों में आक्रोश

घटनास्थल पर जुटी लोगों की भीड़

DHANBAD : झरिया के जोड़ापोखर थाना क्षेत्र अंतर्गत जामाडोबा को-ऑपरेटिव कॉलोनी के समीप रविवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में 25 वर्षीय युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने उसे तत्काल नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, जहां से उसकी गंभीर हालत को देखते हुए बड़े अस्पताल में रेफर कर दिया गया। हादसा उस वक्त हुआ जब हीरा पंडित नाम का युवक सड़क से गुजर रहा था। तभी तेज रफ्तार हाइवा ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। स्थानीय लोग तुरंत उसे पास के अस्पताल में ले गए, जहां के डॉक्टरों में उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए अन्य बड़े अस्पताल में रेफर कर दिया। इस बीच हादसे के बाद गुस्साए स्थानीय लोगों ने हाइवा को कब्जे में लेकर चालक को बंदी बना लिया। उनकी मांग थी कि घायल युवक को बेहतर उपचार उपलब्ध कराया जाए और पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा दिया जाए।

जामताड़ा सड़क हादसा : स्वास्थ्य मंत्री ने की परिजनों से मुलाकात, डॉक्टरों को दी चेतावनी

AGENCY JAMTARA :
जामताड़ा में शनिवार को हुए भीषण सड़क हादसे में विशाल यादव की मौत हो गई, जबकि उसका भाई गंभीर रूप से घायल है और धनबाद के शहिद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज अस्पताल (एसएनएमसीएच) में इलाजरत है। परिजनों का आरोप है कि दुर्घटना के बाद अस्पताल में इलाज के दौरान लापरवाही बरती गई, जिसके चलते स्थिति और गंभीर हो गई। हादसे की जानकारी मिलते ही राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी शनिवार रात नारायणपुर प्रखंड के पोस्ता गांव पहुंचे और शोकग्रस्त परिवार से मुलाकात की। इस दौरान परिजनों ने मंत्री के सामने एसएनएमसीएच के डॉक्टरों पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा

परिजनों से बात करते स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी

कि समय पर उचित इलाज न मिलने के कारण विशाल की जान नहीं बच सकी।

घटना के बाद इलाज में संभावित लापरवाही की जानकारी मिलने पर स्वास्थ्य मंत्री नाराज दिखे। उन्होंने फोन पर चिकित्सा अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि ड्यूटी छोड़कर निजी प्रैक्टिस करने वालों पर जीरो टॉलरेंस अपनाया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि लापरवाही साबित होने पर बिना नोटिस सीधे निलंबित किया जाएगा।

मंत्री ने एसएनएमसीएच प्रबंधन को आदेश दिया कि सुपरिंटेंडेंट तुरंत आईसीयू जाकर मरीज की स्थिति की निगरानी करें और विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम तत्काल गठित करें। उन्होंने कहा कि अस्पताल में पर्याप्त सुविधाएं मौजूद हैं, इसलिए अनावश्यक रेफर नहीं किया जाएगा।

डॉ. अंसारी ने स्पष्ट किया कि सरकारी डॉक्टरों का दायित्व केवल वेतन लेना नहीं, बल्कि मरीजों की जान बचाना है। उन्होंने कहा कि किसी भी स्तर की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और वह स्वयं मामले की निगरानी कर रहे हैं।

मंत्री ने परिजनों को सांत्वना देते हुए मामले की जांच कराने और अस्पताल प्रबंधन से रिपोर्ट तलब करने का आश्वासन दिया। फिलहाल घायल युवक की हालत नाजुक बनी हुई है और डॉक्टरों की टीम लगातार उसकी निगरानी कर रही है।

आयोजन साकची के बोधि मंदिर मैदान में चल रहे मेले में हुई बाल अधिकार संरक्षण अधिनियम पर संगोष्ठी

सभी स्कूलों में अनिवार्य होनी चाहिए मोरल साइंस की पढ़ाई : पूर्व जज

PHOTON NEWS JSR :
साकची के बोधि मंदिर मैदान में चल रहे चतुर्थ बाल मेला में रविवार को बाल अधिकार संरक्षण अधिनियम पर संगोष्ठी हुई। इसमें झारखंड उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश एसएन पाठक ने कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं। बचपन को सुधारने का काम किया जाए। उनकी नींव मजबूत की जाए। समाज में नैतिक शिक्षा देने की जरूरत है। मोरल साइंस की पढ़ाई नहीं होती। ये विधिवत होनी चाहिए। मोरल साइंस में 75 प्रतिशत नंबर लाना अनिवार्य कर देना चाहिए। एसएन पाठक ने कहा कि हमारे यहां सामाजिक पतन इसलिए हो रहा है, क्योंकि हम ये चाहते हैं कि ये हो। इसके लिए जिम्मेदार हम ही हैं। उन्होंने कहा कि पापी से नहीं, पाप से घृणा करना चाहिए। जिस समाज में हम रहते हैं, उस समाज के बच्चों के लिए कुछ करें। यह हमारी जिम्मेवारी होनी चाहिए। आपका अधिकार, आपके कर्तव्य के साथ चलता है। पाठक ने कहा कि बाल श्रम खतरनाक है। उन्होंने कहा कि झारखंड के एक स्थान पर उन्होंने आयरन ओर के माइंस में बच्चों के काम करते देखा है। ये उस राज्य में हुआ, जहां प्रावधान लागू हैं। सरकारी तंत्र इन चीजों से अनभिज्ञ नहीं है। सरकार को पता है, इसके बावजूद अवैध काम हो रहा है। इसे हर हाल में रोकना होगा। उन्होंने कहा कि भारत में चोर वह है, जो पकड़ा जाता है। विदेशों में आप चोरी कर रहे हैं तो आप खुद ही पकड़े जाएंगे, क्योंकि वहां डर है। भारत में किसी को किसी से डर नहीं। ऐसा इसलिए है, क्योंकि हमें कानूनों के बारे में जानकारी नहीं है। उन्होंने जोर देकर कहा कि कानून के बारे में हमें जानना होगा, पढ़ना और समझना होगा।

पाठक ने कहा कि संविधान हर कानून की मां है। संविधान में हर चीज का प्रावधान है। उसे जानने की जरूरत है। झालसा और लीगल सर्विसेज अथारिटी का काम ही है, लोगों की मदद करना। झालसा को चाहिए कि वह पंफलेट लोगों के बीच में बांटें। सारे नियम-कानून बने हुए हैं। जरूरत है हथौड़ा चलाने की, पहल करने की। मीडिया के लोग भी जागरुक हों। संविधान में बच्चों को दिए गए 10 अधिकारों के बारे में भी सविस्तार चर्चा की। उन्होंने जेजे एक्ट, पॉक्सो एक्ट समेत कई एक्ट के बारे में भी बताया।

चंद्रदीप पांडेय ने राइट टू एजुकेशन पर कहा कि बच्चों का बचपन मोबाइल तक सीमित हो गया है। उसे नई दिशा देना जरूरी है। यही बाल मेला में हो रहा है। 2009 में शिक्षा का अधिकार अधिनियम में शिक्षा को मौलिक अधिकार के रुप

पूर्व जज एसएन पाठक

में जोड़ा गया। 6 से 14 वर्ष के बच्चों को शिक्षा देना राज्य सरकार की अनिवार्यता बन गई है। अब चीजें धीरे-धीरे बदल गई हैं। शिक्षक-छात्र अनुपात तय किया गया है। 30 बच्चों पर एक शिक्षक का अनुपात तय किया गया है। खेल के मैदान, शौचालय, व्यावहारिक शिक्षा आदि दी जा रही है। योग्य शिक्षकों की बहाली के नए मानदंड निर्धारित किये गए हैं। बच्चों के साथ कोई भेदभाव नहीं होना चाहिए। इन्क्लूसिव एजुकेशन को प्रमोट किया गया। शिक्षा का अधिकार हम सभी के लिए वरदान है। दीपक कुमार सिंह ने जुवेनाइल और पॉक्सो एक्ट के बारे में बताया। विकास दोदराजका ने कहा कि कानून, योजनाएं, नियम और अधिनियम देश भर में लागू हैं। झारखंड राज्य बाल संरक्षण आयोग सही तरीके से सक्रिय रहता है। उन्होंने इस बात पर चिंता जताई कि संसाधन तो बढ़ गए लेकिन बच्चों के विरुद्ध हिंसा में कोई कमी नहीं आ रही। हम आमजन तक इस बात को नहीं पहुंचा सके कि बच्चों की रक्षा के लिए कितने कड़े कानून हैं। हमें कानूनों की जानकारी भी नहीं है। बाल श्रम अधिनियम में नियम है कि 14 साल से नीचे के बच्चे से कोई काम नहीं करा सकते, फिर भी वो कर रहे हैं। पॉक्सो एक्ट के मामले रोज बढ़ते जा रहे हैं। बच्चों के प्रति सेक्सुअल हिंसा के मामले बढ़ रहे हैं। अच्छी बात ये है कि झारखंड में बच्चों के प्रति हिंसा रोकने के लिए व्यापक पैमाने पर प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। पहले जो बातें छुपी रहती थी, वो अब सामने आ रही हैं और उस पर कार्यवाई भी हो रही है, मामले दर्ज हो रहे हैं। उन्होंने दुख जताया कि बच्चों में नशे का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। कहा कि कोई प्लान नहीं है कि इसे कैसे रोकें। ये चिंतनीय है। इस पर विचार करना ही होगा। आदर्श सेवा संस्थान की प्रभा जायसवाल ने कहा कि बच्चों को हमने अहमियत नहीं दी। उनको समझा ही नहीं। बच्चे कमजोर हैं, हर मामले में। हम बड़ों की अपेक्षा बेहद कमजोर हैं। इनके लिए विशेष तरीके से काम करने की जरूरत है। 20 नवंबर 1989 को हमने अंतरराष्ट्रीय बाल दिवस को मान तो लिया, दस्तखत कर दिया लेकिन क्या बच्चों के अधिकार संरक्षित हो पाए? हमारे यहां कई कानून बने। जेजेसी एक्ट बना, पॉक्सो एक्ट बना। ये सब बच्चों के हित को ध्यान में रखते हुए बनाया गया। कितना सुंदर कानून है। लेकिन समाज है कि मानता ही नहीं। कानून अलग, समाज अलग। जेजे एक्ट तो ऐसा है कि अगर मां-बाप बच्चे के लिए कुछ न करें तो जेजे एक्ट करेगा। बच्चे वर्तमान ही नहीं, भविष्य भी हैं। वर्तमान गड़बड़ हो तो भविष्य बढ़िया कैसे होगा। 40 से 59 प्रतिशत बच्चे कुपोषित हैं, बाल विवाह है, अर्बन स्लम को मान्यता देनी होगी। अब लड़का-लड़की भाग कर शादी कर रहे हैं। ये मूलतः बाल विवाह ही है। बच्चों के अधिकार के बारे में भी सोचना चाहिए। बच्चों के पुनर्वास के बारे में योजना बनाई जानी चाहिए। हर बस्ती में ड्रग्स बिक रहे हैं। इन्हें रोकने की दिशा में काम करना जरूरी है।

पुलिस ने अफीम की अवैध खेती रोकने के लिए बांटा बीज

SERAIKELA : पुलिस जिले में अफीम की अवैध खेती को पूरी तरह समाप्त करने के लिए प्री कल्टीवेशन ड्राइव चला रही है। इस अभियान के तीसरे चरण के तहत पुलिस लगातार ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर रही है, ताकि किसानों को अफीम की खेती के दुष्परिणामों से अवगत कराते हुए वैकल्पिक खेती अपनाने के लिए प्रेरित किया जा सके। इसी क्रम में रविवार को चौका थाना क्षेत्र के रंगामटिया और तानीसोया गांव में थाना प्रभारी बजरंग महतो के नेतृत्व में विशेष जागरूकता और बीज वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम रामकृष्ण फाउंडेशन के सहयोग से संचालित हुआ। अभियान के दौरान दोनों गांवों में कुल 600 किलोग्राम उच्च गुणवत्ता वाले चना, सरसों, गेहूं और मटर के बीज किसानों के बीच वितरित किए गए। इस पहल का उद्देश्य किसानों को अफीम की खेती छोड़कर सब्जियों और अनाज जैसे पारंपरिक और लाभकारी फसलों की ओर आकर्षित करना है। कार्यक्रम में लगभग 100 से 120 किसान परिवारों को बीज उपलब्ध कराए गए, जिससे वे वैकल्पिक खेती को अपनाकर कृषि आधारित आजीविका को सुरक्षित और समृद्ध बना सकें।

BRIEF NEWS

बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार में जेल अदालत का आयोजन, तीन रिहा

RANCHI : रांची के होटवार स्थित बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा में रविवार को जेल अदालत का आयोजन किया गया, जिसमें 50 से अधिक कैदियों को विधिक सहायता क्लिनिक के महत्व और एलएडीसी, सामुदायिक पीएलवी तथा जेल पीएलवी की भूमिका और कार्यों के बारे में कानूनी जागरूकता प्रदान की गई। जेल अदालत के दौरान रेलवे मजिस्ट्रेट की ओर से 3 कैदियों को रिहा किया गया। प्रमुख और उप एलएडीसी ने वहां उपस्थित कैदियों की समस्याओं को सुना और जेल पीएलवी को निर्देश दिया कि जिन कैदियों के लिए अधिवक्ता नियुक्त नहीं किए गए हैं, उनके मामले में बंदी अवेदन के लिए आवेदन करें। जेल अदालत में रेलवे मजिस्ट्रेट विजय कुमार यादव, मुख्य एलएडीसी, उप एलएडीसी राजेश कुमार सिन्हा, सामुदायिक पीएलवी और जेल पीएलवी उपस्थित थे।

लटमा शिव मंदिर से सनातनी सेना ने निकाली शोभायात्रा

RANCHI : रविवार को लटमा शिव मंदिर, सिंह मोड़ से सनातनी सेना ने शोभायात्रा निकाली। इसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यात्रा के दौरान डोरंडा में बिना पानी क्लब की ओर से श्रद्धालुओं के लिए पानी-बताशा की व्यवस्था की गई। यह आयोजन बाबा बागेश्वर धाम के आचार्य श्री धीरेंद्र शास्त्री जी के समर्थन में किया गया। शोभायात्रा का उद्देश्य भारत को हिंदू राष्ट्र घोषित करने, गौमाता को राष्ट्रमाता का दर्जा दिलाने, लव जिहाद की समाप्ति, यमुना नदी का शुद्धिकरण, श्रीकृष्ण मंदिर का पुनर्निर्माण तथा वृज परिसर को उसके प्राचीन स्वरूप में पुनः स्थापित करने जैसे संकल्पों को जनमानस तक पहुंचाना था।

न्यायिक अधिकारी की मानहानि के मामले में पत्रकार को जमानत

RANCHI : गलत खबर प्रकाशित कर न्यायिक अधिकारी की मानहानि करने के मामले में पत्रकार को जमानत मिल गयी है। इससे पहले इस मामले में तीन अभियुक्तों को जमानत मिल चुकी है। मानहानी का यह मामला गिरिडीह जिले के तत्कालीन सब जज चतुर्थ से जुड़ा हुआ है। जानकारी के मुताबिक गिरिडीह जिले के तत्कालीन सब-जज चतुर्थ मोहम्मद नईम अंसारी ने जुलाई 2020 में एक प्राथमिकी दर्ज करायी थी। इसमें सुनियोजित साजिश रच कर गलत खबर प्रकाशित कर उन्हें बदनाम करने का आरोप लगाया गया था। सब-जज की शिकायत पर थाने में आईपीसी की धारा 385, 500, 501, 502/23 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गयी थी। प्राथमिकी की जांच के बाद पुलिस ने आरोपों को सही पाया।

शिक्षा का उद्देश्य जिम्मेदार नागरिक तैयार करना : राज्यपाल

PHOTON NEWS RANCHI : शिक्षा का उद्देश्य केवल अंक अर्जित करना नहीं है, बल्कि संवेदनशील, संस्कारवान और ज़िम्मेदार नागरिक तैयार करना है। शिक्षा सिर्फ किताबों तक सीमित नहीं है; यह व्यक्ति के नैतिक और चारित्रिक मूल्यों का भी निर्माण करती है। झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने रविवार को रांची के श्यामली स्थित जवाहर विद्या मंदिर में आयोजित वार्षिक सांस्कृतिक महोत्सव हारबिंगर्स-2025 को संबोधित करते हुए ये बातें कही। उन्होंने वर्ष 1966 में स्थापित इस प्रतिष्ठित विद्यालय की गौरवशाली परंपरा, अनुशासन और उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियों की

कार्यक्रम में भाग लेते राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार व अन्य

प्रशंसा करते हुए कहा कि यह हर्ष का विषय है कि यह विद्यालय न केवल झारखंड में बल्कि पूरे देश में अपनी विशिष्ट पहचान रखता है। उन्होंने पूर्व भारतीय क्रिकेट कप्तान महेंद्र सिंह धोनी का विशेष उल्लेख करते हुए कहा कि उनकी सादगी, अनुशासन और प्रसिद्धि इस संस्था की मूल भावना का प्रतीक है। राज्यपाल ने कहा कि सांस्कृतिक कार्यक्रम विद्यार्थियों की रचनात्मकता, आत्मविश्वास और भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति सम्मान को अभिव्यक्त करने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। आज प्रस्तुत गीत, नृत्य, नाटक और विविध कलात्मक प्रस्तुतियां विद्यार्थियों की प्रतिभा, मेहनत और नवाचार की भावना को दशार्ती हैं। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ₹परीक्षा पे चर्चा₹ कार्यक्रम का उल्लेख करते हुए उन्होंने छात्रों को ₹खुद पर विश्वास रखने, कड़ी मेहनत करने और मुस्कुराते रहने₹ का संदेश दिया। राज्यपाल ने झारखंड की वीरभूमि और भगवान बिरसा मुंडा के संघर्ष और प्रेरणादायी जीवन को स्मरण करते हुए विद्यार्थियों का आह्वान किया कि वे ईमानदारी, परिश्रम और सकारात्मकता को अपने जीवन में सर्वोच्च स्थान दें तथा अपने माता-पिता और शिक्षकों का सम्मान करें।

पूर्व डीजीपी अनुराग गुप्ता व गैंगस्टर सुजीत सिन्हा के सिंडिकेट की हो जांच

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने एनआईए महानिदेशक को लिखा पत्र

रांची : झारखंड में एक कथित बड़े आपराधिक-प्रशासनिक गठजोड़ का आरोप भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने लगाया है। उन्होंने एनआईए के महानिदेशक को पत्र लिखकर राज्य के पूर्व पुलिस महानिदेशक अनुराग गुप्ता और कुख्यात अपराधी सुजीत सिन्हा द्वारा संचालित गिरोह के बीच गहरी सांठगांठ की शिकायत की है। उन्होंने आरोप लगाते हुए राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बताते हुए एनआईए से जांच कराने की मांग की है। उन्होंने लिखा है कि सुजीत सिन्हा गिरोह कोयलांचल शांति समिति नामक संगठन के माध्यम से लंबे समय से हत्या, जबरन वसूली और अवैध हथियार व्यापार जैसे अपराधों में सक्रिय रहा है। गिरोह ने पंजाब के मोगा क्षेत्र में ड्रोन से गिराए गए हथियारों की खरीद की। इन हथियारों का संबंध पाकिस्तान से था। साथ ही प्रिंस खान से गिरोह की संभावित निकटता को भी गंभीर खतरे का संकेत बताया है। के रूप में रेखांकित किया गया है। उन्होंने लिखा है कि कुछ दिन पहले रांची पुलिस ने सुजीत सिन्हा की पत्नी रिया सिन्हा को गिरफ्तार किया था। वहीं उनके फोन से डिजिटल चैट का मिलना संदेहों को और मजबूत करने वाला है। शिकायत में कहा गया है कि इन चैटों से पूर्व डीजीपी अनुराग गुप्ता के साथ संदिग्ध संपर्कों का संकेत मिलता है।

केएसएस के गठन व संचालन को अनुराग गुप्ता का संरक्षण

इसके अलावा आरोप है कि केएसएस का गठन और संचालन पूर्व डीजीपी की जानकारी व संरक्षण में हुआ। गिरोह द्वारा वसूली गई रकम का एक हिस्सा उन्हें दिया जाता था। शिकायत में पांच प्रमुख बिंदुओं पर एनआईए जांच की मांग की गई है। इसमें रिया सिन्हा और गुप्ता के बीच डिजिटल संचार का फॉरेंसिक विश्लेषण, केएसएस की स्थापना में पूर्व डीजीपी अनुराग गुप्ता की कथित भूमिका, भारतमाला परियोजना क्षेत्रों में आपराधिक प्रभाव स्थापित करने की कोशिश, गैंगस्टर अमन साहू की योजनाबद्ध मुठभेड़ और महत्वपूर्ण डिजिटल सबूतों को दबाए जाने की आशंका शामिल है।

खाद्य पदार्थों में लगातार मिलावट की शिकायतें मिलने के बाद गंभीर हुआ विभाग

झारखंड की स्टेट फूड लैब को हर स्तर पर बनाया जा रहा हाईटेक

VIVEK SHARMA RANCHI : हाइजेनिक खाना आपकी सेहत को दुरुस्त रखता है। लेकिन, मिलावट वाला खाना आपको कितना नुकसान पहुंचा सकता है, यह तो एक्सपर्ट ही बता सकते है। ऐसे में स्टेट फूड लैब के एक्सपर्ट्स अब आपको मिलावट वाले भोजन के नुकसान भी बताएंगे। साथ ही यह भी बताएंगे कि उसके खाने से आपको कौन-कौन सी बीमारियां हो सकती है। बता दें कि स्टेट फूड एंड ड्रग टेस्टिंग लैबोरेट्री को अपग्रेड किया जा रहा है। हर स्तर पर इसे हाईटेक बनाया जा रहा है। माइक्रोबायोलॉजी लैब बनकर तैयार है। जल्द ही इसमें सैंपल की टेस्टिंग शुरू कर दी जाएगी।

लैब इंचार्ज चतुर्भुज मीणा ने बताया कि स्टेट फूड लैब में राज्यभर से सैंपल कलेक्ट कर टेस्ट के लिए भेजे जाते हैं। समय-समय पर राजधानी में टेस्टिंग की जाती है। इस लैब में टेस्ट में कई खुलासे हुए हैं। खोवा, पनीर और मिठाई में मिलावट की पुष्टि हुई है। इसके अलावा दिवाली में सैंपल के रूपमें ली गई मिठाइयों में भी मिलावट की गई थी। इसकी रिपोर्ट विभाग तैयार कर रहा है। रिपोर्ट प्रशासन को भेजी जाएगी। इसके बाद संबंधित प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई की जाएगी।

- अब मिलावट से होने वाली बीमारियों को लेकर भी किया जाएगा आगाह
- लैब में जांच के दौरान हुआ खुलासा, पनीर-खोवा में मिले खतरनाक केमिकल

खाने की चीजें खरीदते समय बरतें सावधानी

लैब में माइक्रोबायोलॉजी लैब बनकर तैयार है। इसमें हाईटेक मशीनें लगाई गई है। इस मशीन में ये पता लगाया जा सकेगा कि मिलावट के लिए कौन सा पदार्थ इस्तेमाल किया गया था। वहीं इसके लंबे समय तक सेवन से कौन-कौन सी बीमारियां हो सकती है। इससे लोगों को अलर्ट किया जाएगा कि खाने की चीजों की खरीदारी करते समय किन बातों का ध्यान रखें।

खुद से करा सकते हैं टेस्ट

स्टेट फूड लैब में कोई भी व्यक्ति सैंपल की टेस्टिंग करा सकता है। इसके अलावा फूड सेफ्टी आन व्हील्स में भी लोग नॉमिनल चार्ज देकर सैंपल की टेस्टिंग करा सकते है। विभाग की ओर से दो टेस्टिंग वैन उपलब्ध कराई गई हैं। ये वैन समय-समय पर शहर के अलग-अलग इलाकों में सैंपल टेस्ट करने के लिए जाती हैं। वहीं बेसिक टेस्ट तत्काल वैन में ही कर लिए जाते हैं। इसके बाद सैंपल की डिटेल टेस्टिंग के लिए लैब में लाया जाता है।

750 तरह के केमिकल की मांग

फिलहाल फूड टेस्टिंग लैब में जांच के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले केमिकल का स्टॉक खत्म होने को है। ऐसे में लैब इंचार्ज ने विभाग से 750 केमिकल की मांग की है। इसमें माइक्रोबायोलॉजी लैब के लिए भी केमिकल शामिल हैं। इन केमिकल्स के मिलने के बाद टेस्टिंग में तेजी आएगी। वहीं ज्यादा से ज्यादा सैंपल टेस्ट किए जा सकेंगे।

इवेंट कंपनी के मालिक ने की आत्महत्या, हरमू स्थित घर में मिला शव

RANCHI : हरमू हाउसिंग कॉलोनी स्थित पटेल नगर में रहने वाले शशिकांत गुप्ता नामक एक युवक ने अपने कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। वह शहर की जानी-मानी डॉटफिश इवेंट कंपनी के निदेशक थे। पुलिस की शुरूआती जांच में पता चला है कि शशिकांत गुप्ता पिछले कुछ समय से गहरे तनाव में थे। इस तनाव का मुख्य कारण उनके बच्चे की मौत बताया जा रहा है। पुलिस के मुताबिक मानसिक पीड़ा के चलते उन्होंने यह आत्मघाती कदम उठाया। यह घटना तब सामने में आई जब रविवार दोपहर में उनका शव उनके कमरे से बरामद किया गया। बताया जा रहा है कि घटना के वक्त उनकी पत्नी कोलकाता में थीं, जबकि उनकी मां पलामू में थीं। शशिकांत उस दौरान अपने रिश्तेदारों के साथ रह रहे थे। पुलिस के मुताबिक शनिवार की रात का खाना खाने के बाद शशिकांत अपने कमरे में चले गए थे। जब रविवार दोपहर तक वह कमरे से बाहर नहीं निकले, तो रिश्तेदारों को संदेह हुआ। किसी तरह दरवाजा खोलकर जब वे भीतर गए, तो देखा कि शशिकांत पंखे से लटके हुए थे। रिश्तेदारों ने घटना की जानकारी तत्काल अरगोड़ा थाना की पुलिस को दी गई।

कांग्रेस का यह तथाकथित 'टैलेंट हंट' कार्यक्रम असल में 'डैमेज कंट्रोल हंट' : प्रतुल शाहदेव

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश और राष्ट्रीय प्रवक्ता अतुल लोंढे पाटिल द्वारा प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दिए गए बयानों पर पलटवार किया है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के बीच तुलना पर भी आपत्ति जताई। भाजपा प्रवक्ता ने रविवार को कहा कि कांग्रेस बिहार में सिंगल डिजिट सीटों के आंकड़े पर सिमट गई है। अब इस मुद्दे पर डैमेज कंट्रोल करने के लिए नया पोस्टर और नया प्रवक्ता पैनल का नाटक कर रही है। कांग्रेस झारखंड में अपनी संगठनात्मक क्षमता को छुपाने के लिए नए-नए पोस्टर और कार्यक्रम लॉन्च कर रही है,लेकिन जनता सब जानती है कि जिस पार्टी में शीर्ष नेताओं की ही विश्वसनीयता शून्य है,वहां प्रवक्ता बदलने से कुछ नहीं बदलेगा। प्रतुल शाहदेव ने कहा कि इस गंभीर प्रेस कॉन्फ्रेंस को कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने हंसी के शो में बदल दिया, जब उन्होंने कहा कि राहुल गांधी वास्तविकता में और सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से कहीं अधिक लोकप्रिय हैं। उन्होंने कहा कि यह दुनिया जानती है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विश्व के सबसे लोकप्रिय नेता है। देश की बात छोड़िए विदेश में भी उनके टक्कर का कोई दूसरा नेता नहीं है। फिर उनकी तुलना तीन-तीन आम चुनाव में बुरी तरीके से हारने वाले कांग्रेस पार्टी की अगुवाई करने वाले राहुल गांधी से कैसे हो सकती है? प्रतुल ने कहा कि कांग्रेस जिस टैलेंट हंट की बात कर रही है, वह सिर्फ एक नया राजनीतिक शो-ऑफ है, क्योंकि सबसे पहले कांग्रेस को अपने शीर्ष नेतृत्व में वैचारिक निष्ठा ढूंढनी चाहिए, जो रोज दल बदलने वाले, टिकट बेचने वाले और परिवारवाद से ऊपर नहीं उठ पाए हैं।

संस्कृत पढ़ने वाले छात्रों को होनी चाहिए आत्मगौरव की अनुभूति : डॉ. शैलेश मिश्र

PHOTON NEWS RANCHI : राजकीय संस्कृत महाविद्यालय के वरीय प्राध्यापक डॉ. शैलेश कुमार मिश्र ने रविवार को कहा कि संस्कृत का अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों को आत्म गौरव की अनुभूति होनी चाहिए। डॉ. मिश्र ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय (डीएसपीएमयू), रांची के संस्कृत विभाग में आयोजित नवागत छात्राभिनन्दन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में विद्यार्थियों को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि विद्यार्थियों को शास्त्रों के स्वाध्याय में लगे रहना चाहिए। विद्यार्थी जीवन में अनुशासन के

महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए डॉ मिश्र ने कहा कि अनुशासित विद्यार्थी ही जीवन में सफलता को प्राप्त करते हैं। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के प्रभारी कुलसचिव-सह-संस्कृत विभाग के अध्यक्ष डॉ धनंजय वासुदेव द्विवेदी ने कहा कि संस्कृत केवल एक भाषा नहीं, बल्कि एक सम्पूर्ण विषय, एक पूर्ण ज्ञानपरंपरा और भारतीय संस्कृति का आधार स्तम्भ है। संस्कृत में निहित शास्त्र, व्याकरण, काव्य, वेद, उपनिषद् और दर्शन मानव जीवन के समग्र विकास के पथप्रदर्शक हैं। मारवाड़ी कालेज के प्राध्यापक एवं कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डॉ राहुल कुमार ने संस्कृत के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ज्ञान-विज्ञान के सिद्धान्त संस्कृत वाङ्मय में सन्निहित हैं। उन्होंने कहा कि देश और विदेश के विशिष्ट संस्थान संस्कृत के अध्यापन पर बल दे रहे हैं। बीएनजे कालेज, सिसई के संस्कृत विभाग के अध्यक्ष एवं कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डॉ. पारंगत खलखो ने कहा कि विद्या ही एकमात्र ऐसा धन है जो व्यय करने पर भी बढ़ता है।

मीडिया टैलेंट हंट प्रोग्राम में नियुक्त होंगे प्रदेश और क्षेत्रीय स्तर के नए प्रवक्ता : केशव महतो कमलेश

- प्रवक्ताओं को चुनने के लिए झारखंड को सात जोन में किया गया विभाजित

PHOTON NEWS RANCHI : कांग्रेस ने पूरे देश में प्रवक्ताओं के चयन के लिए नेशनल मीडिया टैलेंट हंट प्रोग्राम शुरू किया है। इसकी शुरूआत झारखंड में भी जल्द होने जा रही है। रविवार को प्रेसवार्ता में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि एआईसीसी की इस पहल के तहत प्रदेश और क्षेत्रीय स्तर पर नए प्रवक्ताओं की नियुक्ति की जाएगी। इसके लिए झारखंड को सात जोन

में विभाजित किया गया है। संवाददाता सम्मेलन में मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा, सतीश पौल मुंजनी, लालकिशोर नाथ शाहदेव, सोनाल शांति, कमल ठाकुर और गजेंद्र सिंह मौजूद रहे।

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि चयन प्रक्रिया में कांग्रेस के मूल्यों के प्रति निष्ठा, वैचारिक स्पष्टता, राजनीतिक जागरूकता, बेहतर संचार कौशल, मीडिया में सहज उपस्थिति और इतिहास व संवैधानिक मूल्यों की समझ रखने वालों को प्राथमिकता दी जाएगी। यह प्रक्रिया संगठन सृजन अभियान के तहत पूरी की जाएगी।

इन प्रतिनिधियों को किया जाएगा शामिल : पूर्वी भारत (उड़ीसा, बिहार, झारखंड और बंगाल) के प्रभारी तथा एआईसीसी प्रवक्ता अतुल लोंढे पाटिल ने कहा कि यह कार्यक्रम उन प्रतिभाशाली लोगों को मंच देने का प्रयास है जिनमें संविधान, प्रस्तावना और भारतीय राजनीति की गहरी समझ है। उन्होंने कहा कि पार्टी चाहती है कि संगठन में नए लोग सीधे संवाद के माध्यम से आएं, न कि किसी नेता की सिफारिश से। देश को छह जोन में बांटकर इस पहल को आगे बढ़ाया जा रहा है। जिसमें एनजीओ, मीडिया और सिविल सोसायटी के प्रतिनिधियों को भी शामिल किया जाएगा।

आयोजन वरिष्ठ पत्रकार श्याम किशोर चौबे की दो पुस्तकों का हुआ लोकार्पण

डोमिसाइल को लेकर गांव-देहात में कोई कंफ्यूजन नहीं : अर्जुन मुंडा

PHOTON NEWS RANCHI : रविवार को वरिष्ठ पत्रकार श्याम किशोर चौबे की दो पुस्तकों- 'झारखंडनामा' और 'झारखंड की राजनीति : प्रयोग और संयोग' का लोकार्पण चेंबर भवन में पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा, वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री राधाकृष्ण किशोर, वरिष्ठ पत्रकार पद्मश्री बलबीर दत्त, वरिष्ठ पत्रकार बैजनाथ मिश्र और प्रभात प्रकाशन के निदेशक पीयूष कुमार ने किया। प्रभात प्रकाशन द्वारा प्रकाशित इन पुस्तकों के लोकार्पण समारोह में मुख्य अतिथि पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा ने कहा कि झारखंड की स्थापना के रजत जयंती वर्ष पर इन पुस्तकों का प्रकाशित होना अपने आप में महत्वपूर्ण है।

पुस्तकों का लोकार्पण करते अतिथि

सत्ता में पढ़े-लिखे नेताओं का होना जरूरी : राधाकृष्ण किशोर

समारोह के विशिष्ट अतिथि झारखंड के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि राजनीति में और विशेषतः सत्ता में पढ़े लिखे नेताओं का होना जरूरी है। कम पढ़ा लिखा राजनेता नौकरशाही की टेढ़ी चालों से बच नहीं पाता। उन्होंने कहा कि पत्रकारों और साहित्यकारों की कलम नौकरशाहों के कृत्यों को उजागर करने के लिए भी चलनी चाहिए। श्री किशोर ने अपने वक्तव्य में उस पूरे घटनाक्रम को भी शामिल किया, जिसमें उन्हें अर्जुन मुंडा की सरकार में मंत्री बनाया गया था और केवल 10 दिनों बाद ही उन्हें इस्तीफा देना पड़ा था। उन्होंने इन दोनों को भविष्य के लिए अत्यंत उपयोगी बताया।

राजनीतिक घटनाक्रमों का गहराई से वर्णन

समारोह की अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ पत्रकार पद्मश्री बलबीर दत्त ने कहा कि इन पुस्तकों की उपयोगिता इसलिए अधिक है, क्योंकि ये इनमें राज्य के राजनीतिक घटनाक्रमों का गहराई से वर्णन है। उन्होंने अर्जुन मुंडा और राधाकृष्ण किशोर द्वारा उठाए गए विषयों पर शोध की आवश्यकता बताई। पद्मश्री बलबीर दत्त ने आज जहां हम हैं, उसके बारे में चिंतन करना चाहिए। समारोह का संचालन करते हुए विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ पत्रकार बैजनाथ मिश्र ने कृति चर्चा भी की। उन्होंने कहा कि ये पुस्तकें एक रिपोर्टर के नजरिए से लिखी गई हैं। लेखक ने राजनीतिक घटनाक्रमों को जस का तस तो पेश किया ही है, यथाआवश्यक अपनी टिप्पणी भी की है। उन्होंने कहा कि अखबार इतिहास का रोजनामचा होता है और बतौर पत्रकार श्याम किशोर चौबे ने खबरों के संकलन और संचयन का दायित्व एक साथ निभाया और उन संचित अनुभवों को आज पुस्तकों के रूप में लोकार्पित किया गया है। लोकार्पण समारोह में उपस्थित गणमान्य लोगों और अतिथियों का स्वागत प्रभात प्रकाशन के निदेशक डॉ पीयूष कुमार ने किया। उन्होंने कहा कि झारखंड में पाठकों की कमी नहीं है। हमें बिहार की तरह यहां भी पुस्तक मेले की संस्कृति विकसित करनी चाहिए। समारोह के सभी अतिथियों को प्रभात प्रकाशन की ओर से राजेश कुमार और दिवाकर कुमार ने पुस्तकों का सेट भेंट कर उनका स्वागत किया।

पिठोरिया चौक के समीप ट्रैफिक पुलिस तैनात करने की उठी मांग

PHOTON NEWS PITHAURIYA : रांची-पतरातू मुख्य मार्ग पिठोरिया चौक के समीप हर दिन जाम लगा रहता है। इसका मुख्य कारण है कि चौक के नजदीक लोग सड़क पर ही अपने वाहन को पार्किंग करके खरीदारी या अन्य कामों से चले जाते हैं। स्थानीय लोगों की मानें तो जाम की वजह से घंटों स्कूल बसें और एम्बुलेंस फंसी रहती हैं। स्थानीय लोगो की मांग है कि पिठोरिया चौक के समीप ट्रैफिक पुलिस की तैनाती की जाए, ताकि लोगो को जाम से मुक्ति मिल सके। वहीं चौक के समीप दुकानदारों का भी कहना है की आए दिन रांची-पतरातू मुख्य मार्ग पर बाइकर्स लोगो का भी आतंक मचा रहता है। चौक के समीप से ही बाइकर्स अपने गैंग के साथ पूरी स्पीड मे बाइक को दौड़ाते हैं। पूर्व मे भी बाइकर्स लोगो के द्वारा दुर्घटना मे स्थानीय लोग की जान जा चुकी है। पिठोरिया पुलिस से भी इस पर पहल करने की मांग की गई है।

समाचार सार

चाईबासा क्रिकेट क्लब ने गुवा को हराया

CHAIBASA : चाईबासा के बिरसा मुंडा क्रिकेट स्टेडियम में रविवार को खेले गए मैच में चाईबासा क्रिकेट क्लब ने गुवा के रायवल क्रिकेट क्लब को 109 रनों से हरा दिया। इसके साथ ही चाईबासा क्रिकेट क्लब के 12अंक हो गए और अंक तालिका में ये पहले स्थान पर पहुंच गया है। अब क्वार्टर फाइनल में चाईबासा क्रिकेट क्लब का मुकाबला ग्रुप-बी में दूसरे पायदान पर रहने वाली टीम से 28 नवंबर को होगा। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए चाईबासा क्रिकेट क्लब की टीम ने निर्धारित 30 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 216 रन बनाए। वहीं, निर्धारित लक्ष्य का पीछा करने उतरी रायवल क्लब की टीम 22 ओवर में 107 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। एसआर रूंगटा बी-डिविजन लीग में सोमवार को मेघाहातुबुरू क्रिकेट क्लब का मुकाबला टॉउन क्लब चाईबासा से होगा।

शहीद करतार सिंह सराभा को दी गई श्रद्धांजलि

JAMSHEDPUR : मात्र 19 वर्ष की आयु में देश की स्वतंत्रता के लिए हंसते-हंसते प्राणों का बलिदान करने वाले महान क्रांतिवीर शहीद करतार सिंह सराभा के शहादत दिवस पर नमन परिवार द्वारा इस वर्ष भी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें वरिष्ठ इंटक नेता राकेश्वर पांडेय, टाटा मोटर्स वर्कर्स यूनियन के पूर्व अध्यक्ष गुरमीत सिंह तोते, वरिष्ठ पत्रकार बृजभूषण सिंह, रामलीला उत्सव समिति के रामकेवल मिश्रा, साहित्यकार बलविंदर सिंह, नमन परिवार की रितिका श्रीवास्तव एवं अन्य ने शहीद के व्यक्तित्व व कृतित्व का स्मरण करते हुए उनके जीवन से प्रेरणा लेने की सलाह दी। धन्यवाद ज्ञापन नमन के संस्थापक सदस्य जूगुन पांडे ने किया।

जिला ग्रामीण क्रिकेट टूर्नामेंट की तैयारी शुरू

GHATSILA : जेएन पैलेस घाटशिला में 18वीं विजय बोस मेमोरियल जिला ग्रामीण क्रिकेट टूर्नामेंट की तैयारी शुरू हो गई है। इसे लेकर रविवार को कमेटी की बैठक हुई, जिसकी अध्यक्षता जिला को-ऑर्डिनेटर धनजी सिंह ने की, जबकि इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि संयुक्त सचिव सहकारिता विभाग, झारखंड सरकार सत्यवीर रजक एवं काउंटी क्रिकेट क्लब के सचिव राजीव बदान उपस्थित थे। यह टूर्नामेंट 23 नवंबर से होना है। इसमें अंडर-19 और अंडर-16 वर्ग के बच्चों को ज्यादा अवसर देने पर बल दिया गया। बैठक में अजय कुमार दास, रेमंड, विकास मिश्रा, मनोज सिंह, अशोक कर, प्रभास पातर, शिव प्रसाद डेविड, विजय सिंह अर्जुन सिंह, शिवाजी चटर्जी, शंभू महावीर महतो, सागर आचार्य, कौशिक महतो सहित अन्य शामिल थे।

सीएम से मिले घाटशिला के विधायक सोमेश सोरेन

GHATSILA : घाटशिला के नवनिर्वाचित विधायक सोमेश चंद्र सोरेन रविवार को रांची गए थे, जहां उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन व सीएम की पत्नी-सह-गांडेय की विधायक कल्पना सोरेन से मिले। सीएम आवास पर हुई मुलाकात के दौरान हेमंत व कल्पना सोरेन ने सोमेश को ऐतिहासिक जीत की शुभकामना दी। मुख्यमंत्री ने सोमेश सोरेन को नसीहत देते हुए कहा कि आने वाले दिनों में यह प्रदर्शन और मजबूत होना चाहिए, ताकि क्षेत्र के विकास की गाड़ी वे स्वयं आगे बढ़ा सकें। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि रामदास सोरेन जिस तरह कार्यकताओं का सम्मान करते थे उसी प्रकार कार्यकताओं के सम्मान को संभालने और साथ लेकर चलना सोमेश बाबू की बड़ी जिम्मेदारी है। इस दौरान दिवंगत विधायक रामदास सोरेन की पत्नी सूरजमोनी सोरेन, युवा मोर्चा के पूर्व जिला उपाध्यक्ष विक्टर सोरेन के साथ विधानसभा के कई कार्यकर्ता उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि वोटों का अंतर चाहे 38,600 हो, लेकिन जीत में घमंड की कोई जगह नहीं, क्योंकि यह विजय जनता द्वारा दिए गए विश्वास और हमारी उपलब्धियों को उन तक पहुंचाने की निरंतर प्रक्रिया का परिणाम है। सीएम ने भावुक होते हुए कहा कि गुरुजी और दिवंगत विधायक रामदास दा का साया अब हमारे बीच नहीं है।

मिलानी की कार्यसमिति का हुआ चुनाव

JAMSHEDPUR : बिष्टुपुर स्थित बंगभाषियों की प्रतिष्ठित संस्था मिलानी की कार्यकारिणी समिति का रविवार को चुनाव हुआ। इसमें सदस्य के लिए 25 उम्मीदवार मैदान में थे, लेकिन मतदान के बाद सर्वाधिक वोट पाने वाले 21 सदस्य ही रखे जाएंगे। इसके अनुसार, दीपांकर दत्ता (राजू), कृष्णेंदु चटर्जी (मुनमुन), मिहिर कुमार भट्टाचार्य, चैताली सरकार, गौतम कुमार गुहा, रुमी बागची, प्रबाल तरफदार, गौतम कुमार भौमिक (भाई), सुब्रत घोष, गौतम आचार्जी, उज्जवल गुहा, स्वपन दत्ता, अरिजित सरकार, गौतम डे, नवनीता बनर्जी (सौमी), केया कुंडू, बिमल राय, बासुदेव दास, दीपांकर डे, पुर्णेंद्रु कुमार सरकार व गणेश दास कार्यसमिति सदस्य रहेंगे, जबकि चुनाव हारने वाले सुब्रत राउत, पलाशकांति हाजरा, पार्था घोष व प्रियज्योति चटर्जी कार्यकारिणी सदस्य नहीं बन पाएंगे। अब अगली बैठक में अध्यक्ष सहित अन्य पदाधिकारियों का चयन किया जाएगा। फिलहाल, श्रीलेदर्स के निदेशक शेखर डे अध्यक्ष हैं।

लाइफ सर्टिफिकेट के नाम पर साइबर अपराधियों ने ठगे 17 लाख रुपये

बैंक अधिकारी बनकर रिटायर्ड कर्मी को झांसे में लिया

PHOTON NEWS CHAIBASA : साइबर अपराधियों ने पश्चिमी सिंहभूम जिले के चाईबासा निवासी से लाइफ सर्टिफिकेट के नाम पर 17 लाख रुपये ठग लिए। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के करलाजोड़ी गांव निवासी परमेश्वर पुरती ने थाने में अज्ञात अपराधियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। उन्होंने पुलिस को बताया कि 10 नवंबर की रात करीब 9 बजे मेरे मोबाइल पर एक व्यक्ति का कॉल आया। फोन करने वाले ने बताया कि आपके पेंशन के लिए जीवन प्रमाणपत्र का डाटा अपडेट करना है। जब परमेश्वर पूर्ति ने उसने पूछा कि वह कौन हैं और कहां से बोल रहे हैं, इस पर उधर से जवाब मिला कि आपकी बात बैंक ऑफ इंडिया के प्रधान शाखा कार्यालय बांद्रा-कुर्ला (मुंबई) के पेंशन विभाग से हो रही है। ठग ने बताया कि आपके पेंशन जीवन प्रमाणपत्र (लाइफ सर्टिफिकेट) के लिए आवश्यक जानकारी को जल्द से जल्द अपडेट करना जरूरी है। इस पर पीड़ित ने बैंक खाते समेत अन्य मांगी गई जानकारी उपलब्ध करा दी। परमेश्वर पुरती ने बताया कि इसके तुरंत बाद उनके बैंक खाते से साइबर अपराधियों ने 16.92 लाख रुपये की निकासी कर ली। बता दें कि फोन पर बैंकों द्वारा खाते से संबंधित कोई भी जानकारी नहीं मांगी जाती है। इस तरह के मामलों में अक्सर साइबर अपराधी खुद को बैंक का प्रतिनिधि और अफसर बताकर गोपनीय जानकारी ले लेते हैं। इसके बाद आसानी से भोले-भाले लोगों को ठग लिया जाता है। इधर प्राथमिकी दर्ज कराए जाने के बाद मुफस्सिल थाने की पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

चाईबासा का मुफस्सिल थाना पहुंचा पीड़ित

खंडामौदा निवासी युवक दस दिनों से लापता, परिवार को अनहोनी की आशंका

GHATSILA : पूर्वी सिंहभूम जिला स्थित बहरागोड़ा प्रखंड के खंडामौदा का रहने वाला आशीष कुमार पैड़ा दस दिनों से लापता है। 5 नवंबर को आशीष महाराष्ट्र के पुणे से घर लौट रहा था। इसी दौरान कर्नाटक के पास उसके साथ छिनतई और मारपीट की घटना हुई। इसकी जानकारी परिवार को मिली। आशीष की पत्नी कलाबती पैड़ा ने बताया कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने उसे फोन करके बताया कि आशीष के साथ कर्नाटक में छिनतई और मारपीट हुई है। इस घटना के बाद से आशीष का फोन स्विचऑफ है और सूचना देने वाले व्यक्ति का फोन भी रिसीव नहीं हो रहा है। इससे परिवार की चिंता और बढ़ गई है। कलाबती पैड़ा ने न्याय और मदद की गुहार लगाते हुए बरसोल थाना में लिखित आवेदन भी दिया है। परिवार ने मामले की गंभीरता को देखते हुए पूर्व विधायक कुणाल षाड़ंगी से संपर्क किया। पूर्व विधायक ने तुरंत मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और झारखंड पुलिस को ट्विटर के माध्यम से पूरी जानकारी दी और प्रशासन से आशीष को ढूंढने के लिए तत्काल कार्रवाई का आग्रह किया। बरसोल पुलिस भी लापता व्यक्ति की खोजबीन में जुट गई है। फिलहाल पुलिस आसपास के क्षेत्रों में तलाशी और मोबाइल लोकेशन ट्रैकिंग के जरिए जांच कर रही है।

बागबेड़ा में महिला दुकानदार पर हुआ जानलेवा हमला

JAMSHEDPUR : बागबेड़ा थाना क्षेत्र के प्रधान टोला में एक महिला दुकानदार अनीता कुमारी मिश्रा पर कुछ लोगों ने जानलेवा हमला कर दिया है। हमले से घायल अनिता को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आरोप है कि महिला की दुकान का ताला तोड़कर नकदी भी लूट ली गई है। इस मामले में कोर्ट में केस किया गया है। कोर्ट के आदेश पर रविवार को नामजद प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। महिला ने पुलिस को बताया कि हमलावर बागबेड़ा थाना क्षेत्र के कृष्णापुरी के रहने वाले हैं। अभिजीत मिश्रा, अभय मिश्रा, शुभा देवी, चंपा देवी, मोहन ओझा, रूपा ओझा और प्रीति मिश्रा झुंड बनाकर उनके घर पर चढ़ आए और मारपीट की। बागबेड़ा थाना की पुलिस का कहना है कि दोनों पक्षों में दुकान का विवाद है। अनीता मिश्रा ने दूसरे पक्ष को दुकान चलाने के लिए दिया था। बाद में कहा गया कि अब वह खुद दुकान चलाएगी। इसी को लेकर विवाद हुआ है। पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है। जांच पड़ताल में जो भी तथ्य निकल कर आएंगे। उसके हिसाब से आगे की कार्रवाई की जाएगी।

चक्रधरपुर में सिलेंडर बदलने के दौरान परिवार के तीन लोग झुलसे, एक को किया गया रेफर

PHOTON NEWS CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के चक्रधरपुर स्थित नागेंद्र नगर में रविवार को एलपीजी सिलेंडर बदलने के दौरान हादसा हो गया। सिलेंडर में आग लगने की वजह से एक ही परिवार के तीन लोग झुलस गए। सभी घायलों का चक्रधरपुर रेलवे अस्पताल में इलाज किया जा रहा था, लेकिन गंभीर रूप से घायल एक व्यक्ति को जमशेदपुर स्थित टीएमएच रेफर कर दिया गया है। घटना दोपहर तकरीबन 12.30 बजे की बताई जा रही है। जानकारी के मुताबिक, नागेंद्र नगर में पूर्व रेलकर्मी मोतीलाल मुखी अपने घर की किचन में गैस खत्म होने के बाद सिलेंडर बदल रहे थे। सिलेंडर बदलने के बाद जैसे ही गैस स्टोव के बर्नर को जलाने के लिए पूर्व रेलकर्मी ने माचिस मारा, पूरा किचन आग की लपटों से भर गया। एक सेकेंड में किचन में लगी भयावह आग से किचन में मौजूद माता-पिता और बेटी तीनों एक साथ झुलस गए। हालांकि, सुनंदा मुखी ने हिम्मत दिखाते हुए लीक हो रहे सिलेंडर पर ही अपना हाथ रख दिया। इसके कुछ देर बाद गैस लीकेज बंद हो गया और आग की लपटें भी थम गईं। घर पर मौजूद परिवार के अन्य लोगों ने आनन फानन तीनों को रेलवे अस्पताल पहुंचाया। मोतीलाल की हालत गंभीर है। घटना की सूचना पाकर इंडेन गैस डीलर के प्रबंधक रमेश कुमार तुरंत पीड़ित के घर पहुंचे और किचन में जाकर गैस सिलेंडर और गैस स्टोव की जांच पड़ताल की। उन्होंने कहा कि प्राथमिक जांच में सिलेंडर और स्टोव में किसी तरह की कोई समस्या नहीं पाई गयी है। रमेश ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि अगर किसी को भी गैस या स्टोव में समस्या नजर आ रही हो, तो तुरंत अपने गैस डीलर से संपर्क कर इसे ठीक कराने की कोशिश करें।

चक्रधरपुर के रेलवे अस्पताल में इलाजरत मां-बेटी ● फोटोन न्यूज

साहित्य परिषद की जमशेदपुर कार्यकारिणी गठित

JAMSHEDPUR : अखिल भारतीय साहित्य परिषद की बैठक रविवार को बिष्टुपुर स्थित तुलसी भवन में हुई, जिसमें प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. अशोक सिंह, संरक्षक-सह-महासचिव सिंहभूम जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन डॉ. प्रसेनजीत तिवारी भी उपस्थित थे। जमशेदपुर महानगर इकाई की नई कार्यकारिणी की घोषणा चुनाव अधिकारी-सह-संस्था के संयुक्त सचिव जलेश्वर प्रसाद सिंह ने की। नई कमेटी में अध्यक्ष : शैलेन्द्र कुमार पांडेय 'शैल', कार्यकारी अध्यक्ष : राजेंद्र प्रसाद सिंह, महामंत्री : सूरज सिंह राजपूत, उपाध्यक्ष : राजेंद्र साह राज, संतोष कुमार चौबे, ममता सिंह व निवेदिता श्रीवास्तव, सचिव : सोनी सुगंधा, सह सचिव : अनिता निधि, नीलम पेड़ीवाल व भोगेंद्र झा, कोषाध्यक्ष : रीना सिन्हा व अरुण कुमार शर्मा, प्रेस प्रभार : मनीष सिंह वंदन व लक्ष्मी सिंह, कार्यकारिणी सदस्य : उपासना सिन्हा, वीणा पांडेय भारती, माधवी उपाध्याय, नीलांबर चौधरी, शशि ओझा, पूनम सिंह, आरती श्रीवास्तव, सबिता सिंह मीरा, सुष्मिता मिश्रा व बालकृष्ण मिश्र शामिल हैं। वहीं, परामर्श मंडल में ब्रजेंद्रनाथ मिश्रा, मामचंद अग्रवाल, हरिकिशन चावला, सुशील साहिल, सुरेश चंद्र झा, दीपक वर्मा व विजयलक्ष्मी वेदुला हैं।

बजरंग दल ने किया 'रन फॉर हेल्थ', नशामुक्ति का संकल्प

जुबिली पार्क में जुटे बजरंग दल के कार्यकर्ता ● फोटोन न्यूज

JAMSHEDPUR : जमशेदपुर महानगर बजरंगदल ने जुबिली पार्क में नशा मुक्ति अभियान को लेकर रन फॉर हेल्थ कराया, जिसमें दंड प्रहार, योगा आदि हुए। संयोजक चंदन दास ने बताया गया कि यह कार्यक्रम जमशेदजी टाटा की मूर्ति के पास से रन फॉर हेल्थ से पहले नशा नहीं करने का संकल्प और शपथ लिया। उसके बाद रन फॉर हेल्थ के तहत संगठन के कार्यकताओं ने दौड़ लगाकर लोगों से नशा नहीं करने और नशा छोड़ने का आह्वान किया इस दौरान हिंदू युवा नशा छोड़ो देश की दशा दिशा मोड़ो स्लोगन का उदघोष किया गया। बजरंग दल के जिला संयोजक चंदन दास ने सभी लोगों को नशा मुक्ति का संकल्प दिलाया। इस मौके पर विभाग मंत्री अरुण सिंह, जिला उपाध्यक्ष गोपी राव, जिला मंत्री चंद्रिका भगत, बजरंग दल के विद्यार्थी प्रमुख आर्यन तिवारी, जिला सेवा प्रमुख जितेंद्र प्रमाणिक, प्रखंड से हर्ष शर्मा, भीम अग्रवाल, ज्ञान प्रकाश पांडे, नीरज मिश्रा, शुभम भगत, आयुष, गजेंद्र त्रिपाठी, अर्जुन पांडे, श्रेष्ठ कुमार, अनिल सिंह, निखिल, विश्वजीत, नितिन, प्रियांशु, विनय सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

नौ माह से फरार आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार, भेजा गया जेल

JAMSHEDPUR : बागबेड़ा थाना अंतर्गत गाराबासा में 16 फरवरी को हुए जानलेवा हमले के मुख्य आरोपियों में से एक सुमित कुमार को बागबेड़ा थाना की पुलिस ने शनिवार देर रात गिरफ्तार कर लिया। सुमित मामले में फरार चल रहा था। उसने अदालत में अग्रिम जमानत की याचिका दाखिल की थी, जहां से जमानत याचिका खारिज होने के बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया।

यहां बता दें कि बागबेड़ा थाना अंतर्गत गाराबासा निवासी अजीत सिंह चंद्रवंशी ने थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। सुमित समेत कई लोगों ने घर में घुस कर फरसा व अन्य हथियारों से हमला किया था। इस हमले में अजित सिंह व उसकी पत्नी सुमन देवी को गंभीर चोट लगी थी। प्राथमिकी में इस बात का उल्लेख किया गया है कि घटना के दिन सुमित के मामा लालबाबू चंद्रवंशी ने भी भुजाली से हमला किया था।

लालबाबू को कोर्ट से जमानत मिल गई थी। सुमित पर बागबेड़ा थाना में पहले से चार आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें हत्या के प्रयास, लूटपाट और मारपीट जैसे गंभीर आरोप हैं। इस मामले में आठ लोगों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज हुई थी, जिसमें कुछ आरोपी जेल जा चुके हैं, जबकि कुछ को हाईकोर्ट से जमानत मिल चुकी है।

संवाद का दूसरा दिन रहा जनजातीय पहचान पारंपरिक व्यंजन, संस्कृति और ज्ञान के नाम

PHOTON NEWS JSR : बिष्टुपुर स्थित गोपाल मैदान में टाटा स्टील फाउंडेशन द्वारा आयोजित संवाद कार्यक्रम का दूसरा दिन रविवार नई ऊर्जा के साथ शुरू हुआ, जहां देशभर से आए जनजातीय समुदाय, ज्ञान-संरक्षक, युवा नेता और कलाकार एक साथ जुड़े। इस दिन का उद्देश्य पहचान, परंपरा और जनजातीय समुदायों के भविष्य जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर संवाद को और गहराई देना था।

पहले दिन की भावना को आगे बढ़ाते हुए, दूसरे दिन पीढ़ियों से चली आ रही बुद्धिमत्ता, समृद्ध सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों और उन विकसित होती परंपराओं का जश्न मनाया गया, जो आज भी भारत के जनजातीय जीवन को दिशा देती हैं। सुबह का समय विभिन्न विषयों पर केंद्रित चिंतनशील सत्रों के लिए समर्पित था। इनमें शामिल थे- कला और हस्तशिल्प, जिसमें परंपराओं की जड़ों और कला रूपों की उत्पत्ति की खोज की गई। जनजातीय उपचार पद्धतियां, जहां भारत में पारंपरिक उपचार की यात्रा पर विचार किया गया। अखड़ा, जिसमें पारिस्थितिक बुद्धिमत्ता और प्रकृति से जनजातीय जुड़ाव की गहरी समझ को व्याख्यायित किया गया। जनजातीय व्यंजन, जहां स्थानीय पारंपरिक पाक कला को बढ़ावा देने के महत्व पर चर्चा हुई। समुदाय के साथ, जिसमें पहचान और अपनत्व की कहानियाँ और संवाद शामिल थे- खासकर वे महिलाएं जो अब कैमरे के पीछे काम कर रही हैं ताकि अपने विजन, अपनी पीड़ा और अपनी आकांक्षाओं को दुनिया के सामने रख सकें और संवाद फेलोशिप, जिसमें मूर्त और अमूर्त विरासत, कहानी कहने की कला और जनजातीय कथाओं के विकास पर विचार-विमर्श हुआ।

बिष्टुपुर स्थित गोपाल मैदान में प्रस्तुति देते बैंड के कलाकार ● फोटोन न्यूज

टाटा स्टील के यूट्यूब पर दिखेगी बैंड की खूबसूरती : रविवार के सबसे बड़े आकर्षणों में से एक था 'रिदम्स ऑफ द अर्थ'- इसमें भारत के पहले बहु-जनजातीय, संगीतकार-आधारित बैंड के 44 प्रतिभाशाली कलाकारों ने दर्शकों-श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस बैंड ने लद्दाख के उत्साही संगीत समूह दा शग्स के साथ मिलकर अपना दूसरा अलबम रिलीज किया। यह एल्बम जल्द ही टाटा स्टील फाउंडेशन के यूट्यूब चैनल पर उपलब्ध होगा।

समस्या साकची बाजार में हालात बदतर, आमबगान मैदान में गैराज वालों के कारण कारों का लगा अंबार

जमशेदपुर में अतिक्रमण के बुलडोजर पर लगा सियासी ब्रेक

MUJTABA RIZVI @ JSR : जमशेदपुर में अतिक्रमण पर सियासी ब्रेक लग गया है। तकरीबन साल भर से अधिक का अरसा हो गया, साकची में अतिक्रमण के खिलाफ बुलडोजर नहीं गरजा। कुछ महीने पहले डीसी कर्ण सत्यार्थी और एसएसपी पीयूष पांडेय ने साकची में उन स्थलों का जायजा लिया था, जहां अतिक्रमण है। यहां से अतिक्रमण हटाने की रणनीति भी तैयार की गई थी। मगर, बाद में यह पूरी योजना ठंडे बस्ते में डाल दी गई। सूत्रों का कहना है कि किसी सियासी दबाव के चलते ऐसा हुआ है।

अतिक्रमण से आमबगान मैदान की हालत खस्ता है। यहां कुछ गैराज वालों की कारों की भरमार है। यह सब कारें बनने के लिए आई हैं। दो तिहाई से अधिक मैदान में कारें ही कारें नजर आ रही हैं। आने-जाने वालों को भी रास्ता खोजना पड़ता है। आमबगान में गैराज का अतिक्रमण लगातार बढ़ता ही जा रहा है।

जेएनएसी ने यहां कई बार अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। गैराज वालों को समझाया मगर, कोई मानने के लिए तैयार नहीं है। पहले मैदान में बच्चे खेलते थे। मगर, अतिक्रमण की वजह से खेलकूद नहीं पा रहे हैं। आमबगान के रहने वाले 14 वर्षीय रामिश कहते हैं कि जिला प्रशासन को इस तरफ ध्यान देना चाहिए। मैदान को अतिक्रमण मुक्त कर साफ सुथरा बनाया जाना चाहिए। मगर ऐसा नहीं किया जा रहा है।

साकची के आमबगान मैदान में खड़ी कारें ● फोटोन न्यूज

एसडीओ ने हटा दिया था अतिक्रमण

जमशेदपुर में जब सूरज कुमार एसडीओ थे, तब उन्होंने कई बार आमबगान मैदान को अतिक्रमण मुक्त कराया था। अतिक्रमण के खिलाफ चले इस अभियान में टाटा स्टील यूआईएसएल के भी अधिकारी शामिल थे। आमबगान में गैराज वालों की कारें हर तरफ खड़ी रहती थीं। इससे काफी परेशानी होती थी। स्थानीय लोगों ने कई बार इसकी शिकायत तत्कालीन एसडीओ सूरज कुमार से की थी। इसके बाद उन्होंने आमबगान को अतिक्रमण मुक्त करने के लिए कई अभियान चलाए थे। इसके बाद आमबगान मैदान से गैराज खत्म हो गए थे। गैराज मालिक कहीं और अपनी कारों की मरम्मत करने लगे थे। मगर, इधर बीच लापरवाही के चलते मैदान में फिर कारों की मरम्मत का काम शुरू कर दिया गया है।

मैदान में नहीं बन पाया पार्क

तत्कालीन एसडीओ ने जब आमबगान मैदान को अतिक्रमण मुक्त करा लिया था, तो टाटा स्टील यूआईएसएल ने यहां पार्क बनाने की बात कही थी। आमबगान मैदान के एक बड़े हिस्से में पेड़ लगा कर पार्क बनाने की कोशिश भी हुई। मगर, अतिक्रमणकारियों ने इन पेड़ों को उखाड़ दिया। अभी भी यहां इक्का-दुक्का पेड़ बचे हुए हैं।

व्यावसायिक उपयोग पर लगी थी रोक

जब जमशेदपुर के डीसी अमिताभ कौशल थे, तो उन्होंने आमबगान मैदान का निरीक्षण किया था। तब उन्होंने कहा था कि यह मैदान बेहद काम का है। इसके बाद उन्होंने मैदान को ठीक कराने का आदेश दिया था। मैदान में व्यावसायिक उपयोग पर पाबंदी लगा दी थी। लेकिन, उनके जाने के बाद फिर मैदान का व्यावसायिक उपयोग शुरू हो गया।

साकची बाजार में दमकल घुसने की भी जगह नहीं

साकची बाजार में जमकर अतिक्रमण किया गया है। यहां सड़कों तक दुकानों का विस्तार कर लिया गया है। इसकी वजह से वाहनों के आने जाने में दिक्कत हो रही है। कहा जा रहा है कि अगर साकची बाजार में कहीं आग लग जाए तो दमकल की गाड़ी अंदर नहीं घुस सकती है। यहां फुटपाथी दुकानों का भी काफी जोर है। सड़क पर दुकानें लगाई गई हैं। इस वजह से आवागमन में दिक्कत होती है। वाहनों का आवागमन क्या पैदल चलना भी मुहाल होता है।

सीओ पर लग रहा लापरवाही का आरोप

जिला प्रशासन ने साल 2018 में साकची बाजार से अतिक्रमण हटाया था। तब यहां अवैध रूप से बनाई गई पांच दुकानें तोड़ दी गई थीं। मगर, बाद में इन दुकानों का निर्माण हो गया। तब डीसी ने आदेश दिया था कि साकची बाजार में सीओ लगातार अतिक्रमण पर नजर रखेंगे। जो भी अतिक्रमण होगा उसे फौरन हटाएंगे।

पोटका में 35 करोड़ से बनेगा डिग्री कॉलेज, हुआ शिलान्यास

शिलान्यास करते विधायक संजीव सरदार ● फोटोन न्यूज

JAMSHEDPUR : पूर्वी सिंहभूम जिले के पोटका प्रखंड में 35 करोड़ की लागत से डिग्री कॉलेज बनने जा रहा है। इसके लिए विधायक संजीव सरदार ने रविवार को खड़ियासाई पंचायत में कॉलेज का शिलान्यास किया।

इस मौके पर विधायक ने कहा कि हेमंत सरकार ने पिछले छह वर्षों में शिक्षा के क्षेत्र में कई अहम कदम उठाए हैं। पोटका में डिग्री कॉलेज का निर्माण स्थानीय छात्रों को अपने ही क्षेत्र में उच्च शिक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में बड़ा कदम है। उन्होंने कहा कि यह संस्थान शिक्षा के क्षेत्र में पोटका को एक नई पहचान देगा और क्षेत्र के विकास में मील का पत्थर साबित होगा। यहां बता दें कि पोटका इलाके में अब तक एक भी डिग्री कॉलेज नहीं है। उच्च शिक्षा के लिए विद्यार्थियों को प्रखंड क्षेत्र से बाहर जाना पड़ता है, जिससे छात्रों और अभिभावकों को आर्थिक परेशानी और समय की अतिरिक्त लागत झेलनी पड़ती है।

BRIEF NEWS

अज्ञात अपराधियों ने किसान की गला रेतकर कर दी हत्या

BHAGALPUR : नवगछिया पुलिस जिला के इस्माइलपुर थाना क्षेत्र के मेघल टोला में किसान नंद किशोर मंडल उर्फ ननकू मंडल (56 वर्ष), पिता स्व. खंतर मंडल की अज्ञात अपराधियों ने चाकू से गला और पेट पर वार कर निर्मम हत्या कर दी। बताया जा रहा है कि किसान शनिवार शाम को मकई के खेत में खाद छिड़कने के लिए घर से निकले थे, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटे। सुबह जब ग्रामीण खेत की ओर पहुंचे तो किसान का शव देखकर इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर इस्माइलपुर पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल को सील कर दिया है और मामले की गंभीरता को देखते हुए एफएसएल टीम को बुलाया गया है, जो घटनास्थल से वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाने में लगी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि हत्या के पीछे की वजह और अपराधियों की पहचान के लिए कई संभावित बिंदुओं पर जांच की जा रही है।

मालगाड़ी का पहिया पटरी से उतरा, टला बड़ा हादसा

BHAGALPUR : जिले के पीरपैंती रेलवे स्टेशन से महज 50 मीटर की दूरी पर रविवार एक बड़ा रेल हादसा होते-होते टल गया, जब प्लेटफॉर्म संख्या 2 से मालगोदाम की ओर जा रही गिट्टी लदी मालगाड़ी की एक बॉगी का दो पहिया अचानक पटरी से उतर गया। घटना के बाद स्टेशन परिसर में अफरा-तफरी मच गई। यात्रियों और स्थानीय लोगों की सूचना पर रेलवे की तकनीकी टीम तुरंत मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू किया। बताया जा रहा है कि मालगाड़ी मिजाचौकी से निकलकर कहलगांव की ओर जा रही थी। जैसे ही ट्रेन ओवरब्रिज के पास पहुंची, एक बॉगी का पहिया ट्रैक से नीचे उतर गया। दुर्घटना के कारण कुछ देर तक रेल संचालन प्रभावित रहा। मौके पर पहुंची तकनीकी टीम ने ट्रैक की जांच की और करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद बोगी के पहिये को दोबारा पटरी पर चढ़ाया गया।

गोदाम में आग लगने से लाखों के सामान जलकर राख

SAHARSA : शहर के मुख्य बाजार दहलान चौक स्थित शनिवार देर रात्रि एक मनिहारी सामान के गोदाम में बिजली के शॉट सर्किट से आग लगने से गोदाम में रखे लगभग 10 लाख के सामान जलकर पूरी तरह खाक हो गया,जबकि अगल बगल के दुकान में कोई क्षति नहीं हुई। कृष्णा नगर वार्ड 37 निवासी पीड़ित व्यवसायी दीपक कुमार गुप्ता ने सदर थाना में दिये आवेदन में कहा कि वे मनिहारी दुकान चलाकर अपने परिवार का भरण पोषण करते हैं ।शनिवार की रात्रि लगभग 10:30 बजे दहलान चौक वार्ड 14 होटल एंबेसी से सटे उनके गोदाम में अचानक आग लग गयी।उस वक्त वे घर पर थे एवं अगल-बगल के लोगों द्वारा मोबाइल से सूचना प्राप्त होते ही वे दुकान पर तत्काल पूरे परिवार के साथ पहुंचे। वही तत्काल अग्निशमन विभाग को इसकी सूचना दी।

बेटियों के लिए पहली बार होगी खेलो इंडिया महिला एथलेटिक्स लीग

AGENCY PATNA : महिला एथलीटों को अधिक अवसर और पहचान दिलाने के उद्देश्य से प्रथम अस्मिता खेलो इंडिया महिला एथलेटिक्स लीग का आयोजन 23 नवंबर को यूनिवर्सिटी स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स में किया जाएगा। इस आशय की जानकारी बिहार एथलेटिक्स एसोसिएशन व सारण जिला के अध्यक्ष सलीम परवेज ने दी। उन्होंने बताया कि यह आयोजन दक्षिण एशियाई एथलेटिक्स फेडरेशन के अध्यक्ष डॉ ललित भनोट, एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया तथा केंद्रीय खेल एवं युवा मंत्रालय के सहयोग से खेलो इंडिया के तहत पूरे देश में हो रहा है। इसके माध्यम से महिलाओं की खेलों में भागीदारी बढ़ाना और कम उम्र में प्रतिभाओं को पहचान देना मुख्य उद्देश्य है। लीग प्रतिभाशाली बेटियों को मंच प्रदान करेगी, जिससे वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन कर सकें। सारण में यह लीग पहली बार आयोजित की जा रही है। इसमें अंडर-14 और अंडर-16 आयु वर्ग की लड़कियां भाग लेंगी। सारण जिला एथलेटिक्स संघ के सचिव गजेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि सारण में पहली बार इस तरह की महिला लीग होना गौरव की बात है। प्रतियोगिता में ट्रायथलॉन और किड्स जैवेलिन जैसे इवेंट होंगे। अंडर-14 के प्रतिभागियों का जन्म 21 दिसंबर 2011 से 20 दिसंबर 2013 के बीच और अंडर-16 वर्ग में 21 दिसंबर 2009 से 20 दिसंबर 2011 के बीच होना अनिवार्य है।

केवल जिले की बेटियां ही इसमें प्रतिभाग कर सकेंगी। उन्हें आधार कार्ड और पिछली कक्षा की मार्कशीट लाना अनिवार्य है। प्रतियोगिता का स्थल जयप्रकाश युनिवर्सिटी स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स तय किया किया गया है।

सारण जिले में 23 नवंबर को किया जाएगा आयोजन

SARAN : महिला एथलीटों को अधिक अवसर और पहचान दिलाने के उद्देश्य से प्रथम अस्मिता खेलो इंडिया महिला एथलेटिक्स लीग का आयोजन 23 नवंबर 2025 को जय प्रकाश यूनिवर्सिटी स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स में किया जाएगा।

बिहार एथलेटिक्स एसोसिएशन व सारण जिला के अध्यक्ष सलीम परवेज ने इस बात की जानकारी देते हुए बताया कि यह आयोजन दक्षिण एशियाई एथलेटिक्स फेडरेशन के अध्यक्ष डॉ. ललित भनोट, एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया तथा केंद्रीय खेल एवं युवा मंत्रालय के सहयोग से खेलो इंडिया के तहत पूरे देश में हो रहा है। इस लीग का मुख्य उद्देश्य महिलाओं की खेलों में भागीदारी बढ़ाना और कम उम्र में प्रतिभाओं को पहचान देना है. यह लीग प्रतिभाशाली बेटियों को एक मंच प्रदान करेगी, जिससे वे भविष्य में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश और प्रदेश का नाम रोशन कर सकें। सारण में यह लीग पहली बार आयोजित की जा रही है, जिसे जिले के लिए गौरव की बात बताया जा रहा है. इस प्रतियोगिता में अंडर-14 जिनका जन्म 21 दिसंबर 2011 से 20 दिसंबर 2013 तक और अंडर-16 जिनका जन्म 21 दिसंबर 2009 से 20 दिसंबर 2011 के बीच होना चाहिए। इसके साथ ही सारण जिले का निवासी भी होना अनिवार्य है तभी इस प्रतियोगिता में भाग ले सकते, सारण जिला एथलेटिक्स संघ के सचिव गजेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि प्रतियोगिता में ट्रायथलॉन और किड्स जैवेलिन जैसे इवेंट्स आयोजित किए जाएंगे। इस प्रतियोगिता में आधार कार्ड और पिछली कक्षा की मार्कशीट लाना अनिवार्य होगा।

पार्टी और परिवार छोड़ने के अगले दिन लालू की बेटी रोहिणी ने किए दो भावुक पोस्ट

मुझे छुड़वाया गया मेरा मायका, बना दिया अनाथ, मैंने रोते-रोते छोड़ा घर

AGENCY PATNA : बिहार विधानसभा चुनाव में हार के बाद राष्ट्रीय जनता दल (राजद) लालू प्रसाद की बेटी रोहिणी आचार्य ने शनिवार को पार्टी और परिवार छोड़ने की घोषणा की थी। अगले दिन रविवार को उसने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर दो भावुक पोस्ट कर तेजस्वी यादव और संजय यादव पर फिर गंभीर आरोप लगाए। गौरतलब है कि इसी साल 25 मई को लालू प्रसाद ने अपने बड़े बेटे तेज प्रताप यादव को पार्टी और परिवार से निकाला था। तेज प्रताप ने भी इसके लिए संजय यादव को ही जिम्मेदार ठहराया था।

इधर, शनिवार को रोहिणी आचार्य के राबड़ी आवास छोड़ने के बाद रविवार को तीन और बहनें रागिनी, राजलक्ष्मी और चंदा यादव भी दिल्ली रवाना हो गई हैं। ये तीनों बहनें अपने परिवार और बच्चों के साथ चली गई हैं। रोहिणी ने एक इमोशनल पोस्ट कर कहा- मुझसे मेरा मायका छुड़वाया गया। मुझे अनाथ बनाया गया। मैंने रोते-रोते घर छोड़ा है। मुझे मारने के लिए चप्पल उठाई गई। मैंने अपने आत्मसम्मान से समझौता नहीं किया। आप सब मेरे रास्ते कभी न चलें, किसी घर में मेरे जैसी बेटी-बहन न हो। इस पोस्ट के बाद रोहिणी ने लालू को किडनी देने वाले फोटो-वीडियोज को भी फेसबुक पर अटैच किया।

- मुझे गंदा कहा, मारने के लिए उठाई चप्पल, पैसे लेकर पिता को दी गंदी किडनी
- आप सब मेरे रास्ते कभी न चलें, किसी घर में मेरे जैसी न हो बेटी-बहन
- रोहिणी आचार्य के राबड़ी आवास छोड़ने के बाद तीन और बहनें दिल्ली रवाना

किडनी देते वक्त अपने पति व ससुराल से नहीं ली थी अनुमति

अपने अगले पोस्ट में रोहिणी ने लिखा- कल मुझे गालियों के साथ बोला गया कि मैं गंदी हूं। मैंने अपने पिता को अपनी गंदी किडनी लगवा दी। करोड़ों रुपये लिए, टिकट लिया तब लगवाई गंदी किडनी। सभी बेटी-बहन, जो शादीशुदा हैं, उनको मैं बोलूंगी कि जब आपके मायके में कोई बेटा-भाई हो, तो भूलकर भी अपने भगवान रूपी पिता को नहीं बचाएं, अपने भाई, उस घर के बेटे को ही बोलें कि वो अपनी या अपने किसी हरियाणवी दोस्त की किडनी लगवा दे। सभी बहन-बेटियां अपना घर-परिवार देखें, अपने माता-पिता की परवाह किए बिना अपने बच्चे, अपना काम, अपनी ससुराल देखें, सिर्फ अपने बारे में सोचें। मुझसे तो ये बड़ा गुनाह हो गया कि मैंने अपना परिवार, अपने तीनों बच्चों को नहीं देखा, किडनी देते वक्त न अपने पति, न अपने ससुराल से अनुमति ली। अपने भगवान, अपने पिता को बचाने के लिए वो कर दिया जिसे आज गंदा बता दिया गया। आप सब मेरे जैसी गलती, कभी, न करें किसी घर रोहिणी जैसी बेटी न हो।

तेजप्रताप बोले- तेजस्वी की बुद्धि पर डाल दिया गया पर्दा

परिवार-पार्टी से बेदखल तेजप्रताप यादव बहन रोहिणी आचार्य के परिवार-पार्टी छोड़ने के पूरे विवाद से खफा हैं। इंस्टा पर उनकी पार्टी की ओर से एक पोस्ट शेयर किया गया है। इसमें पटना एयरपोर्ट पर रोहिणी के पत्रकारों से बात करने वाला वीडियो है। साथ ही लिखा- घटना ने दिल को भीतर तक झकझोर दिया है। मेरे साथ जो हुआ-वह मैं सह गया, लेकिन मेरी बहन के साथ जो अपमान हुआ, वह किसी भी हाल में असहनीय है। चंद चेहरों ने तेजस्वी की बुद्धि पर पर्दा डाल दिया है। इस अन्याय का परिणाम बेहद भयावह होगा। समय का लेखा-जोखा बड़ा कठोर है। यह लड़ाई किसी दल की नहीं, परिवार के सम्मान, बेटी की गरिमा और बिहार के स्वाभिमान की लड़ाई है।

क्यों हुआ पार्टी का ऐसा हाल

बता दें कि इससे पहले शनिवार की देर रात रोते-रोते राबड़ी आवास को छोड़ दिया था। पटना एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बातचीत में रोहिणी ने कहा, मेरा कोई परिवार नहीं है। उन्होंने ही मुझे परिवार से निकाला है। सारी दुनिया सवाल कर रही है कि पार्टी का ऐसा हाल क्यों हुआ है, लेकिन उन्हें जिम्मेदारी नहीं लेनी है। तेजस्वी यादव के करीबी संजय यादव और रमीज पर दबाव बनाने का आरोप लगाते हुए रोहिणी ने कहा- ये सवाल अब तेजस्वी यादव से पूछिए। सवाल पूछोगे तो गाली दी जाएगी, चप्पल से मारा जाएगा।

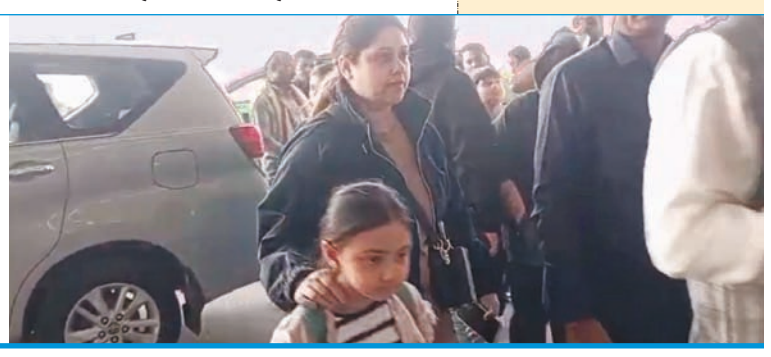

सोनपुर मेला के सफल और सुरक्षित आयोजन के लिए पुलिस की तैयारी तेज

AGENCY SARAN : विश्व प्रसिद्ध हरिहर क्षेत्र सोनपुर मेला के सफल एवं सुरक्षित आयोजन को सुनिश्चित करने के लिए सारण पुलिस ने कमर कस ली है। इसी क्रम में वरीय पुलिस अधीक्षक डॉ. कुमार आशीष के नेतृत्व में मेला परिसर की सुरक्षा व्यवस्था का व्यापक निरीक्षण किया गया। वरीय पुलिस अधीक्षक ने पुलिस टीम के साथ मेला परिसर के विभिन्न महत्वपूर्ण स्थानों का गहन स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान वरीय पुलिस अधीक्षक ने मुख्य प्रवेश एवं निकास द्वार, भीड़ भाड़ वाले क्षेत्र, यातायात रूट, पार्किंग स्थल, और गंगा गंडक के घाटों पर सुरक्षा व्यवस्था का मूल्यांकन शामिल रहा। इसके अतिरिक्त मेला ड्यूटी में तैनात पुलिसकर्मियों के लिए स्थापित अस्थायी पुलिस लाइन का भी निरीक्षण किया। एसएसपी ने

पुलिसकर्मियों के लिए रहने-खाने की व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं की समीक्षा की और सुधार के लिए तत्काल आवश्यक निर्देश दिए। वरीय पुलिस अधीक्षक ने उपस्थित अधिकारियों को मेला अवधि के लिए महत्वपूर्ण दिशा निर्देश जारी किए जिसमें निर्बाध यातायात सुनिश्चित करने के लिए डायवर्जन प्लान को प्रभावी ढंग से लागू करना, महिलाओं की सुरक्षा के लिए एंटी-रोमियो टीम की तैनाती, मेला क्षेत्र में रात्रि गश्ती को सुदृढ़ करना, अग्नि सुरक्षा एवं आपातकालीन प्रतिक्रिया तंत्र को और अधिक मजबूत बनाना।

जदयू ने जारी किया नया पोस्टर 'बिहार है खुशहाल, फिर से आ गए नीतीश कुमार'

AGENCY PATNA : बिहार विधानसभा चुनाव -2025 में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को प्रचंड बहुमत मिलने के बाद अब सरकार बनने की प्रक्रिया तेज हो गई है। इस बीच आज जनता दल यूनाइटेड (जदयू) ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक ऐसा पोस्टर जारी किया है, जिसने राजनीतिक गलियारों में नई चर्चा छेड़ दी है। जदयू के इस पोस्टर में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की बड़ी तस्वीर के साथ लिखा है 'बिहार है खुशहाल, फिर से आ गए नीतीश कुमार'। कैप्शन में पार्टी ने टिप्पणी की 'खुशहाल है बिहार... सुरक्षित है बिहार।' खास बात यह है कि यह पोस्टर ऐसे समय में जारी किया गया है,

जब बिहार की राजनीति में सत्ता संतुलन और मुख्यमंत्री पद को लेकर तरह-तरह की अटकलें लगाई जा रही थीं। राजग में सबसे ज्यादा सीटें भाजपा के पास हैं, जबकि जदयू दूसरे नंबर पर है, बावजूद इसके जदयू लगातार नीतीश कुमार को सुशासन का चेहरा और सर्वमान्य नेता बताती रही है। इसलिए इस पोस्टर को पार्टी का एक अप्रत्यक्ष दावा माना जा रहा है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि यह पोस्टर जदयू की ओर से जनता और गठबंधन को यह संदेश देने की कोशिश है कि पार्टी नीतीश कुमार के विकल्प पर विचार करने के मूड में नहीं है। पोस्टर देखने के बाद राजनीतिक विश्लेषकों और जनता के बीच यह सवाल भी उठने लगा कि क्या इसके माध्यम से जदयू यह संकेत दे रही है कि नीतीश कुमार ही एक बार फिर मुख्यमंत्री पद संभालेंगे? दरअसल, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की ओर से अबतक आधिकारिक तौर पर मुख्यमंत्री के नाम की घोषणा नहीं की गई है।

NEWS BOX

रक्सौल में 25 ग्राम स्मैक के साथ चार कारोबारी गिरफ्तार

AGENCY EAST CHAMPARAN : पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात के निर्देश पर जिले के रक्सौल थाना क्षेत्र में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष

अभियान के दौरान पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर रक्सौल थाना इंस्पेक्टर अभिषेक कुमार के नेतृत्व में टीम ने जोकीयारी गांव स्थित एक बगीचे में छापेमारी कर तीन स्मैक कारोबारी को गिरफ्तार किया है। जिनकी पहचान भगवानपुर कौड़िहार निवासी श्याम बाबू साह, कौड़िहार धांगडटोली निवासी दीपक कुमार और कौड़िहार निवासी श्रवण कुमार गुप्ता को रंगे हाथों गिरफ्तार किया, जिनके पास से लगभग 25 ग्राम स्मैक बरामद की गई। पूछताछ में आरोपियों ने स्मैक सप्लाई करने वाले रक्सौल मौजे निवासी रामचंद्र महतो का नाम उजागर किया, जिस पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने उसके घर छापेमारी कर उसे भी गिरफ्तार कर लिया। इंस्पेक्टर अभिषेक कुमार ने बताया कि सभी आरोपियों के खिलाफ आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि थाना क्षेत्र में नशे के अवैध कारोबार को समाप्त करने के लिए पुलिस लगातार सघन अभियान चला रही है।

भागलपुर में दो बाइकों की टक्कर में बुजुर्ग की मौत

AGENCY BHAGALPUR : जिले के बरारी थाना क्षेत्र के जिलाधिकारी आवास के समीप रविवार को सड़क हादसे में एक बुजुर्ग की मौत हो गई। मृतक की पहचान गोगरी थाना क्षेत्र के फतेहपुर निवासी शिव शक्ति सिंह की तौर पर

हुई है। मृतक मायागंज अस्पताल में भर्ती अपनी पत्नी को मोटरसाइकिल से खाना देने आ रहे थे। बताया जा रहा है कि विपरीत दिशा से आ रही एक तेज रफ्तार मोटरसाइकिल ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि शिव शक्ति सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें तुरंत मायागंज अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हादसे में शामिल मोटरसाइकिल चालक भी गंभीर रूप से घायल हुआ है। घायल की पहचान सुर्खीकल निवासी सुनील कुमार के पुत्र किशन कुमार के रूप में हुई है। पुलिस ने मोटरसाइकिल को जब्त कर लिया है और घायल को इलाज के लिए मायागंज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। परिजन के अनुसार, शिव शक्ति सिंह की पत्नी सुनीता देवी 9 नवंबर से मायागंज अस्पताल में भर्ती हैं, जिनका पेट का ऑपरेशन हुआ है।

ड्यूटी से अनुपस्थित 29 प्रशिक्षु महिला सिपाहियों पर गिरी गाज

AGENCY BETTIAH : छपरा हाल ही में संपन्न हुए विधानसभा चुनाव की ड्यूटी के बाद मतगणना और मतदान ड्यूटी से लौटने पर की गई नियमित गिनती में 29 प्रशिक्षु महिला सिपाही बिना किसी सूचना या अवकाश के अपने कर्तव्य स्थल से अनुपस्थित पाई गईं। पुलिस केन्द्र सारण के दिवा पदाधिकारी द्वारा समर्पित प्रतिवेदन के आधार पर इन सभी 29 महिला प्रशिक्षु सिपाहियों का वेतन उनकी अनुपस्थिति की तारीखों, यानी 13 नवम्बर और 15 नवम्बर, 2025 से तुरंत प्रभाव से रोक लिया गया है। 1089 रजीन कुमारी, 1035 शिवानी कुमारी, 1510 वर्षा 'कुमारी, 1611 पूजा कुमारी, 1564 लक्ष्मी कुमारी, 1035 शिवानी कुमारी, 1211 कोमल कुमारी, 1089 रजनी कुमारी, 1229 दिलखुश कुमारी, 1522 सोनाली कुमारी, 1506 कुमारी निशा भारती, 1564 लक्ष्मी कुमारी, 1513 प्रियंका कुमारी, 1569 प्रतीमा कुमारी, 1567 सिमा कुमारी, 1570 शिवानी कुमारी, 171 मनीषा कुमारी, 1578 मंजू कुमारी, 221 प्रेणा भारती, 1590 श्रेया रानी, 320 स्वाती कुमारी, 1107 काजल कुमारी, 731 सिमरन कुमारी, 1029 गुंजन कुमारी, 1037 सबीता कुमारी, 1069 के० सुनिता 'पासवान, 1072 रंभा कुमारी, 1600 खुशबु कुमारी, 1629 स्वाती कुमारी शामिल हैं। इन सिपाहियों को अपने अनुपस्थिति का कारण बताते हुए सिर्फ तीन दिनों के भीतर स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है। स्पष्टीकरण संतोषजनक न होने पर, उनके विरुद्ध विभागीय कार्यवाही शुरू की जाएगी।

सियासत लंबे समय के बाद जमीन से उठकर सत्ता की मुख्य धुरी बनने तक का सफर

दो दशकों की जमीनी लड़ाई के बाद भाजपा बिहार में नंबर-1

AGENCY PATNA : बिहार की राजनीति में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की मौजूदगी किसी एक चुनावी उछाल की कहानी नहीं, बल्कि चार दशकों में जमीन से उठकर सत्ता की मुख्य धुरी बनने तक का सफर है। 2025 के विधानसभा चुनाव में मिली अभूतपूर्व सफलता ने यह साफ कर दिया है कि बिहार में भाजपा की पैठ अब स्थायी, संगठित और जनभावनाओं से गहराई तक जुड़ी हुई है। बिहार की राजनीति में भाजपा की उपस्थिति चार दशकों के संघर्ष, संगठन और वैचारिक प्रतिबद्धता की कहानी है। भाजपा अब बिहार की राजनीति में न केवल एक प्रमुख पार्टी है, बल्कि स्थिर सत्ता और जनविश्वास की एक केंद्रीय शक्ति भी है।

बिहार में भाजपा की जड़ें 1980 के दशक की शुरूआत में लगनी शुरू हुई थीं, जब पार्टी का आधार जातीय समीकरणों से परे वैचारिक राजनीति और संगठनात्मक ढांचे पर खड़ा किया गया। उस दौर में भाजपा राज्य की राजनीति में हाशिए पर थी। कुछ सीटें, सीमित प्रभाव और बेहद कम संगठनात्मक ताकत, लेकिन 1990 का दशक आते-आते भाजपा ने जनसंघ की विरासत, राम आंदोलन की लहर और बदलती सामाजिक चेतना को साथ मिलाकर अपना आधार मजबूत करना शुरू किया।

2005 में पहली बार बनी थी राजग सरकार

राजनीतिक विश्लेषक एवं वरिष्ठ पत्रकार लव कुमार मिश्र ने बताया कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में 2005 में पहली बार राजग की सरकार बनी। भाजपा इस सरकार की मुख्य सहयोगी पार्टी थी। 2005 और 2010 दोनों चुनावों में गठबंधन ने भारी बहुमत प्राप्त किया और बिहार में विकास व सुशासन का नया अध्याय शुरू हुआ। 2013 में नीतीश कुमार ने भाजपा से नाता तोड़ा, लेकिन यह ब्रेकअप ज्यादा लंबा नहीं चला। 2017 में नीतीश कुमार ने महागठबंधन छोड़कर फिर से भाजपा के साथ सरकार बनाई। यह वो दौर था जब भाजपा बिहार में अपने सबसे मजबूत रूप में दिखाई दी और 2020 में 74 सीटें जीतकर राज्य की सबसे बड़ी पार्टी बन गई। 2022 में नीतीश कुमार ने एक बार फिर पलटी मारी और भाजपा विपक्ष में चली गई। मगर इस दौरान भाजपा का बूथ स्तर संगठन पहले से ज्यादा सक्रिय और जन-आधार और मजबूत होता गया। 2025 के चुनाव में भाजपा (राजग) प्रचंड जनादेश के साथ सरकार बनाने जा रही है।

इस प्रकार भाजपा की पैठ बनी इतनी मजबूत

बिहार की राजनीतिक संस्कृति में भाजपा की जड़ें इसलिए गहरी हुईं, क्योंकि पार्टी ने विचार, संगठन और विकास को एक साथ लेकर चलने की रणनीति अपनाई। इसके साथ ही राष्ट्रीय नेतृत्व में भरोसा, पिछड़ों-अति पिछड़ों में बढ़ती स्वीकृति, महिला मतदाताओं में गहरी पैठ, युवाओं में राष्ट्रवाद और रोजगार की अपील, जाति से ऊपर उठता विकास आधारित समर्थन, हर बूथ पर मजबूत संरचना ने पार्टी को मजबूती प्रदान की।

19वीं राष्ट्रीय जंबूरी के लिए स्काउट और गाइड की 54 सदस्यीय टीम का चयन

AGENCY PATNA : 19वीं राष्ट्रीय जंबूरी के लिए स्काउट और गाइड सारण के 54 सदस्यीय टीम का चयन किया गया है। जिले के 9 विद्यालयों के 54 स्काउट और गाइड 19 वी राष्ट्रीय जंबूरी में सारण का प्रतिनिधित्व करेंगे।

चयनित स्काउट एवं गाइड में सेंट्रल पब्लिक स्कूल छपरा, एसएसजी पब्लिक स्कूल मशरक, जिला स्कूल (नवस्थापित), अब्दुल कयूम अंसारी उच्च विद्यालय, उच्च विद्यालय रसलपुरा, उच्च विद्यालय जलालपुर, एमडी उच्च विद्यालय कन्हौली, उच्च माध्यमिक विद्यालय पैगंबरपुर तथा उच्च माध्यमिक विद्यालय उदयपुरा के स्काउट और गाइड शामिल हैं।

मौके पर उपाध्यक्ष डॉ० हरेंद्र सिंह, जिला मुख्य आयुक्त हरेंद्र प्रसाद सिंह, जिला आयुक्त (स्काउट) अरूण परासर, कोषाध्यक्ष ज्ञानेन्द्र भारद्वाज, जिला संगठन आयुक्त (स्काउट) अमन राज, स्काउट मास्टर प्रमोद कुमार सिंह तथा जिला प्रशिक्षक प्रणव उपस्थित रहे। उपाध्यक्ष डॉ० हरेंद्र सिंह ने कहा कि सारण जिले की यह टीम हमारे स्काउटिंग कार्यक्रम की शक्ति और गुणवत्ता को दर्शाती है। राष्ट्रीय जंबूरी बच्चों के आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता को नए आयाम देती है। जिला मुख्य आयुक्त हरेंद्र प्रसाद सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि चयनित सभी प्रतिभागियों पर हमें गर्व है। जंबूरी में भाग लेना बच्चों के लिए जीवनभर याद रहने वाला अनुभव होता है और इससे उनमें अनुशासन, सेवा भावना तथा राष्ट्रीय एकता की भावना और मजबूत होती है।

नालंदा जिले में प्रेस दिवस पर कार्यक्रम का हुआ आयोजन

NALANDA : जिला मुख्यालय स्थित एनआईसीभवन सभागार में आज रविवार को कुंदन कुमार जिला पदाधिकारी नालन्दा की अध्यक्षता में राष्ट्रीय प्रेस दिवस 2025 कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।इस अवसर पर मीडिया बंधुओ द्वारा जिलाधिकारी महोदय एवं नगर आयुक्त महोदय को अंग वस्त्र एवं पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया गया। जिला पदाधिकारी महोदय ने अपने संबोधन में प्रेस एवं मीडिया की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि एक स्वतंत्र, निष्पक्ष और सशक्त प्रेस किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि मीडिया समाज को जागरूक करने जनभावनाओं को अभिव्यक्त करने तथा शासन-प्रशासन और जनता के बीच सेतु का काम करती है।

सुधार की पटरियों पर कब चढ़ेगा सिस्टम

भारत की रेल पटरियां देश की धमनियां कही जाती हैं, जो प्रतिदिन करोड़ों लोगों को उनके गंतव्य तक पहुंचाती हैं, जो अर्थव्यवस्था का इंजन चलाती हैं, जो इस विशाल देश की सामाजिक-सांस्कृतिक एकता का प्रतीक हैं, लेकिन जब इन्हीं पटरियों पर बार-बार मौत की चीखें गूंजती हैं तो सवाल केवल हादसों का नहीं रहता, बल्कि उस पूरे तंत्र की आत्मा पर उठता है। बिलासपुर के लाल खदान में हुआ हालिया रेल हादसा इसी गहरी लापरवाही का ताजा उदाहरण है, जहां एक मेमू ट्रेन मालगाड़ी से टकरा गई, 11 यात्रियों की मौत हो गई और 25 से ज्यादा घायल हो गए। इंजन मालगाड़ी के गार्ड केबिन पर चढ़ गया और वह मंजर किसी युद्धस्थल से कम नहीं था। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर की यह दुर्घटना देश के लिए महज एक और संख्या नहीं है बल्कि इस बात की प्रतीक है कि भारत के रेल तंत्र में तकनीक, सतर्कता और जवाबदेही का घोर अभाव है। बिलासपुर कलेक्टर के अनुसार, ट्रेन कोरबा से बिलासपुर के लिए रवाना हुई थी और गतौरा-बिलासपुर के बीच मालगाड़ी से टकरा गई। इस टक्कर ने एक बार फिर यह उजागर कर दिया कि देश में रेलवे की सुरक्षा व्यवस्था आज भी कागज पर कवच से ज्यादा कुछ नहीं है। हादसे की भयावहता के साथ जब हम इसी साल के कुछ अन्य रेल हादसों पर नजर डालते हैं, तो सिहरन सी उठती है। महाराष्ट्र के ठाणे में जून 2025 में चार यात्रियों की मौत केवल इसलिए हुई थी, क्योंकि भीड़भाड़ वाली दो लोकल ट्रेनों में पायदान पर लटकते यात्रियों के बैग आपस में टकरा गए थे। बिहार के कटिहार में जून 2025 में अवध असम एक्सप्रेस रेलवे ट्रॉली से टकरा गई, जिससे एक ट्रॉलीमैन की मौत और चार कर्मचारी गंभीर घायल हुए। मार्च में ओडिशा के कटक जिले में बेंगलुरू-कामाख्या सुपरफास्ट एक्सप्रेस के 11 डिब्बे पटरी से उतर गए थे। अप्रैल 2025 में झारखंड के साहेबगंज में दो मालगाड़ियों की टक्कर में दो लोगों की मौत हुई। जुलाई 2025 में उसी जिले के बरहड़वा में बिना लोको पायलट की 14 बोगियां तेज रफ्तार से दौड़ती हुई दूसरी मालगाड़ी से जा टकराईं। बिलासपुर का हादसा इस साल का सबसे बड़ी रेल दुर्घटना बन चुका है। यह स्पष्ट संकेत है कि हादसे अब अपवाद नहीं, बल्कि एक भयानक पैटर्न बन चुके हैं। हर बार रेल मंत्रालय बयान देता है, दोषियों पर कार्रवाई होगी, मुआवजा दिया जाएगा, जांच समिति गठित की गई है और फिर कुछ ही दिनों में सब भुला दिया जाता है। सवाल है कि क्या रेलवे अब केवल प्रतिक्रिया देने वाला तंत्र बन गया है, जहां कार्रवाई केवल तभी होती है, जब हादसा हो चुका होता है। भारत में रेल हादसों का इतिहास उतना ही पुराना है, जितनी रेल सेवा स्वयं। भारत में हर साल बहुत बड़ी संख्या में होने वाले रेल हादसों में से करीब 70 प्रतिशत हादसे मानव त्रुटि के कारण होते हैं यानी या तो सिग्नलिंग सिस्टम में गलती या ट्रैक निरीक्षण में लापरवाही या फिर ट्रेन संचालन में मानवीय भूल। शेष हादसे तकनीकी खराबी, पुरानी पटरियों, रखरखाव की कमी और ओवरलोडिंग के कारण होते हैं। इन तथ्यों से यह साफ हो जाता है कि भारत की रेल प्रणाली में सुरक्षा संस्कृति का अभाव है। यहां तकनीक पर निवेश से अधिक जोर घोषणाओं पर है। बीते वर्षों से कवच सिस्टम को लेकर खूब प्रचार किया गया, कहा गया कि यह एक ऐसा स्वदेशी एंटी-कोलिजन सिस्टम है, जो दो ट्रेनों को टकराने से बचाएगा लेकिन आज की हकीकत यह है कि देश के केवल 4 प्रतिशत रेल नेटवर्क पर ही कवच लागू हुआ है, बाकी 96 प्रतिशत ट्रैक आज भी मानव सतर्कता पर निर्भर हैं और यही सबसे बड़ा खतरा है। यह दुर्भाग्य है कि जिस भारतीय रेलवे को विश्व की चौथी सबसे बड़ी रेल व्यवस्था कहा जाता है, वहां अब भी अधिकांश ट्रैक ब्रिटिश कालीन तकनीक पर चल रहे हैं। ट्रेन ड्राइवरों को 8 से 12 घंटे तक बिना विश्राम रेल चलाने की मजबूरी, सिग्नलिंग उपकरणों की खराबी और निरीक्षण प्रणाली की औपचारिकता, ये सब मिलकर दुर्घटना की जमीन तैयार करते हैं। ऐसी किसी भी घटना के बाद हर बार राजनीतिक बयानबाजी शुरू होती है, रेल मंत्री हादसे की उच्चस्तरीय जांच का ऐलान करते हैं और कुछ हफ्तों बाद कोई नई परियोजना या उद्घाटन के बीच वह घटना जनता की स्मृति से मिट जाती है लेकिन जो परिवार अपनों को खो चुके होते हैं, उनके लिए वह हादसा जीवनभर की सजा बन जाता है। भारत में आज रेलवे की सबसे बड़ी आवश्यकता है सुरक्षा का वास्तविक आधुनिकीकरण। केवल कवच सिस्टम ही नहीं बल्कि ट्रैक मॉनिटरिंग के लिए ड्रोन सर्वे, स्वचालित सिग्नलिंग, लोको पायलट के थकान-निगरानी उपकरण और रीयल-टाइम संचार प्रणाली की अनिवार्यता। 2024 में रेलवे ने दावा किया था कि 2027 तक 50,000 किलोमीटर नेटवर्क कवच से लैस होगा लेकिन आज की प्रगति देखकर यह लक्ष्य किसी दिवास्वप्न जैसा लगता है। नवंबर 2024 तक कवच सिस्टम लगभग 1,548 किलोमीटर ट्रैक पर लागू हो चुका था और उसके बाद से धीमी गति से इसका विस्तार जारी है। ऐसे में 2027 तक 50 हजार किलोमीटर कवच से लैस करने का लक्ष्य प्राप्त करना अभी बहुत चुनौतीपूर्ण दिख रहा है और लक्ष्य से काफी पीछे है। विस्तृत कवच नेटवर्क के लिए काफी संसाधन और समय की आवश्यकता है।

पहचान नहीं, जज्बा देश को बनाता है चैंपियन

ANALYSIS

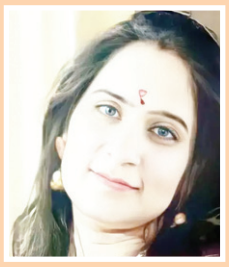

✍ डॉ. प्रियंका सौरभ

जब भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने विश्व कप जीतकर इतिहास रचा तो यह जीत सिर्फ बल्ले और गेंद की नहीं थी, बल्कि यह एकता, समानता और भारतीयता की जीत थी। टीम में हर धर्म, हर जाति, हर भाषा और हर क्षेत्र की बेटियां थीं, लेकिन जब उन्होंने मैदान में कदम रखा तो वे केवल एक पहचान रखती थीं- भारतीय। यही भावना हमें याद दिलाती है कि असली ताकत हमारे नाम, वंश या पंथ में नहीं, बल्कि हमारे सामूहिक प्रयत्न और साझा संकल्प में है। खेल हमें यह सिखाते हैं कि टीम भावना किसी भी व्यक्तिगत पहचान से बड़ी होती है। जब विकेट गिरता है तो कोई यह नहीं देखता कि गेंदबाज किस राज्य या धर्म से है और जब चौका लगता है तो भीड़ यह नहीं सोचती कि बल्लेबाज किस जाति का है। मैदान में सिर्फ एक बात मायने रखती है- प्रदर्शन, मेहनत और समर्पण। यही दर्शन यदि हम देश के विकास, राजनीति, समाज और संस्कृति में भी अपनाएं, तो भारत हर क्षेत्र में विश्व चैंपियन बन सकता है। हमारे समाज में दुर्भाग्य से पहचान की राजनीति, धर्म और जाति के आधार पर विभाजन और अपने-अपने हम बनाम वो की मानसिकता गहरी जड़ें जमा चुकी हैं। चुनावों से लेकर रोजमर्रा की बातचीत तक हम अक्सर यह भूल जाते हैं कि हमारी सबसे बड़ी पहचान भारतीयता है।

सिख लड़की ने कप्तानी की, क्रिश्चियन लड़की ने सेमीफाइनल जिताया, बंगाली लड़की की पावर हिटिंग से टीम 300 के करीब पहुंच पाई, जाट लड़की शेफाली फाइनल में प्लेयर ऑफ द मैच बनी और ब्राह्मण की लड़की दीप्ति प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुनी गई और आखिरकार भारत वर्ल्ड चैंपियन बन गया। सवाल ये है कि जब इनकी अलग-अलग पहचानें हमें वर्ल्ड चैंपियन बनाने में आड़े नहीं आतीं, तो देश को आगे ले जाने के नाम पर हम इन्हीं पहचानों के नाम पर लड़ते क्यों हैं। ऐसा ही जज्बा हमें देश की तरक्की के लिए भी चाहिए। यह पंक्तियां आज के भारत की सच्ची तस्वीर पेश करती हैं- वह भारत, जहां विविधता कोई विभाजन नहीं, बल्कि शक्ति है। जब भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने विश्व कप जीतकर इतिहास रचा तो यह जीत सिर्फ बल्ले और गेंद की नहीं थी, बल्कि यह एकता, समानता और भारतीयता की जीत थी। टीम में हर धर्म, हर जाति, हर भाषा और हर क्षेत्र की बेटियां थीं, लेकिन जब उन्होंने मैदान में कदम रखा तो वे केवल एक पहचान रखती थीं- भारतीय। यही भावना हमें याद दिलाती है कि असली ताकत हमारे नाम, वंश या पंथ में नहीं, बल्कि हमारे सामूहिक प्रयत्न और साझा संकल्प में है। खेल हमें यह सिखाते हैं कि टीम भावना किसी भी व्यक्तिगत पहचान से बड़ी होती है। जब विकेट गिरता है तो कोई यह नहीं देखता कि गेंदबाज किस राज्य या धर्म से है और जब चौका लगता है तो भीड़ यह नहीं सोचती कि बल्लेबाज किस जाति का है। मैदान में सिर्फ एक बात मायने रखती है- प्रदर्शन, मेहनत और समर्पण। यही दर्शन यदि हम देश के विकास, राजनीति, समाज और संस्कृति में भी अपनाएं, तो भारत हर क्षेत्र में विश्व चैंपियन बन सकता है। हमारे समाज में दुर्भाग्य से पहचान की राजनीति, धर्म और जाति के आधार पर विभाजन और अपने-अपने हम बनाम वो की मानसिकता गहरी जड़ें जमा चुकी हैं। चुनावों से लेकर रोजमर्रा की बातचीत तक हम अक्सर यह भूल जाते हैं कि हमारी सबसे बड़ी पहचान भारतीयता है। खेल हमें हर बार याद दिलाते हैं कि जब हम मिल कर खेलते हैं तो हम अजेय बन जाते हैं। यही एकजुटता भारत के संविधान, संस्कृति और सभ्यता की आत्मा है। जब हरमन प्रीत कौर मैदान में नेतृत्व करती हैं तो वह सिर्फ पंजाब की बेटी नहीं होतीं, वह पूरे भारतीय टीम की कप्तान होती हैं। जब जेमिमा रोड्रिग्स निर्णायक मैच में बेहतरीन बल्लेबाजी करती हैं तो यह मायने नहीं रखता कि उनका धर्म क्या है - मायने रखता है उनका योगदान। जब शेफाली वर्मा फाइनल में धुआंधार बल्लेबाजी करती हैं या दीप्ति शर्मा पूरे टूर्नामेंट में निरंतर प्रदर्शन से चमकती हैं, तो वे हमें यह सिखाती हैं कि सफलता योग्यता और परिश्रम की भाषा बोलती है, किसी जाति या धर्म की नहीं। आज भारत को इन बेटियों से बहुत कुछ सीखने की आवश्यकता है। यदि हर नागरिक अपनी छोटी-छोटी पहचान पीछे रखकर देश के बड़े लक्ष्य के लिए काम करे तो न तो विकास की रफ्तार रुकेगी और न ही सामाजिक सौहार्द बिगड़ेगा। हमें समझना होगा कि देश का निर्माण किसी एक वर्ग, एक भाषा या एक संस्कृति से नहीं होता, बल्कि सभी के मिलन से होता है। यही कारण है कि भारत वसुधैव कुटुंबकम का संदेश देता आया है- पूरा विश्व ही एक परिवार है। क्रिकेट के मैदान में जब गेंद सीमारेखा पार करती है तो पूरा स्टेडियम एक साथ गूंज उठता है- भारत! भारत! उस क्षण न कोई हिंदू होता है, न मुस्लिम, न सिख, न ईसाई- सब सिर्फ भारतीय होते हैं। यह भावना ही राष्ट्र निर्माण का असली आधार है। यही वह चेतना है, जो हमें जातीय हिंसा, धार्मिक कट्टरता और क्षेत्रीय संकीर्णता से ऊपर उठने की शक्ति देती है। आज राजनीति से लेकर सामाजिक मीडिया तक, हमें बार-बार अपनी पहचान के चश्मे से चीजें देखने के लिए उकसाया जाता है, पर सवाल यह है- क्या कोई देश सिर्फ पहचानों से बनता है, नहीं। देश तब बनता है, जब लोग अपने मतभेदों को दरकिनार कर साझा लक्ष्य के लिए एकजुट होते हैं। आज भारत के सामने अनेक चुनौतियां हैं- गरीबी, बेरोजगारी, शिक्षा, पर्यावरण, लैंगिक समानता, पर इन सबका समाधान तभी संभव है, जब हम टीम इंडिया की भावना से सोचें, न कि मेरे समाज की संकीर्ण मानसिकता से। हमारी महिला क्रिकेट टीम ने वह कर दिखाया, जो राजनीति, समाज और धर्मशास्त्र नहीं कर पाए- उन्होंने हमें दिखाया कि एकता में कितनी शक्ति होती है। मैदान में उन्होंने यह साबित कर दिया कि कोई किसी से कम नहीं, और सब एक-दूसरे के लिए समर्पित हैं। किसी ने नेतृत्व किया, किसी ने बल्ला घुमाया, किसी ने गेंद को हवा में उछाला, किसी ने कैच पकड़ा और सबने मिलकर इतिहास रच दिया। यही मॉडल भारत के सामाजिक जीवन के लिए भी लागू हो सकता है। हर नागरिक यदि अपनी भूमिका जिम्मेदारी से निभाए- चाहे वह किसान हो, शिक्षक, डॉक्टर, इंजीनियर या सिपाही, तो भारत के विकास की डगर कोई नहीं रोक सकता। जैसे टीम में हर खिलाड़ी अपने हिस्से की भूमिका निभाता है, वैसे ही देश के हर नागरिक को अपनी जगह ईमानदारी से काम करना होगा। तब कहीं जाकर भारत विकसित राष्ट्र के सपने को साकार करेगा। इस जीत में एक और बड़ा संदेश छिपा है- महिला सशक्तीकरण का। इन बेटियों ने न केवल खेल के मैदान में, बल्कि समाज के उस सोच पर भी प्रहार किया है, जो अक्सर यह मानती रही कि कुछ क्षेत्र पुरुषों के लिए ही हैं। उन्होंने यह साबित कर दिया कि यदि अवसर और विश्वास मिले तो महिलाएं किसी भी क्षेत्र में देश को गौरवान्वित कर सकती हैं। उनकी यह सफलता आने वाली पीढ़ियों की लड़कियों के लिए प्रेरणा बनेगी, जो अब यह जानती हैं कि सीमाएं सिर्फ सोच में होती हैं, प्रतिभा में नहीं। जब हम किसी की पहचान को देखकर निर्णय लेते हैं तो हम उसकी असली क्षमता देखने से चूक जाते हैं। लेकिन, जब हम पहचान से परे जाकर सहयोग करते हैं, तो असंभव भी संभव हो जाता है। यही सबक हमारी महिला टीम ने दिया है कि देश की सेवा के लिए पहले दिलों का मेल जरूरी है, न कि सिर्फ संसाधनों का। भारत को आगे बढ़ाने के लिए आज जिस चीज की सबसे ज्यादा जरूरत है, वह है सामाजिक एकता और परस्पर सम्मान। हम सब अलग-अलग भाषाएं बोल सकते हैं, अलग-अलग रीति-रिवाज निभा सकते हैं, लेकिन हमारा सपना एक ही है - एक मजबूत, समृद्ध और खुशहाल भारत। यह सपना तभी साकार होगा, जब हम मैं से ऊपर उठकर हम की सोच अपनाएं। जिस दिन हम सब भारतीय इस बात को आत्मसात कर लेंगे कि किसी की सफलता हमारी सामूहिक जीत है, उस दिन भारत न सिर्फ खेल के मैदान में, बल्कि हर क्षेत्र में विश्वगुरु बनेगा। यह टीम की तरह काम करने का समय है, न कि एक-दूसरे को दोष देने का। इसलिए जब अगली बार कोई यह पूछे कि तुम कौन हो, तो उत्तर बस इतना ही होना चाहिए - मैं भारतीय हू। जब तक हम यही पहचान लेकर चलेंगे, तब तक कोई ताकत हमें रोक नहीं सकती। जैसे मैदान में भारत की बेटियां जीतकर लौटीं, वैसे ही एक दिन हमारा देश भी विकास और एकता का विश्व चैंपियन बनेगा, क्योंकि जो देश अपनी विविधता में एकता ढूंढ़ना सीख जाता है, वह कभी हारता नहीं।

राष्ट्र भूमि की चेतना का स्वर

वंदे अर्थात वंदना और मातरम शब्द का अर्थ हे मां अर्थात वह, जिसने जन्म दिया। कौन और किसको- भारतीय चिंतन, दर्शन, लोक और ज्ञान परंपरा के अनुसार उत्तर है, मुझे, हमें, सभी को, सभी मनुष्यों को, पशुओं को, पक्षियों को, वनस्पतियों को, नदियों को, पर्वतों को, जंगलों को, समस्त प्राणियों को, समस्त जगत को। उसी ने जन्मा है। उसी ने निर्मित किया है। उसी के आंगन में, उसी के आंचल में सभी जी रहे हैं। सभी पुष्पित, पल्लवित और विलयित भी हो रहे हैं। मातरम् को वंदे। मातृ तत्व को प्रणाम। वहीं मातृ सत्ता जिसे भारत ने सदा से भू देवी कहा है और उसकी स्तुति की है। उसी को वंदे मातरम् करने का गान रचा है। श्रुतियों ने भी और बंकिम चंद्र चटर्जी ने भी। आदिकाल से सृष्टि के आरंभ से ही यह स्तुति हमने सदैव की है। वंदे मातरम् के उद्घोष में ही वह शक्ति है, जो भारत को ही नहीं, बल्कि समस्त जगती को ब्रह्मांड की असीम ऊर्जा से जोड़ कर उसे देदीप्यमान करती है। यह अद्भुत है। यह उस शब्द ब्रह्म का ऐसा गान है, जिसके स्वर सीधे कॉसमॉस में तरंगित होकर आत्मिक ऊर्जा से गायक को भर देते हैं। वंदे मातरम। यह शब्द संस्कृत मूल का है और इसका उपयोग मातृभूमि के लिए भी किया जाता है। वंदे मातरम् का अर्थ है मैं तुम्हें नमन करता हूं, मां, जिसमें वंदे का अर्थ वंदना या प्रशंसा में गान करना है और मातरम् का अर्थ मां या मातृभूमि या समस्त पृथ्वी या समस्त सृष्टि है। यह राष्ट्रीय गीत भारत की संस्कृति और गौरव का प्रतीक है। मां के रूप में, मातरम् का सीधा और शाब्दिक अर्थ 'मां' है। मातृभूमि के रूप में, यह शब्द भारत माता, हमारी मातृभूमि के लिए प्रयुक्त होता है। इस गीत में वंदे मातरम् का अर्थ है कि हम अपनी मातृभूमि की पूजा करते हैं, उसे नमन करते हैं और उसकी वंदना करते हैं। यह शब्द मातृभूमि के प्रति श्रद्धा और सम्मान को व्यक्त करता है। इस गीत की रचना बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय ने की थी, जो वेदों में वर्णित ऋग्वेद के वंद शब्द से प्रेरित है। वंद शब्द का अर्थ प्रशंसा करना, आदर करना या पूजा करना है, जो वेदों के अनुसार है। इसलिए, वंदे मातरम शब्द का उपयोग वेदों में भूमि को मां के रूप में दर्शाने की अवधारणा से जुड़ा हुआ है। ऋग्वेद के अतिरिक्त अन्य वेदों में पृथ्वी को भी मातृ के रूप में संबोधित किया गया है। उदाहरण के लिए, अथर्ववेद में कहा गया है, माता भूमिः पुत्रो अहं पृथिव्याः, जिसका अर्थ है हे पृथ्वी माता, मैं पृथ्वी का पुत्र हूं। मातृ देवो भव के श्रुति संदेश का सार है वंदे मातरम। इस सार तत्व में ही समस्त भारतीय संस्कृति समाहित है। मातृ के अर्थ अनेक हैं। मातृ मिट्टी भी है। मातृ जननी अर्थात जन्म देने वाली माता भी है। समस्त पृथ्वी, समस्त प्रकृति, समस्त नदियां मातृ स्वरूप हैं। इसीलिए भारतीय संस्कृति में ये सभी पूज्य हैं। मातृ शक्ति की अवधारणा केवल भारत के वांग्मय ही स्थापित करते हैं। इसी अवधारणा के कारण वंदेमातरम गीत को राष्ट्र गीत के रूप में अंगीकार किया गया है। बंकिम चंद्र चटर्जी के उपन्यास आनंद मठ में इस गीत के कुल पांच अंतरे हैं । इनमें से आरंभ के दो अंतरे ही गायन में प्रचलन में हैं। इस उपन्यास में यह गीत भवानंद नाम के संन्यासी द्वारा गाया गया है। बाद में इसकी धुन यदुनाथ भट्टाचार्य ने बनाई थी। यह कविता की दृष्टि से जितनी उत्कृष्ट रचना है, उससे भी महत्वपूर्ण इसका भाव है। यह मनुष्य के जीवन संस्कृति का वह समस्त आधार तत्व प्रस्तुत करने में सक्षम है, जिसे गोस्वामी तुलसीदास जी ने मयार्दा पुरुषोत्तम की स्थापना में बालकांड में ही परिभाषित कर दिया है। मानव जीवन के सभी सनातन तत्व इस गीत में विद्यमान हैं, जिनकी अलग-अलग स्तुतियां मनुष्य अलग अलग-समय पर करता है। वह चाहे धरती हो, आकाश हो, वनस्पतियां हों, प्रकृति हो, दैवीय शक्तियां हों, लक्ष्मी, सरस्वती और दुर्गा हों या ऐसे वे सभी प्रतीक जिनसे मनुष्य शक्ति संपन्न होकर जीवन यात्रा करना चाहता है या करता है। वंदेमातरम ठीक वैसा ही संपूर्ण है, जैसा हमें सत्यमेव जयते अथवा तमसो मा ज्योतिर्गमय के उच्चारण से आभास होता है। इस गीत में मनुष्य और परमसत्ता अर्थात ईश्वर के बीच का ऐसा संवाद रचा गया है, जो ठीक वैसा ही समर्पण दशार्ता है जैसे कि माता के आंचल में संरक्षित शिशु। वंदे मातरम की पहली पंक्ति सुजलां सुफलाम् मलयजशीतलाम् शस्यश्यामलाम ही हमें प्रकृति से जोड़ने का काम करती है। जीवन के लिए जरूरी संसाधन जैसे शीतल जल, हरे भरे खेत, अच्छे फलों, सुगन्धित हवाओं की वंदना किया जाना न केवल आज के समय की आवश्यकता है, बल्कि यह हमेशा से ही जीवनदाता रहा है। यह मातृ शक्ति की सर्वोपरिता को द्योतित करती है। पश्चिम के पुरुष सत्तात्मक समाज ने स्त्री को दोयम दर्जे का नागरिक बना कर रख दिया, जिसके लिए आज नारी सशक्तीकरण सरकार की मिशन शक्ति का सहारा लेना पड़ रहा है । वंदे मातरम की वैज्ञानिकता, संगीत, भाषा और महत्त्व को देखते हुए बीबीसी द्वारा 2003 में किए गए 155 देशों के सर्वेक्षण में शीर्ष 10 में स्थान दिया गया। 65 सेकेंड में गया जाता है वंदे मातरम गीत। भारतीय मनीषियों की कल्पना जो देश के विकास के लिए जरूरी है जैसे- विद्या, धर्म, भक्ति, कर्म, प्राण को इस गीत में समाहित कर- के यह बताया गया है कि देश के सर्वांगीण विकास के लिए सभी पक्षों का विकास जरूरी है। वंदे मातरम- ज्ञान, विज्ञान, देश, मानव के सभी विषयों को शब्द रूप में समाहित करता है। ज्ञान होना चाहिए अपने आस-पास की प्रकृति का, जीवन की रक्षा के लिए अस्त्र-शस्त्रों का, मुक्ति के लिए धर्म का और इसके साथ ही साथ अपने शत्रुओं की अच्छाइयों और बुराइयों का। उन्नत विज्ञान होना चाहिए। गीत- संगीत और विद्या का विकास देश के विकास के लिए बहुत जरूरी है।

Social Media Corner

सच के हक में...

बिहार में हर तरफ विकास की ललक साफ नजर आती है। मैंने स्वयं कई अवसरों पर यह महसूस किया है कि यहां के मेरे भाई-बहनों में उद्यम की भावना काफी प्रबल है, जिससे पता चलता है कि बिहार के लोग क्यों दुनियाभर में छाए हुए हैं। बिहार की मेरी माताओं-बहनों और नौजवानों ने आने वाले कई दशकों की राजनीति को एक मजबूत नींव दी है।।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

घाटशिला विधानसभा उपचुनाव में जीत के लिए युवा और जुझारू नेता सोमेश बाबू को हार्दिक बधाई और शुभाशीष। घाटशिला विधानसभा के मेरे लोगों को भी पुनः बहुत-बहुत आभार और जोहार। रांची पहुंचे घाटशिला से झामुमो परिवार के कर्मठ सिपाहियों को भी मैं हार्दिक आभार करता हूं, धन्यवाद देता हूं। झामुमो परिवार ने राज्य के हर वर्ग के लिए जो काम किया है, यह जीत उसी का परिणाम है। दिशोम गुरुजी के विचार और आदर्शों पर चलकर तथा स्व रामदास दा के सपनों को पूरा करने का काम हमें मिलकर करना है। घाटशिला विधानसभा के लोगों की आशाओं आकांक्षाओं को पूर्ण करना है।

(हेमंत सोरेन का 'एक्स' पर पोस्ट)

घाटशिला विधानसभा उपचुनाव में मिली शानदार जीत पर मैं युवा, ऊजार्वान और संघर्षशील नेता सोमेश बाबू को हृदय से बधाई देती हूं। साथ ही घाटशिला की जनता के विश्वास, स्नेह और समर्थन के लिए पुनः कोटि-कोटि आभार और जोहार। आज रांची पहुंचे झामुमो परिवार के कर्मठ सिपाहियों का भी मैं दिल से धन्यवाद करती हूं, आप सबके समर्पण और मेहनत ने ही इस विजय को संभव बनाया है।

(कल्पना सोरेन का 'एक्स' पर पोस्ट)

फिर से न छिड़े परमाणु हथियारों की होड़

भारत में तो एटम बम और हाइड्रोजन बम फोड़ने की बातें ही होती हैं, लेकिन असली बम तो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दक्षिण कोरिया में चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग से मुलाकात से पहले ही फोड़ दिया। उन्होंने अपने इंटरनेट मीडिया अकाउंट पर लिखा, चूंकि कई दूसरे देश परमाणु परीक्षण कर रहे हैं, इसलिए उन्होंने अपने युद्ध विभाग को भी तत्काल दूसरे देशों के स्तर के परमाणु परीक्षण शुरू करने के निर्देश दे दिए हैं। परीक्षण करने वाले देशों के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने सीबीएस न्यूज को दिए साक्षात्कार में रूस, चीन और उत्तर कोरिया के साथ पाकिस्तान का नाम भी लिया। नवंबर 1996 में पारित हुई परमाणु परीक्षण प्रतिबंध संधि यानी सीटीबीटी के तहत नागरिक या सैनिक किसी भी उद्देश्य से परमाणु परीक्षण करना प्रतिबंधित है। हालांकि इस संधि का अमेरिका ने अभी तक अनुमोदन नहीं किया है, लेकिन वही इसका सबसे प्रबल प्रायोजक-पैरोकार रहा है। इसलिए ट्रंप के एलान से परमाणु परीक्षण निरीक्षकों, निरस्त्रीकरण विशेषज्ञों और दूसरी परमाणु शक्तियों में हैरत और परेशानी की लहर दौड़ना स्वाभाविक था। ट्रंप ने जिन चार देशों पर छिपकर परीक्षण करने के आरोप लगाए, उनमें से उत्तर कोरिया ने तो कोई प्रतिक्रिया नहीं दी, पर चीन और रूस ने ट्रंप के आरोपों का खंडन करते हुए परमाणु परीक्षण प्रतिबंध का पालन करने के दावे किए। और तो और पाकिस्तान ने भी खंडन करने में ढिलाई नहीं दिखाई। पाकिस्तानी सैन्य प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने कहा, पाकिस्तान 1988 के बाद से परीक्षणों पर लगाए स्वैच्छिक विराम का पालन कर रहा है। पाकिस्तान ने न तो परमाणु परीक्षण करने में पहल की थी और न वह उन्हें दोबारा शुरू करने में पहल करेगा। पाकिस्तान के परमाणु अप्रसार के अंतरराष्ट्रीय नियमों का खुला उल्लंघन करते हुए परमाणु बम बनाने और उसकी तकनीक ईरान, लीबिया और उत्तरी कोरिया जैसे देशों को बेचने के विवादास्पद इतिहास को देखते हुए उसकी इस बात पर यकीन नहीं किया जा सकता कि वह परीक्षणों पर लगे प्रतिबंध का स्वेच्छा से पालन कर रहा है। परमाणु अस्त्रों के प्रयोग में पहल न करने की भारत की नीति के विपरीत पहले प्रयोग करने की नीति पर चलना और तरह-तरह के परमाणु बमों के प्रयोग की धमकी देते रहना भी पाकिस्तान की नीयत पर संदेह पैदा करता है। फिर भी, परमाणु परीक्षणों पर निगाह रखने के लिए बनी सीटीबीटी संगठन की अंतरराष्ट्रीय निरीक्षण प्रणाली आईएमएस ने अभी तक ऐसी कोई रिपोर्ट नहीं दी है कि पाकिस्तान ने परमाणु परीक्षण किया है। रूस ने आखिरी परमाणु परीक्षण सोवियत संघ के विखंडन से एक साल पहले 1991 में किया था और चीन ने 1996 में। उसके बाद इस सदी में उत्तर कोरिया को छोड़कर किसी देश ने कोई परमाणु परीक्षण नहीं किया है। ट्रंप का एलान कई सवाल खड़े करता है। मसलन क्या रूस, चीन और पाकिस्तान वाकई ऐसे परमाणु परीक्षण कर रहे हैं, जिनकी भनक आईएमएस को भी नहीं है। यदि ऐसा है तो फिर उसकी उपादेयता क्या है। अमेरिका के परमाणु परीक्षण शुरू करने से विश्व में परमाणु अस्त्रों की जो होड़ शुरू होगी, उसे कैसे रोका जा सकेगा। इनका स्पष्टीकरण देने का काम ट्रंप ने अमेरिका के ऊर्जा मंत्री क्रिस राइट को सौंपा। उन्होंने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप ने जिन परमाणु परीक्षणों को शुरू करने का एलान किया है, वे सब-क्रिटिकल या ठंडे परमाणु परीक्षण हैं, जिनसे रेडियोधर्मिता नहीं फैलती। राइट का उद्देश्य दुनिया की चिंता दूर करने से अधिक अमेरिकी राज्य नेवाडा के निवासियों की चिंता दूर करना था, जो अमेरिका के परमाणु परीक्षण स्थल के पास रहते हैं। यहां पर 1992 के बाद से कोई परमाणु परीक्षण नहीं हुआ है और अब लोग परीक्षणों का कड़ा विरोध करते हैं। हालांकि ट्रंप ने स्वयं इसका स्पष्टीकरण नहीं दिया है कि वे विस्फोट वाले परीक्षण की नहीं, बल्कि सब-क्रिटिकल यानी ठंडे प्रायोगिक परीक्षण की बात कर रहे थे।

शटडाउन पर भिड़ंत

संयुक्त राज्य अमेरिका के संघीय सरकार का शटडाउन 39वें दिन में प्रवेश कर गया है। इससे यह अमेरिका के इतिहास का सबसे लंबा शटडाउन बन गया है। इसका लगभग 1.4 मिलियन संघीय कर्मचारियों पर गहरा प्रभाव पड़ा है, जिन्हें बिना वेतन के छुट्टी पर भेज दिया गया है। इसके अलावा विभिन्न सार्वजनिक सेवाओं के निलंबन से प्रभावित अनगिनत लोगों को भी नहीं भूलना चाहिए। अमेरिकी जनता को ताजा झटका उस एलान के फौरन बाद लगा, जिसमें कहा गया कि हवाई यातायात नियंत्रकों की कमी के चलते प्रमुख अमेरिकी एयरलाइंस कंपनियां इस हफ्ते 40 से ज्यादा हवाई अड्डों पर उड़ानों में कटौती करेंगी, क्योंकि हवाई सुरक्षा को खतरा बढ़ गया है। शटडाउन की वजह से खाद्य एवं पोषण से जुड़े लाभों से संबंधित सामान्य कार्य भी बाधित हुए हैं, जिनमें गरीबों के लिए खाद्य टिकट, निम्न आय वाले परिवारों के लिए प्रारंभिक शिक्षा कार्यक्रम, आंतरिक राजस्व सेवा से संबंधित सेवाएं, राष्ट्रीय उद्यान और सामाजिक सेवाएं शामिल हैं। कांग्रेस में गतिरोध पैदा करने वाली बहस का मूल मुद्दा अफोर्डेबल केयर एक्ट बाजार के जरिए खरीदे गए स्वास्थ्य बीमा प्रीमियमों पर सब्सिडी की समाप्ति था। इस वक्त, पक्षपातपूर्ण गतिरोध को खत्म करने की दिशा मे उम्मीद की एक किरण दिखाई दे रही है क्योंकि रिपब्लिकन द्वारा एक नया प्रस्ताव, जिसमें एक अल्पकालिक अस्थायी वित्त पोषण संबंधी उपाय भी शामिल है, पेश करने के बाद सीनेट द्वारा संशोधित बजट विधेयक पर मतदान किए जाने की उम्मीद है। इसके अलावा खाद्य सहायता, सैन्य मामलों और सैन्य निर्माण के लिए एक साल का संभावित वित्तीय समर्थन भी इस प्रस्ताव में शामिल है। हालांकि राजनीतिक विमर्श में कटु ध्रुवीकरण की गहरी बीमारी बनी हुई है, भले ही दर्दनाक शटडाउन आते-जाते रहें। ट्रंप ने निश्चित रूप से अपनी पहली चुनावी जीत से बेहतर किया, जब वे 2024 में व्हाइट हाउस में पहुंचे।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Plagued by suspended scepticism

The Mongols are believed to have used the first bioweapon in recorded history in 1346, when the forces of the Golden Horde under Khan Jani Beg catapulted a corpse infected by bubonic plague into the besieged Genoese citadel of Caffa in the Crimea. Caffa, now called Feodosia, has been an important port for centuries. It controlled the medieval Black Sea trade, including the eternally lucrative business of slavery, and was a terminus of the Silk Route. It is still strategically important—nominally Ukrainian, but administered by Russia. After the Russian invasion began, the world took note when Ukrainian aircraft attacked Russian warship Novocherkassk in the Feodosia harbour.

In 1346, the unknown soldier who served as a bioweapon decisively ended the siege of Caffa. The Genoese fled to Italy, carrying the plague with them into Europe, which it ravaged for the next four years, changing the course of history. For about 50 years, this one-man story has explained the rapid spread of the plague east to west across the Old World, from China to Iberia and the British isles. There's even a name for it: the quick transit theory. When the Covid-19 outbreak was traced to Wuhan, the story of Caffa was recalled, and it was suggested that deadly epidemics inevitably originate in China and travel west at top speed. Covid moved very fast because of air travel, but were earlier pandemics so fast-moving?

A paper in the October 31 edition of the Journal of Arabic and Islamic Studies challenges the theory. In this edition focused on environmental challenges that shaped history in West Asia and Europe, authors Muhammed Omar and Nahyan Fancy of the University of Exeter argue that 'quick transit' is based on a misreading of creative writing as factual history. Their paper, 'Mamluk Maqamas on the Black Death', says that the theory rests on the work of American academic Michael Dols, a pioneer in the study of pandemics in history. He had relied on the Risalah al-naba an al-waba (1348-49) of the scholar Ibn al-Wardi, which described the arrival of the plague in West Asia like a tsunami coming down the Silk Road, destroying cultures in its path.But the Islamic tradition differentiates clearly between history (tabaqat or tarikh) and cultural products like maqamas, the genre to which the Risalat belongs. Maqamas were picaresque accounts of 'trickster' figures, a feature in almost all the world's mythologies—Loki being the best-known among them, thanks to American popular culture. In the Risalat, the trickster is the disease itself. A modern equivalent could be the story of Indian migrants walking home during the pandemic, which is essentially Neeraj Ghaywan's Homebound, based on Basharat Peer's New York Times newsfeature 'Taking Amrit Home'. It expresses the helplessness of mere mortals in the face of a global catastrophe, but future generations should not mistake it for formal history. Similarly, the Risalat expressed the feelings of people facing the imponderable. We, the future generations in this case, can read it for signs of what the plague did to the psyche of societies it overran. But we should not regard it as a factual account of the progress of the pandemic.The importance of the distinction would be obvious if we return to the story of the allegedly rapid transit of bubonic plague from a reservoir in China to Europe via a Crimean conflict. A story which begins with a disease-ridden corpse being catapulted into a fortress cannot but be compelling. But people have long suspected that history is not so tightly scripted. It tends to be slow and messy.There is, for instance, the question of the Justinian plagues that swept Europe from 541 CE, eight centuries before the Black Death, and recurred repeatedly across the Mediterranean, North Africa, Italy, Gaul, and West Asia until the 8th century. These plagues killed up to 50 million and contributed to the end of the Pax Romana—fortunately, not before the Laws of Justinian had established the basic principles of Western civil jurisprudence, which spread across the world during the colonial era and now underlie most legal systems.

Tiraskar is the voter's terse message

THE GREAT GAME Bihar has treated the Opposition, particularly the Congress, with contempt

THERE's a certain inevitability about the victory of the BJP-led NDA in Bihar, the punishing of Tejashwi Yadav's RJD and the decimation of the Congress party. Another thing is clear. Rahul Gandhi should go and settle in Colombia — or any of the other South American countries where he so fetchingly showed up in a white kurta-pajama and black bundi jacket in the middle of the Bihar campaign. There's a word in Hindi the Bihari — and Punjabi — voter must have had in mind when it voted against the Congress earlier this week, that translates as little more than indifference and a little less than loathing.Tiraskar. Contempt. Don't take us for granted. Because if you do we will show you your place by voting for a party that we may or may not have considered otherwise.In Bihar, voters were so filled with contempt for the Congress — read, Rahul Gandhi — that they have reduced the grand old party to six seats. This is the Congress' fourth straight defeat since the Lok Sabha polls a year and a half ago — after Haryana, Maharashtra, Delhi.The tragedy of Indian politics is that Rahul refuses to be accountable or go to South America or see the writing on the wall — which is, that he should step down and allow the winds of democracy that he loves to talk about, to sweep through his own party.

Both in Punjab as well as in Jammu & Kashmir, the people have shaken a few citadels — and given fair warning to the ruling AAP and National Conference, respectively. Don't take us for granted, the voter has said, both in Tarn Taran and Budgam.In Tarn Taran, in the heart of the hotbed, the rebellious Punjabi has sent a few of his/her own messages. First, she has put on notice the ruling AAP, 15 months before the Assembly elections in the state. Second, while the AAP candidate won, he has been given a rude shock by the Akali Dal candidate — even if the jury is out on whether or not this is an Akali comeback in Punjab politics, since the party lost its mojo when it walked out of the NDA in the wake of the Centre's imposition of the farm laws in 2020, won only three seats in the 2022 Assembly polls, was reduced to one seat in the 2024 Lok Sabha elections and has been beset with factionalism.

Third, it's equally significant that Sukhwinder Kaur, the Akali candidate, has outwitted the candidate supported by the separatist Waris Punjab De (WPD) political outfit — he has come third. Never forget that only a year and a half ago, the pro-Khalistan WPD won two seats in the Lok Sabha — one is the son of Indira Gandhi's assassin, while the other remains in jail for attempted insurrection. So if Tarn Taran is now turning back towards moderation, the Akali Dal must certainly deserve two cheers and a pat on its back.Fourth, Tarn Taran has treated the Congress with withering contempt — whose pretenders believe they deserve the throne from which the people of Punjab will, sooner than later, send AAP packing. Except, the Congress candidate lost his deposit, while the BJP was relegated to the fifth, also-ran spot.Then there's the don't-take-us-for-granted-message from Budgam, which J&K Chief Minister Omar Abdullah had won last September, along with Ganderbal — he vacated Budgam, which is why it went to the polls. Clearly, all is not well within the ruling National Conference. Abdullah has been punished because he has not been able to fulfil the people's expectations of restoring the UT to statehood — never mind if it's not in his hands, but in the hands of the Centre. Abdullah is paying the price for the fact that he is, in truth, only half a chief minister, but that he still wanted the CM's chair.This unforgiving mood on the part of the voter sharply contradicts the huge applause for PM Modi's BJP as well as Nitish Kumar's JDU in Bihar. Many analysts have put the NDA's unprecedented win down to the large cash transfers for all voters, not just women — Jan Suraaj's Pavan K Varma told The Tribune that the BJP-ruled Centre paid out Rs 30,000 crore hours before the model code of conduct kicked in, a large sum of money in a deeply poor state.Perhaps the Bihar voter was scared into believing that "jungle raj" would return with the RJD — certainly, Lalu's son has none of the fire for social justice reform that characterised Lalu Yadav himself, no matter his other shortcomings. And while all these reasons are fully germane, none fully explain why Bihar has so willingly turned saffron and why it is treating the Opposition with such contempt, or tiraskar.The bottomline is the Opposition's refusal to put up a real fight. Rahul Gandhi abandoned Bihar (for South America), Tejashwi Yadav made rash promises that he knew he couldn't keep (one government job in every family) and Jan Suraaj's Prashant Kishor allowed both anger and arrogance ("I will leave politics if Nitish Kumar gets more than 25 seats") to come in the way of cold-blooded strategy. The Mahagathbandhan did not win because it was never really in the fight.

What do you do, then, when you're confronted with a juggernaut on the one hand and a lily-livered coalition on the other that doesn't even believe in itself? There are enough problems with the BJP to recount here — leading with the fact that the BJP had no compunction to leverage the resources of the Union government to tilt the election in its own direction, for example, the Rs 7,500 crore cash transfer to women.The BJP's hunger to win, as Bihar showed and has been clear in election after election, has never been in any doubt. Perhaps the Opposition should think about taking a leaf out of the book its political enemy has been reading for a while.

Preserving vision of a cinematic maestro

Ritwik Ghatak himself was sui generis—one of a kind. His influence continues to travel

In a world grown more chaotic, atomised, and close to breaking point, Ritwik Ghatak's cinema feels newly legible. What once seemed niche now reads like a map to our fractured times. As we mark his 100th birth anniversary, his legacy—especially his influence on students Mani Kaul and Kumar Shahani—is provoking a fresh round of screenings and conversations. Along with John Abraham, these filmmakers created a kind of cinepedia drawn from myth, epic structure, music and memory—a shift that altered the gammar of Indian cinema.Ghatak himself was sui generis—one of a kind. His relationship with Kaul and Shahani was less about imitation and more about shared sensibility. Music bound them. For Ghatak, sound was not an accompaniment, but the emotional core of a film. Few directors have used Rabindranath Tagore's songs with the creative daring and precision that Ghatak brought to them. Kaul worked with dhrupad, Shahani leaned towards khayal, and Ghatak absorbed both, creating sound-worlds where classical forms could speak directly to the politics of partition, displacement, and longing.The echoes between their works are subtle but unmistakable. The shadow of Ghatak's unforgettable Nita in Meghe Dhaka Tara falls gently on Janaki in Shahani's Tarang—both women carrying mythic burdens of sacrifice and survival. Ghatak's 'epic method', where certain characters grow beyond the contours of plot into something timeless, can be felt in Kaul's Siddheshwari. What he gave his students was an orientation: to move past strict realism—even the refined realism of Satyajit Ray—and draw from theatre, folk tales, Sanskrit poetry, and Puranic lore.Ghatak's influence continues to travel. Actor Mita Vasisht, who worked extensively with Kaul and Shahani and has just made her first film, speaks of an acting tradition shaped by the "largeness of life"—a phrase echoing Ghatak's worldview. Shah Rukh Khan, who starred in Kaul's telefilm Ahmaq (1991) early in his onscreen journey, briefly sparked hope of renewing interest in such cinema when he starred in Amol Palekar's Paheli (2005), adapted from Kaul's Duvidha.Now, as Vasisht searches for theatres willing to screen her film, cineastes wonder if SRK—who has the reach, influence and the means—might help champion the preservation and promotion of India's great cinematic modernists.

Mandir narrative outshines Mandal calculus in Bihar

For the first time, the BJP has emerged as the largest party in Bihar. It did so by playing second fiddle to erstwhile socialists with pragmatism and keeping other allies close

The BJP has now firmly cemented its hold over the Hindi heartland with today's sweeping mandate from Bihar, a verdict that marks the party's first-ever emergence as the single largest force in the state assembly. For years, Bihar had remained the lone exception in the party's otherwise uninterrupted arc of dominance stretching from Rajasthan in the west to Bihar in the east—covering Chhattisgarh, Jharkhand, Madhya Pradesh, Uttar Pradesh, Uttarakhand and the Delhi NCR. That political map, almost entirely saffron, had one persistent gap. Bihar alone had resisted complete absorption. The BJP has ruled or is ruling every other state in this belt on its own; only Bihar kept it confined to the role of an indispensable, yet subordinate, partner.

For decades, the BJP functioned as a junior ally to one socialist formation or another. First came the Samata Party (SAP), the force that George Fernandes and Nitish Kumar built as an alternative to Lalu Prasad's dominance, which later transformed into the Janata Dal (United). Today's verdict breaks that long and unusually consistent pattern. The NDA's decisive win is not merely a tally but a structural shift: the BJP has overtaken the JD(U), seizing the pole position in a partnership that had historically tilted the other way. The margin—less than 10 seats—may look numerically modest, but politically, the symbolism dwarfs the mathematics.The BJP's strength has always been its instinct for alliance-making. Unlike the Congress, it is quick to identify potential partners, reach out across ideological lines, and stitch together functional coalitions. But its rise to power at the Centre changed the equilibrium. The party began to assume seniority in most alliances, subtly but firmly dictating terms. Nitish Kumar and the JD(U), fully aware of their irreplaceable relevance in Bihar's political mosaic, declined to concede that upper hand. Their refusal shaped the state's electoral chemistry for nearly two decades.Nitish had considerable political capital. His reworking of Mandal politics—from a discourse centred purely on reservations to a broader promise of governance participation—earned steadfast caste loyalty. A series of targeted welfare programmes brought women voters to him in impressive numbers. The carefully cultivated image of 'sushasan babu' allowed him to maintain an aura of administrative credibility even while navigating coalitions with ideologically incompatible partners such as the BJP.By contrast, the BJP entered Bihar with limited inherent advantages. It relied on its Jayaprakash Narayan lineage to open doors with socialist groups and prevent them from gravitating toward the Congress. It gathered the upper castes—long aligned with the Congress—under its banner, but that alone could not construct a winning majority in a state dominated by OBCs and Dalits. Bihar may have played a pivotal role in the Ram temple movement—after all, it was here that L K Advani was famously arrested by Lalu Prasad. Yet of the twin currents that defined the 1990s, Mandal decisively outweighed mandir. Hindutva remained a secondary force to the churn of backward caste and Dalit politics, even though the state witnessed occasional communal flashpoints such as Bhagalpur in 1989. Unlike Uttar Pradesh, however, Bihar did not experience repeated communal convulsions.

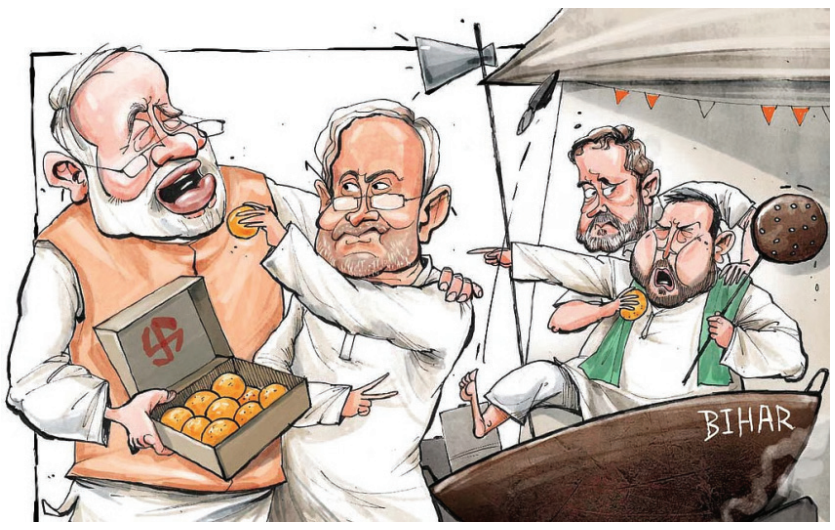

Although UP and Bihar are often clubbed as twin pillars of the Hindi heartland, the BJP has always treated them differently. Uttar Pradesh proved far more responsive to polarising politics, being the epicentre of the temple–mosque questions in Ayodhya, Varanasi and Mathura. Voting patterns echoed this receptivity: UP repeatedly swung towards the BJP, while Bihar required a broader BJP-plus formation. The RSS, too, had a far deeper organisational footprint in UP, with its extensive network of pracharaks and swayamsevaks enabling smoother cadre mobilisation. Moreover, UP offered the BJP a steady, recognisable leadership pipeline. Bihar, in contrast, still votes for Modi rather than any identifiable state-level leader. Crucially, UP's Mandal moment was eventually subsumed into the BJP's wider social engineering, enabling upper castes and significant backward caste blocs to cohabit within the political 'parivar'. In Bihar, achieving such equilibrium proved possible only by leaning on socialist allies.

The BJP-SAP relationship flourished when George Fernandes was active. He brought ideological heft and offered the BJP a respectability it urgently needed after the Babri demolition pushed it to the margins in secular political circles. When Fernandes withdrew from active politics due to ill health, Nitish acquired the freedom to recalibrate his alliances repeatedly. He severed ties with the BJP more than once. While he fared well in state elections with the RJD and smaller parties, he suffered severe reverses in Lok Sabha contests. The 2014 elections—held after his acrimonious split with Narendra Modi, whom he had criticised for the 2002 Gujarat riots during the BJP's 2009 National Executive in Patna—ended the BJP–JD(U) alliance despite the rescue efforts of L K Advani and Arun Jaitley. The Modi wave then swept Bihar.

The 2015 assembly elections, however, demonstrated that a JD(U) integrated into the Mahagathbandhan (MGB)—the grand coalition of socialists and the Congress—could effectively halt the BJP. Yet Nitish could not long manage the revived antagonism with Lalu Prasad. He returned to the BJP, and Modi, displaying unmistakable pragmatism, set aside the previous affront and reinstated him as chief minister. Bihar was far too critical to relinquish.This election cycle, the BJP corrected its past errors. Amit Shah camped in Patna, entrusting micro-management to Dharmendra Pradhan and Vinod Tawde, both trusted organisational hands. Shah ensured the NDA functioned as a cohesive bloc, its constituents aligned rather than working at cross-purposes. Nitish, in turn, repaired his ties with Chirag Paswan of the Lok Janshakti Party (Ram Vilas Paswan), enabling smoother vote transfers.

With the victory secured, the BJP's real test begins: it must now evolve as a standalone force in Bihar and not merely as JD(U)'s companion. It must deepen its ideological footprint, build a durable social coalition, and craft a leadership bench that can one day command votes independent of Modi—all while maintaining the delicate balance that coalition politics in Bihar demands.

India's Retail Market Set For $1 Trillion Leap By 2030: Fireside Ventures

Fireside notes that India's retail channels are undergoing their most dramatic reconfiguration yet. General trade, which accounted for more than nine-tenths of the market in 2014, is expected to shrink to about 70 per cent by 2030 as modern trade, e-commerce, quick commerce and direct-to-consumer (D2C) brands gain ground.

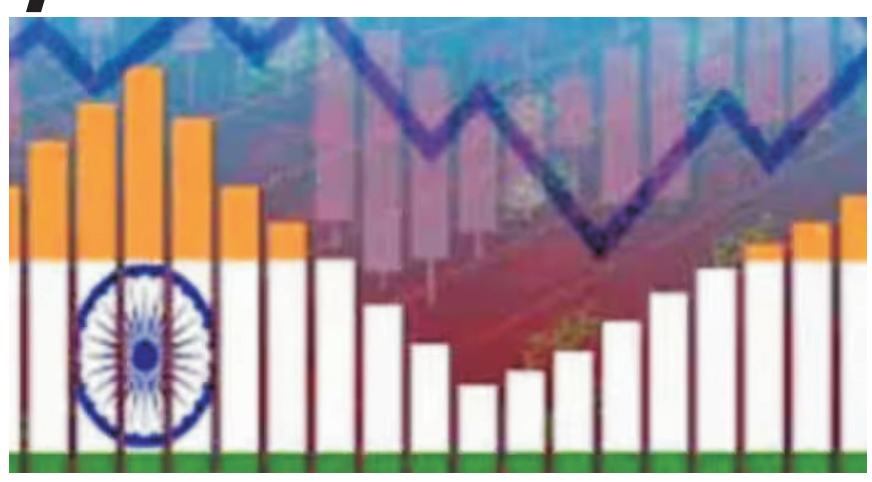

New Delhi.(Agency)

New Delhi: India's consumption story is entering a transformative decade, with the retail market on track to reach USD 1 trillion by 2030, driven by rising disposable incomes, rapid digital adoption and a widening aspirational class, according to a recent report by venture capital firm, Fireside Ventures.

The venture capital firm says the shift is not merely about scale but about the structural rewiring of how India shops.

Fireside notes that India's retail channels are undergoing their most dramatic reconfiguration yet. General trade, which accounted for more than nine-tenths of the market in 2014, is expected to shrink to about 70 per cent by 2030 as modern trade, e-commerce, quick commerce and direct-to-consumer (D2C) brands gain ground. D2C platforms and quick commerce alone could command up to 5 per cent of the market within the decade. As consumers adopt new formats and digital-first habits, branded retail is projected to double in size and approach USD 730 billion--nearly half of the country's total retail market. Fireside highlights that digital-native, new-age brands are expanding two to three times faster than traditional players, riding on data-led product innovation, agile distribution, and sharper customer engagement. The firm's analysis maps a vast landscape of emerging consumer cohorts. In its report, highlighting the opportunity in the Indian consumer market to the investors, the VC firm added, "Map your audiences, and you'll see the opportunity take the shape of many substantial markets, whether India I, the 15 per cent population driving 35 per cent of retail, and 60 per cent of branded purchases; or Bharat, the larger, fast-digitising 85 per cent of the country, quick to adopt retail, and hungry for new brands and experiences. The report added that by 2030, India is expected to host 1.1 billion internet users and more than 400 million online shoppers, creating what Fireside calls the flattest consumption opportunity the country has ever seen.

Fireside Ventures believes the next hundred iconic consumer brands will emerge from founders who are rewriting the rules--building niche, culturally rooted, digitally fluent labels that speak to a new, experimental and proudly regional Indian consumer.

Fiscal impact of NDA's resounding victory in Bihar elections

New Delhi.(Agency)

One of the major factors behind Bihar's sweeping electoral verdict for the NDA is the state's expanding freebies economy. According to analysts, the massive win was powered in part by unprecedented female voter turnout, driven by a Rs 10,000 cash grant for women—underscoring how direct benefit transfers and populist spending have become central to electoral strategy.The Rs 10,000 grant was among several populist measures announced by the incumbent government ahead of the election. Other schemes included free electricity, a monthly stipend for students, a Rs 5,000 grant to construction workers, among others.However, several political economists and research reports warn that the politics of freebies could have serious fiscal implications, and Bihar may have to rely on additional debt financing to sustain this level of expenditure.Madhavi Arora, Chief Economist at Emkay Global, said: "The outlay on these schemes could be more than ?40,000 crore in FY26 alone, or nearly 4% of Bihar's GSDP. For context, this would be more than the state's budgeted capex outlay for FY26."The state's finances are already under significant strain in FY25, with total expenditure at Rs 3.49 lakh crore while net receipts stood at just Rs 2.45 lakh crore. This pushed the fiscal deficit to Rs 82,478 crore, or 9.2% of GSDP, far above the budgeted Rs 29,095 crore (3% of GSDP).

Revenue collection remains weak. With GST rate rationalisation expected to reduce revenues further, and the state's enforcement of alcohol prohibition resulting in near-zero excise collections, Bihar's own tax and non-tax revenue accounts for only 25% of its total receipts of Rs 2.45 lakh crore. In comparison, Uttar Pradesh's own revenue accounts for 40% of its total receipts, while for Kerala, it is 74%.

Some economists argue that debt-financing may be the only viable way for the state to deliver on its promises. They also note that implementation could take time, as several of these schemes were not budgeted for in the current fiscal plan and were announced just weeks before the election. Economists caution that the freebies-led approach may also undermine long-term development.

"Bihar is running short of money and does not have enough resources. During his earlier three terms, the Nitish Kumar government primarily depended on one-time grants from the Centre for infrastructure development. So, if you try to give so much money to women in the form of monthly stipends or Jeevika Didis, it is ultimately going to impact development and infrastructure projects," said Bipul Kumar, political analyst and professor at the A N Sinha Institute of Social Studies.

IPOs next week: Two companies to float public issue; 7 shares to be listed

Kolkata.(Agency)

The IPO frenzy is going to ebb a little in the coming week as only two companies are going to hit D Street with the public issues. One is a mainboard IPO while the other is a SME one. These are Excelsoft Technologies IPO and Gallard Steel IPO. The amount that will be raised next week is also rather limited -- Excelsoft Technologies intends to mobilise Rs 500 crore and Gallard Steel wants to raise Rs 37.50 crore.

Excelsoft Technologies IPO

Excelsoft Technologies will launch its public issue to mop up Rs 500 crore. The bidding process will begin on Nov 19 and will close on November 21. The price band for this share is Rs 114-120. The issue will consist of both fresh shares and an OFS (Offer for Sale) segment. The OFS shares will come from Pedanta Technologies, the promoter company, which will sell shares worth Rs 320 crore. The retail investors have to apply for a minimum lot of 125 shares. Therefore, a retail investor has to invest at least Rs 15,000 for the smallest lot.

Gallard Steel IPO

The bidding window for Gallard Steel IPO will open on Nov 19 and will be open till Nov 21. This issue will comprise of fresh shares only. This is an SME issue that is designed to rise Rs 37.50 crore. The price band for Gallard Steel IPO has been fixed at Rs 142-150. Each lot contains 2,000 shares and retail investors have to apply for two lots, which will require them to invest Rs 3 lakh at least.

Food price outlook: Better monsoon, sowing to cool H2FY26 inflation; adverse base could lift FY27 rates

New Delhi.(Agency)

Food inflation is expected to remain under control in the second half of FY26, supported by better monsoon rains and improved sowing conditions. However, ICICI Bank's Global Markets sectoral update has warned that an "adverse base" could push food inflation higher in FY27.A base effect means inflation can loo unusually high or low depending on the price levels in the same period last year.As per news agency ANI, the report stated, "Higher rainfall and sowing bode well for the outlook in H2FY26, but an adverse base should push food inflation higher next year (FY27)".The outlook comes at a time when India's wholesale inflation has eased to its lowest point in more than two years.In October, wholesale inflation slipped further into contraction, led by a sharp fall in primary food articles.Vegetable prices continued to ease due to steady supplies and favourable weather, while cereals, pulses, spices and fruits also recorded declines.Month-on-month food prices remained broadly steady, suggesting that the sharp disinflation seen earlier is stabilising.The wider primary articles category posted another month of contraction, extending its streak of negative readings because of weak pricing in both food and non-food items, as per ANI.The report highlighted that corrections in key high-frequency items such as tomatoes, onions and some grains have played a major role in pulling down wholesale food inflation this year.Fuel inflation also stayed in negative territory, helped by lower global crude oil prices compared to last year.

India May Gain Slight Edge As US Exempts Several Agri Products From Reciprocal Tariffs:

New Delhi.(Agency)

New Delhi: India is expected to gain a small edge as the US administration has exempted agricultural products from the reciprocal tariffs it had imposed on several countries, said trade think tank GTRI. The United States has removed a set of agricultural products from the reciprocal tariffs introduced earlier this year, meaning these items will now face only the standard MFN duties.

A White House Executive Order issued on November 12 excludes coffee, tea, tropical fruits, fruit juices, cocoa, spices, bananas, oranges, tomatoes, beef and certain fertilizers from the April 2 reciprocal tariff regime, according to a Global Trade Research Initiative (GTRI) report put out on Saturday. The exemptions took effect on November 13. These goods are either not produced in adequate quantities domestically or depend on climate conditions the US cannot replicate, GTRI has asserted. For the tariff-exempt products identified in the order, India today supplies only USD 548 million of America's USD 50.6-billion import basket--reflecting a narrow export footprint dominated by a few winners, GTRI noted. US' demand for these items is heavily concentrated in categories. India's exports to the US are concentrated in a handful of high-value spices and niche products: pepper and capsicum preparations (USD 181 million), ginger-turmeric-curry spices (USD 84 million), anise and cumin seed categories (USD 85 million), cardamom and nutmeg (USD 15 million), tea (USD 68 million), and modest quantities of coconuts, cocoa beans, cinnamon, cloves, and fruit products.But India has almost no presence in several of the largest exempted lines--tomatoes, citrus fruits, melons, bananas, most fresh fruits, and fruit juices," GTRI noted. It's not clear yet whether Indian exports will be exempt from 25 per cent reciprocal tariffs or full 50 per cent tariffs.

A slowing wartime economy pushes the Kremlin to tap consumers for revenue

New Delhi.(Agency)

After two years of robust growth fueled by military spending on the war in Ukraine, Russia's economy is slowing. Oil revenues are down, the budget deficit is up and defense spending has leveled off.The Kremlin needs money to keep its finances steady — and it's clear where President Vladimir Putin intends to get it: at the cash register, from ordinary people and small businesses.An increase in value-added tax to 22% from 20% is expected to add as much as 1 trillion rubles, or about $12.3 billion, to the state budget. The increase is contained in legislation already making its way through Russia's compliant parliament and would take effect from Jan. 1.

More tax and fee increases are on the wayOn top of the rate increase, the legislation lowers the threshold for requiring businesses to collect VAT to a mere 10 million rubles (about $123,000) in annual sales revenue, in stages by 2028. That's down from 60 million rubles, or $739,000. That change is aimed in part at tax avoidance schemes in which companies split their operations to skirt the threshold.But it also will hit previously exempt businesses like corner convenience stores and beauty salons.The government also has proposed increasing taxes on spirits, wine, beer, cigarettes and vapes. For instance, the tax on stronger spirits such as vodka would go up by 84 rubles per liter of pure alcohol, which works out to 17 rubles or about 20 US cents for a half-liter bottle, or about 5% of the minimum price of 349 rubles ($4.31).Fees for renewing driver's licenses or getting an international license also are going up, and a key tax break on imported cars is being axed. The government is weighing a tech tax on digital equipment including smartphones and notebooks of up to 5,000 rubles ($61.50) for the highest priced items, the Kommersant news site reported.

The economic slowdown and tax increases are signs that Putin and ordinary Russians will face harder choices in the months ahead between guns and butter — that is, between military spending and consumer welfare after 3 1/2 years of war against Ukraine.

Luxury homes on tap but 'housing' in crisis

New Delhi.(Agency)

It is only the rich who seem to be buying homes. New money is being pumped into larger, more stylish homes. On the other hand, the middle and poor are feeling the pinch of high prices and are holding back. Sales in the affordable and mid segments are down as resistance mounts against runaway prices.Property rating agency Liases Foras' latest second quarter review shows though sales surged 15% for the July-September 2025 quarter to Rs 8.3 lakh crore in comparison with the previous year, in terms of units sold there was no appreciable growth. The agency, which claims to have surveyed 75 cities, said the robust sales figures was on account of two factors: a 3% average increase in prices and growth in sales of luxury homes.Apartments priced above Rs 2 crores saw 24% increase in sales volume, with the ultra-Luxury segment, Rs 10 crore and above, leading with a mammoth 40% year-on-year growth, the report says.

Affordable homes vanish

"Conversely, the 'affordable' (Rs.30-50 lakhs) and 'mid'-segments (Rs.50-75 lakhs) saw volumes decline by 13% and 7%, respectively, suggesting that the current growth cycle is highly concentrated at the top end of the market," said Pankaj Kapoor, MD of Liases Foras, in a statement.The Pune real estate market, a big-city bellwether, seemed to corroborate Liases Forras' findings. Property broker Knight Frank said the city's property registration in October, this year fell 39% to 12,693 units, while stamp duty collection was down 30% to 527 crore. Another brokerage house, Anarock, says plateauing of home sales has been the trend for some time. For 2024-25, 4.22 lakh housing units were sold across cities showing a decline of 14% from the previous year. However, sales value climbed marginally by 6% mainly driven by "sales in the luxury and ultra-luxury categories, even as affordability pressures weigh on mass-market segments," the Knight Frank report said. The trend continued into the current fiscal, and according to Prashant Thakur, Anarock's head of research, 1.93 lakh units were sold in the first half of FY2026 - less than half of the previous year. Even with greater luxury demand, sales in the first half this year were not exactly galloping -- Rs 2.98 lakh crore compared to Rs Rs 5.6 crore for the entire FY2025. Take out the luxury sales, and one can see the stress in the property market.

Slowing construction

Data presented by Liases Foras points to another serious stress factor -- a slowing construction pace across the top 8 cities, creating uncertainty in delivery schedules. Liases Foras says the percentage of constructed supply against the total marketable supply has dropped.

Millennials vs Gen Z: How their crypto portfolios and risk appetites differ

Millennials and Gen Z are both active in the world of crypto, yet they approach it from very different angles. Their portfolios, strategies and risk appetite reveal how differently each generation views money, technology and long-term investing.

CHENNAI .(Agency)

Cryptocurrency has become a popular investment choice for young Indians, but Millennials and Gen Z approach it in very different ways. Their choices reflect their experiences, their understanding of technology, and the way they see risk. While both groups are helping crypto grow, their paths, and their portfolios, don't look the same.IndiaToday.In spoke with Ashish Singhal, co-founder, CoinSwitch and Ellie Doroudian, founder, The BestProp to understand these generational differences.

DIFFERENT STARTING POINTS, DIFFERENT MINDSETS

Millennials stepped into the world of investing long before crypto reached the mainstream. They witnessed stock market cycles, economic downturns and the early, unstable phase of digital assets. That experience shapes their behaviour even today.Ashish Singhal said Millennials "tend to look for alpha from cryptos in a balanced and diversified portfolio." For them, crypto is an add-on rather than the starting point of their financial journey.Gen Z, meanwhile, grew up in a world where the internet, digital payments and online communities were already the norm. Many of them make their first-ever investment in crypto. Singhal said, "Gen Z is digital-native and more experimental. In many cases, their first investment is crypto."

WHY GEN Z CONNECTS DEEPLY WITH CRYPTO

For Gen Z, crypto is more than just a money-making tool. It represents community, identity and the future of finance. They enjoy the technology behind it, the speed of transactions, and the sense of belonging that comes from online crypto communities.Crypto isn't just about making money; it's a way to participate in the future of finance," Singhal added.Ellie Doroudian described Gen Z as digital natives who see crypto as "a banner of reclamation—sidestep legacy institutions and embrace socially driven opportunities." Meme coins, NFTs and tokens built around online trends appeal strongly to them.

MILLENNIALS PREFER STABILITY AND LONG-TERM THINKING

Millennials, on the other hand, approach crypto with more caution. Their experiences with market crashes and economic slowdowns make them think in the long term. They prefer tried-and-tested tokens and rely on measured strategies.Doroudian said Millennials are "risk-aware rather than risk-averse," explaining that they use methods like diversification, dollar-cost averaging and stop-loss limits. They rarely go all in and tend to keep most of their money in mainstream assets while allocating a smaller portion to crypto.

INCOME AND STABILITY SHAPE RISK APPETITE

Both experts agree that income plays a major role in how much risk people can take.Gen Z investors are early in their careers, so they put in smaller amounts and don't mind experimenting with high-risk tokens. Their losses feel manageable because their stakes are small, said Doroudian.Millennials, with higher incomes and greater responsibilities, invest more but do so carefully. Singhal explained that people with financial stability feel more comfortable exploring new assets, but they do so with "a balanced and diversified portfolio."

WHAT EACH GENERATION BUYS

"Millennials tend to be drawn to Bitcoin and large-cap altcoins that have stood the test of time. Having been brought up referring to major tokens like Ethereum, Solana, or Cardano, they trust in the good fundamentals and worldwide recognition of these tokens," says Doroudian.

Grandson of RSS stalwart shot dead in Punjab, CCTV footage shows attackers escaping

- Police said Arora had left his shop and was returning home to spend time with his children when the assailants fired at him near Budhwara Wala Mohalla. He died on the spot.

New Delhi.(Agency)

A 40-year-old man, Naveen Arora, whose late grandfather Dina Nath had served as the RSS city head in Firozpur and whose father, and he were also associated with the organisation, was shot dead by two unidentified men in Punjab's Firozpur on Sunday evening.

Police said Arora had left his shop and was returning home to spend time with his children when the assailants fired at him near Budhwara Wala Mohalla. He died on the spot. Family members and traders gathered at the scene and expressed anger over the shooting."Naveen Arora is my son and we were all sitting and talking. He goes out and comes back to be with his kids every day. Just five minutes after he left, a couple of boys came and informed us that someone shot my son," his father Baldev said.

"Naveen was on his way home when two unidentified individuals shot him. Our team is investigating and we are also scanning CCTV footage," SSP Firozpur Bhupinder Singh Sidhu said.CCTV footage from the locality shows two men running after the firing and escaping. Police said teams are using the visuals to identify the attackers.

SSP Firozpur Bhupinder Singh and MLA Ranbir Singh Bhullar visited the spot and said multiple teams have been formed to trace the shooters. The SSP said the attackers would be arrested soon.

Arora is survived by two young children. Trade Association President Ashwini Mehta and relatives said he had closed his shop and was heading home when the two assailants shot him. They demanded that the police make swift arrests.

BJP leader Sukhminderpal Singh Grewal also reacted to the incident, issuing a strongly worded statement condemning the killing. "I strongly condemn the cowardly, gutter-born criminals who dared to unleash bullets in broad daylight in Ferozepur's Mochi Bazaar, murdering Naveen Arora, son of senior RSS leader Baldev Raj Arora," he said, alleging that the attackers "sprayed bullets at a hardworking shopkeeper heading home" and created panic in the market.

He said a similar firing incident had occurred in a nearby market a week earlier and demanded immediate arrests. "Enough of hollow assurances. Show results. Arrest these killers immediately," Grewal said, urging the police to take strict action.Police said efforts to identify and arrest the attackers are underway.

Delhi blast: Red Fort stretch reopens for traffic

New Delhi.(Agency)

Days after the Red Fort blast, the stretch on Netaji Subhash Marg where the incident took place reopened for traffic movement on Saturday after being cleared, the officials said.A senior Delhi Police officer said that since November 11, due to operational requirements, traffic restrictions and diversions were imposed on both the carriageways and service roads of Netaji Subhash Marg, from Chatta Rail cut to Subhash Marg cut.

"From 1 pm on Saturday, both the carriageways and service roads along the mentioned stretch of Netaji Subhash Marg have been reopened for vehicular movement," the officer said. Commuters have been advised that they can now use the stretch as per their destinations, the official added.

Additionally, two gates of the Lal Qila Metro Station, which had been closed after the blast shattered the station's glass panels, have also been reopened. In a post on X, the DMRC said, "Red Fort metro station gate numbers 2 and 3 are now open for commuters, restoring partial access that had been suspended as part of security measures following the incident."

The explosion on Monday evening near the Red Fort had prompted an immediate lockdown of the surrounding area, with enhanced checks and movement restrictions in place for several days as agencies conducted investigations. The reopening of the two gates is expected to ease pedestrian movement, especially for tourists and traders in the nearby markets.

Delhi Police has also compiled a list of vehicles that were present near the blast site and the parking lot where the i20 car exploded. The owners and drivers of these vehicles will be questioned on whether they saw anyone suspicious before the incident. The photograph of main accused Umar Nabi will also be shown to them during the inquiry, the offiical said.

MCD gets Rs 175 crore for waste disposal, more funds soon

New Delhi.(Agency)

The Delhi government is making every effort to strengthen sanitation in the national capital and has provided a special assistance of Rs 175 crore to the MCD for garbage disposal, Urban Development Minister Ashish Sood said on Saturday.During an inspection of sanitation work in West Delhi's Vishnu Garden, Sood said the government is considering allocating additional funds to the civic body to ensure better cleanliness.Acting on the instructions of Chief Minister Rekha Gupta, the Delhi government released `175 crore to the Municipal Corporation of Delhi to clear pending payments of

contractors engaged in garbage collection, he said.

"We will move a Cabinet note for additional funds to the MCD. Every possible help will be extended to the civic body for a neat and clean Delhi," he added.

The minister claimed that during the last two-and-a-half years of the AAP's tenure in the MCD, the city's sanitation system was derailed due to "improper contracts and mismanagement".

He said the government is working to resolve these issues and, on the chief minister's direction, all ministers are personally monitoring cleanliness and sanitation works across the capital.During the inspection drive, Sood visited several residential and commercial areas in Ward 95 and reviewed the problems faced by residents. He said the government is working at multiple levels to strengthen the sanitation system and improve waste management, assuring that citizens will see a cleaner city in the coming days.

Brother who helped with Math homework, world's 'best husband': Kin of Red Fort blast victims left picking the pieces

New Delhi.(Agency)

Sitting in her family's two-room home in Kanjhawla in north-west Delhi, a teenage girl remembers the brother who would help her with her school math – and would keep reminding her that she needed to stand on her own feet when she grew up.Some 40 km away, a young widow remembers the husband for whom she had cooked eggs and rice that he had said they would have for dinner together – and whom she would recognise only by the blue jersey that she had given him as a New Year's present last year.

Pankaj Kumar Sahni and Jumman Khan were among the 10 people who were killed in the explosion outside Red Fort on November 10 evening. It's been five days – and the families are struggling to pick up the pieces of their shattered lives in the void that the two men have left behind.

The protective brother

Twenty-three-year-old Pankaj kept a diary – or rather, a register of his thoughts. And English translations of Hindi words. On Saturday, that register lay in a corner of his bed.

"Injustice: anyaay", "Goal: lakshya." "Do you know of any good gym around?" "I'm Pankaj Kumar Sahni." "Isn't the park beautiful?"There are ingredients of a '75-day challenge' that Pankaj was perhaps thinking of taking up, beginning with having five litres of water every day.

And then, stuck between the pages of the register, there is a copy of his resume.Pankaj, a sports enthusiast, got an A1 in physical education in Class 12. He left school to work after his father, who suffers from severe asthma, could no longer support the family on his own.

Pankaj drove an app-based cab, and had taken the day off on Monday. But he left home after a neighbour requested a drop to Old Delhi railway station. He was at the traffic signal outside Red Fort on his way back home when the blast took place.

"He told me to serve him rice, and that he would be back soon," sobs his mother Gayatri Devi, her face covered with a shawl, held tightly by a neighbour."He would write in his register whenever he had the time. He used to tell me "padh le, tujhe ghar baith ke khaana nahi banana hai. Mujhe maths padhate the (Study, you can't expect to sit at home and cook. He used to teach me maths)," says Deepa, Pankaj's sister, who studies in Class 10.

'Roz ki kamayi ka sawaal hai, isiliye hum aa gaye': Days after Red Fort blast, Chandni Chowk limps back to normalcy

New Delhi.(Agency)

On Saturday afternoon, people slowly began returning to Chandni Chowk and the Red Fort as Delhi Police cleared the blast site and reopened the streets to traffic. Curious onlookers stood in the middle of the road, phones out, taking pictures of a place they had seen only in news reports for nearly a week.

Five days after a car exploded outside the Lal Qila Metro station, leaving 10 dead and several injured, it seemed like business as usual in the market — except, a faint sense of unease still lingered.Across from the blast site, near the entrances to the Chandni Chowk market, three police personnel sat with stacks of paperwork. One by one, people approached them, hoping to retrieve vehicles they had abandoned amid the chaos after the explosion.

Among them was Ramkar Yadav, who pleaded with a constable to return his scooter. "I parked my bike here for two minutes while I went inside to shop… I've come all the way from Faridabad, I don't know how I'll go back," he said.

On November 10, Yadav had unknowingly left his vehicle behind police tape and barriers, assuming it would be safer there."Now that you've told me you're from Faridabad, I'm not giving your vehicle back," the constable told him sharply. As Yadav pleaded further, the officer snapped, "Are you mad? Haven't you seen the news? You know what happened in Faridabad, right? Do you want me to get into trouble?"

Yadav, fortunately, was carrying his registration certificate and Aadhaar card. After examining the copies, the constable relented. "Fine, take your vehicle and leave. I shouldn't see you here again," he said, waving him off.The policemen stationed in the area, much like the shopkeepers, remained visibly tense.The police chowki outside the Red Fort sat misshapen, its structure warped by the force of the blast. "The entire roof has collapsed," a constable whispered.

Nearby, charred display boards hung precariously over moving traffic. At the Lal Qila Metro station, workers dismantled what was left of the shattered window panes, while armed personnel inside scrutinised every passerby. Meanwhile, the Delhi Metro Rail Corporation, in a post in the afternoon on X, also said gates 2 and 3 are now open for commuters.Just outside, a black trash bag lay abandoned on the street. Rickshaw drivers and shoppers circled it warily, exchanging uneasy glances, until one man finally kicked it open, sending garbage flying. People scattered instinctively, pushing one another in the brief panic that followed.

Mothers whose passion did not fade with time

New Delhi.(Agency)

Chitra, Jyothi, and Kanchana—their mothers in their fifties proved that passion does not fade with time but grows deeper.

As young dancers stepped on the stage for their Arangetram (debut performance after completion of training) in the Karthiayani Auditorium in Mayur Vihar Phase 1, the showstopper was these three women, who chose to challenge convention, balancing rigorous training with family responsibilities, careers, and the demands of daily life.

"Arangetram" is a Sanskrit term that means "to ascend the stage". It marks a Bharatanatyam dancer's ceremonial leap from student to solo performer and usually lasts two to three hours. It is the moment they first claim the stage entirely on their own, showcasing years of rigorous training.

The Arangetram on Saturday also featuring teenage dancers, under the guidance of Guru Nisha Rani of the Thillana School of Dance and Music, was more than a debut. It was the culmination of a journey rooted in perseverance, self-belief, and a determination to honour long-nurtured dreams.

The centrepiece, titled "Narayana Lokapalaka", in the Varnam genre and Reetigowla ragam composed by Nisha Rani, showcased their skills, command over rhythm, and expressive depth. Their execution of intricate jathis (beats per rhythm) was marked by precision, while their abhinaya (expression) carried the weight of real-life experience, adding layers of meaning that only maturity can bring.Each dancer brought her own story to the stage. Kanchana—an entrepreneur, mother of two, and writer —began her formal training in her 40s.Jyothilakshmi, who rediscovered her childhood passion decades later, resumed training at 46. She has been a consistent participant in Thillana School's cultural.

Man, Who Beheaded Lover In Noida, Said She Used To 'Extort Money' From Him

- The accused disposed of the torso in a drain in Noida and dumped other remains and the weapon in a dry drain near Siddharth Vihar in Ghaziabad.

New Delhi.(Agency)

A 34-year-old man arrested for murdering his extramarital lover and dumping her body parts across Noida and Ghaziabad, said that the woman had been extorting money from him. The accused, Monu Singh, alias Monu Solanki, a bus driver, murdered his lover, Preeti Yadav, inside a bus.Yadav's headless and limbless body was found in a drain in Noida on November 6. Singh was arrested on Friday. He is married and has two daughters and was in an illicit relationship with Yadav. Both were living in Noida's Barola.

Accused Claims Victim Issued Threat To Family

Speaking to the news agency PTI, Deputy Commissioner of Police (DCP) Yamuna Prasad said that during interrogation, Monu Singh revealed that Preeti Yadav had begun extorting money from him.

Singh also claimed that Yadav frequently threatened to implicate him or involve his daughters in illegal activities.

The Murder

Singh murdered Yadav on November 5. DCP Prasad said that the accused confessed to picking up Yadav after taking a sharp-edged tool from her house without her knowledge. "They ate food inside the bus, after which an argument broke out. Singh claimed he attacked her with the weapon, beheaded her, and severed her hands to hide her identity," Prasad said.

The accused disposed of the torso in a drain in Noida and dumped other remains and

the weapon in a dry drain near Siddharth Vihar in Ghaziabad. Forensic examination of the bus and seized items confirmed the presence of human blood, Prasad further said.

How Was The Accused Arrested?

DCP Prasad said on Saturday that Yadav's body was found in a drain under the limits of the Sector-39 police station, Noida, with toe rings being the only identifiable clue.

Nine police teams were formed to trace the victim's identity and the suspect."More than 5,000 CCTV cameras were scanned, and around 1,100 vehicles were checked. Of these, 44 vehicles were shortlisted, and their owners and drivers were questioned," Prasad said.As the investigation was ongoing, the police found a white-and-blue bus moving suspiciously near the crime scene on November 5 with its lights switched off.

The bus, which had the number plate UP16 KT 0037, was traced to Monu Singh. A First Information Report (FIR) was registered under Sections 103(1) and 238 of the Bharatiya Nyaya Sanhita (BNS), and further legal proceedings were underway.

NEWS BOX

Lula's former human rights minister formally accused of sexual misconduct

RIO DE JANEIRO . (Agency)

Brazil's federal police formally accused President Luiz Inácio Lula da Silva 's former human rights minister Silvio Almeida of sexual misconduct after he was fired over the allegations last year, a police official said Saturday.The official spoke on condition of anonymity because they were not authorized to publicly speak about the case.Prosecutors will now decide whether to press charges. If they do so, the Supreme Court will either throw them out or accept them, in which case Almeida would face a trial.

Local media outlets reported that police had formally accused Almeida on Friday. He has not commented since then, but has previously denied allegations of wrongdoing.Lula fired Almeida last September after MeToo Brazil, an organization that defends women victims of sexual violence, said that it had received complaints of sexual misconduct by the former minister.The press named the minister for racial equality, Anielle Franco, as one of the alleged victims, and in the aftermath she saluted Lula's decision.

Franco entered politics after the murder of her sister Marielle Franco, a councilwoman in Rio de Janeiro, whose killing in 2018 reverberated around the world.

The accusations were a blow to Lula's government. A Black law professor, Almeida was one of the most vocal people in the leftist leader's administration against racism — alongside Franco.Isabel Rodrigues, a professor in Sao Paulo state, said last year that Almeida sexually assaulted her. "There's still a long way to go before effective justice in this case," she said Saturday on Instagram."As a victim I have something to say: don't let go of the hands of women," she added.Violence against women is rife in Brazil. More than one in three women was a victim of sexual or gender-based violence over the course of a year, according to a 2025 report by the think tank Brazilian Forum on Public Safety, the highest number since records began in 2017. All forms of violence against women have increased since then.

Are We Ready' Michelle Obama Questions America's Acceptance Of Woman President

World.(Agency) :

Former First Lady Michelle Obama has suggested that the United States may not yet be ready for a woman to occupy the presidency. Her comments come in the wake of unsuccessful bids by former Vice President Kamala Harris and former Secretary of State Hillary Clinton.Speaking at an event and promoting her new book, Obama said, "As we saw in this past election, sadly, we ain't ready. We've got a lot of growing up to do, and there are still many men who do not feel they can be led by a woman." She added that insufficient opportunities have been created for women to assume the nation's highest office.Michelle Obama remains a prominent figure within the Democratic Party, prompting periodic speculation about a potential White House run. However, she has repeatedly dismissed such suggestions, stating in 2016, ahead of the Trump-Clinton race, "I will not run for president. No, nope, not going to do it." Similar rumours resurfaced during the 2024 presidential election, which featured a contest between Joe Biden and Donald Trump.During that election cycle, Obama campaigned actively for Kamala Harris, who had emerged as the Democratic front-runner amid voter dissatisfaction with President Biden. At a rally in Michigan, she warned against re-electing Trump, emphasising the risks to women's health and rights. "Please, please do not hand our fates over to the likes of Trump, who knows nothing about us and has shown deep contempt for us. A vote for him is a vote against our health and our worth," she said.

Gazans Launch Volunteer Campaign To Clean Streets, Restore Infrastructure

world .(Agency)

Dozens of volunteers began cleaning the streets of Gaza City, braving the rainy weather to restore vital infrastructure and remove rubble and debris left by the two-year war between Israel and Hamas, as part of a broader volunteer campaign. Gaza Municipality launched the campaign in partnership with the Gaza Chamber of Commerce, Industry, and Agriculture and the Palestinian NGO Network, aiming to "shine a light of hope for community participation in construction and reconstruction," according to a statement published by the municipality on its official Facebook page.Hosny Muhanna, Gaza Municipality's public relations officer, told Xinhua that the campaign aims to remove waste and rubble, plant trees along the streets, and restore beauty to the war-torn city.For Yahya al-Sarraj, mayor of Gaza City, the campaign was launched to prove that the Palestinian people "will remain on their land," and that all Israeli attempts to "break them" will fail.

"When we see young people, men, children, and the elderly participating in this campaign, it sends a message to the world that Gaza is capable of life," al-Sarraj said during his participation in the campaign.

Echoing the mayor, Amjad al-Shawa, head of the Palestinian NGO Network, said the campaign is the beginning of the path toward a larger goal of removing 60 million tons of rubble covering the Gaza Strip as a result of the war, in order to rebuild Gaza City "better than it was" before the war, Xinhua news agency reported.Ayed Abu Ramadan, head of the Gaza Chamber of Commerce, Industry, and Agriculture, said during his speech at the campaign that Gaza has been subjected to killing and destruction over the past two years, but has also proven its ability to "rise from the rubble again."Volunteer Ibrahim Hassan, 30, from Gaza City, said he participated in the campaign because he is certain that Gaza will only return to life "by the hands of its own people."

Dubai unveils monumental artwork celebrating UAE's founding fathers and national progress

world . (Agency)

A monumental new artwork now commands the façade of Dubai International Financial Centre's Gate Building, honoring the UAE's Founding Fathers and celebrating the nation's journey from its historic roots to its bold future. Commissioned under the directive of H.H. Sheikh Ahmed bin Mohammed bin Rashid Al Maktoum, Second Deputy Ruler of Dubai and Chairman of the Dubai Media Council, the installation serves as a striking centerpiece of Dubai's 'National Month' campaign, blending artistic vision with national pride

A Tribute to VisionariesAs part of the ongoing 'National Month' celebrations in Dubai, Brand Dubai, the creative arm of the Government of Dubai Media Office, partnered with Dubai International Financial Centre (DIFC) to unveil a large-scale installation on the façade of The Gate Building, an iconic landmark of the Centre.The artwork pays homage to the UAE's Founding Fathers, the late Sheikh Zayed bin Sultan Al Nahyan and the late Sheikh Rashid bin Saeed Al Maktoum. It forms a centerpiece of the #ZayedAndRashid campaign, organised for the second consecutive year by Brand Dubai, which runs from UAE Flag Day on 3 November to the 54th Eid Al Etihad on 2 December. The installation visually narrates the story of the Union and the nation's continuous achievements across generations.Shaima Al Suwaidi, Director of Brand Dubai, highlighted the importance of the collaboration, stating, "We take pride in our renewed partnership with DIFC for the third consecutive year to mark key national occasions through creative works that express our deep gratitude to the founding leaders Sheikh Zayed and Sheikh Rashid, who together laid the foundations of the Union."The artwork, designed by Emirati artist Ahmed BaFadhl, captures the UAE's identity with a blend of national spirit and creative vision. It merges portraits of the Founding Fathers with symbols of modern achievement, including the Hope Probe, Etihad-SAT, Rashid Rover 2, and the Mohammed Bin Rashid Space Centre's Rashid Rover. This combination reflects the UAE's trajectory from its historic founding to its pioneering role in science and space exploration.

Al Suwaidi emphasized that the installation

conveys both heritage and ambition: "The artwork reflects the enduring legacy and vision that continue to shape the UAE. It embodies values of determination and faith, while inspiring the community to carry forward the nation's journey of progress."

Alya Al Zarouni, Chief Operating Officer at DIFC, remarked, "The stunning artwork on The Gate Building blends heritage with future aspirations and symbolises how economic leadership and innovation are anchored in strong national foundations."

Strengthening national identity through creative initiativesAmina Taher, Member of the #ZayedAndRashid Campaign Organising Committee, noted that the installation exemplifies the power of art in conveying a national message of loyalty and belonging. The campaign's creative initiatives, from murals to community events—have become tangible symbols of the Union's spirit, helping younger generations connect with their history while looking toward the future.Standing 50 metres tall, the artwork is part of a series of events organised by Brand Dubai with government, semi-government, and private sector partners. These activations pay tribute to the historic meeting of the Founding Fathers in Al Khawaneej, marking the beginning of the Union, while reinforcing the unity of Emirati society and its enduring bond with the nation's leadership.

The artist behind the vision

Ahmed BaFadhl, an architect and visual creator, drew inspiration from his late grandfather and the UAE's landscape to develop a style that blends simplicity with imagination. Starting with pencil and coffee sketches, he now uses digital art to create works that express both emotion and national identity. His approach embodies a distinctly Emirati perspective, connecting traditional values with modern creativity.

Colombian officials say seven minors killed in airstrikes on guerrillas this week

- The operations are part of Petro's intensifying attacks against armed groups involved in cocaine trafficking, following fierce pressure from US President Donald Trump over his alleged inaction on drug production.

BOGOTA.. **(Agency)**

Seven minors were killed this week in Colombian military airstrikes against an alleged drug-running armed group in the country's southern Amazon region, the national ombudsman's office said Saturday.Iris Marin, head of the office, told reporters that "six minors who had been victims of forced recruitment" died in the operation ordered by President Gustavo Petro, who is under US pressure to crack down on drug trafficking. She later updated the toll to seven, including

four girls and three boys, all teenagers.

Colombia's military announced on Tuesday that it had carried out airstrikes in the Amazon region in the early hours of November 10, killing 19 members of an ex-FARC splinter group.The military also reported the "rescue" of three minors from rebel hands following the bombing.Additionally, a defense ministry source told AFP on Friday that the military had killed nine suspected guerrillas in strikes in Arauca province, near the Venezuelan border.The operations are part of Petro's intensifying attacks against armed groups involved in cocaine trafficking, following fierce pressure from US President Donald Trump over his alleged inaction on drug production.In a Saturday post on X, Petro defended the military's actions in the Amazon operation."Of course, every death is regrettable, especially those of minors. But if I had let Ivan Mordisco's 150 men advance through the jungle, they would have ambushed 20 young soldiers who were stationed just a few kilometers ahead," the leftist president said."I made the decision, at a risk, to save their lives. It's easy to stain maps red; it's hard to acknowledge the risks of reclaiming territory," Petro added.

The president has launched a manhunt with million-dollar rewards to capture Mordisco, whom he likens to cocaine baron Pablo Escobar, who was slain in 1993.Defense Minister Pedro Sanchez asserted that the operation was ordered "given the imminence and severity of the threat" that endangered the soldiers.

Local media reported that authorities were investigating whether the latest strike killed Antonio Medina, a high-ranking rebel commander responsible for a bloody war between ex-FARC fighters and the National Liberation Army (ELN) guerrilla group.

Netanyahu, Putin Discuss Middle East After Russia's UN Resolution On Gaza

Jerusalem. (Agency)

Israeli Prime Minister Benjamin Netanyahu and Russian President Vladimir Putin held a phone conversation, during which the two leaders exchanged views on the Middle East situation, according to statements from both sides.Netanyahu's office said in a statement that the two leaders spoke at Putin's initiative, on Saturday evening following a series of previous talks on regional issues. It did not provide further information on the talks, Xinhua news agency reported.

According to the Russian presidency, the two leaders exchanged in details the recent developments in Gaza in light of the ceasefire, Iran's nuclear program, and Syria's further stabilization, among other issues.

READ: Israeli Officials Discussed Use Of Human Shields In Gaza: US IntelligenceOn Thursday, Russia introduced its own draft UN resolution on Gaza, challenging a US push for the UN Security Council to

approve a separate proposal that would support US President Donald Trump's Gaza peace plan.According to media reports, the US proposal wants an international stabilization force in Gaza with broad independence from the UN, and grants Israel continued control over the security perimeter surrounding Gaza for an unspecified period.Trump has ruled out sending US troops into Gaza as part of the proposed 20,000-strong force.US Secretary of State Marco Rubio said on Wednesday he was optimistic the resolution would be adopted, saying "good progress" was being made on negotiations around its language.

Meanwhile, the Russian proposal focuses on creating an international stabilization force under direct UN authority, opposes to any demographic or territorial changes in Gaza, and urges implementing the two-state solution.

Thousands Hold 'Gen-Z' Protests In Mexico Against Mayor's Murder

Mexico City .(Agency)

Thousands protested across Mexico on Saturday under the banner of "Generation Z," denouncing rising violence after the public killing of an anti-crime mayor earlier this month.

In Mexico City, a small group of hooded protesters tore down fences around the National Palace where President Claudia Sheinbaum lives, prompting a clash with riot police who deployed tear gas, according to Reuters witnesses.Mexico City's public safety secretary Pablo Vazquez said in a press conference that 100 police officers were injured, including 40 who required hospital treatment. Another 20 civilians were also injured, Vazquez told local media outlet Milenio.The public safety secretary also said 20 people were arrested and another 20 "referred for administrative offenses."

- Mexico City's public safety secretary Pablo Vazquez said in a press conference that 100 police officers and 20 civilians were injured.

Other marches took place in various cities across Mexico, including in the western state of Michoacan, where anger has flared over the murder on November 1 of Uruapan Mayor Carlos Manzo, who was shot dead at a public Day of the Dead eventSome demonstrators in Mexico City targeted their ire at Sheinbaum's party, chanting, "Out, Morena." Some also called for stronger state efforts to stop crime and violence, shouting, "Carlos did not die, the government killed him."

A group calling itself "Generation Z Mexico" that called for the protests has said in a "manifesto" circulating on social media that it is non-partisan and represents Mexican youth that are fed up with violence, corruption and abuse of power.Generation Z refers to people born between 1997 and 2012, on the heels of the millennials, and protest groups in other countries across the globe have taken on the label to push for social and political change.

Sheinbaum's government has questioned the motives behind Saturday's marches, saying they were organized in large part by right-leaning political opponents and promoted by bots on social media.

Thousands protest crime and corruption in Mexico City as 'Gen Z' protests gain momentum

MEXICO CITY . (Agency)

Several thousand people took to the streets of Mexico City on Saturday to protest crime, corruption and impunity in a demonstration organized by members of Generation Z, but which ended with strong backing from older supporters of opposition parties.The demonstration was mostly peaceful but ended with some young people clashing with the police. Protesters attacked police with stones, fireworks, sticks and chains, grabbing police shields and other equipment.The capital's security secretary, Pablo Vázquez. said 120 people were injured, 100 of them police officers. Twenty people were arrested.In several countries this year, members of the demographic group born between the late 1990s and early 2010s have organized protests against inequality, democratic backsliding and corruption.The largest "Gen Z" protests took place in Nepal in September, following a ban on social media, and led to the resignation of that nation's prime

minister. In Mexico, many young people say they are frustrated with systemic problems like corruption and impunity for violent crimes."We need more security" said Andres Massa, a 29-year-old business consultant who carried the pirate skull flag that has become a global symbol of Gen Z protests.Arizbeth Garcia, a 43-year-old physician who joined the protests said she was marching for more funding for the public health system, and for better security because doctors "are also exposed to the insecurity gripping the country, where you can be murdered and nothing happens."Mexican President Claudia Sheinbaum still has high approval ratings despite a recent spate of high profile murders that includes the assassination of a popular mayor in the western state of Michoacan.In the days leading up to Saturday's protest, Sheinbaum accused right-wing parties of trying to infiltrate the Gen Z movement, and of using bots on social media to try to increase attendance.

This week some "Gen Z" social media influencers said they no longer backed Saturday's protests. While elderly figures like former President Vicente Fox, and Mexican billionaire Ricardo Salinas Pliego published messages in support of the protests.Saturday's march was attended by people from several age groups, with supporters of the recently killed Michoacan Mayor Carlos Manzo, attending the protest wearing the straw hats that symbolize his political movement.

"The state is dying," said Rosa Maria Avila, a 65-year-old real estate agent who traveled from the town of Patzcuaro in Michoacan state."He was killed because he was a man who was sending officers into the mountains to fight delinquents. He had the guts to confront them," she said of Manzo.

NEWS BOX

Can India chase 124 and win Kolkata Test? Here's what history says

New Delhi. (Agency)

India will need to script history to win their ongoing Test against South Africa at Eden Gardens in Kolkata. To take a 1-0 lead in the two-match series, they must chase down 124, which would be the highest successful run-chase at the venue. India currently hold the record, having overhauled 117 in November 2004.Chasing in Kolkata is notoriously difficult; since 1934, only five teams have successfully reached their target in 30 attempts. India will need their very best to finish on the winning side and make sure that they take down the reigning world champions.Highest successful run-chase in Tests at Eden Gardens

India vs South Africa, Target: 117 - Nov 2004

India vs England, Target: 79 - Jan 1993
England vs India, Target: 41 - Dec 2012
Australia vs India, Target: 39 - Dec 1969
England vs India, Target: 16 - Jan 1977

INDIA ON TOP

India began the Test match brilliantly, bowling the Proteas out for 159 on the back of Jasprit Bumrah's five-wicket haul. Mohammed Siraj and Kuldeep Yadav also picked up two wickets apiece. Thereafter, India took a slender lead of 30 runs after KL Rahul's 39 and cameos from Washington Sundar, Rishabh Pant and Ravindra Jadeja.Thereafter, India bowled South Africa out for 153 in 54 overs, with Ravindra Jadeja claiming four wickets. For the Proteas, Temba Bavuma showed grit, becoming the first batter in the Kolkata Test to score a half-century. His 55 off 136 balls lifted South Africa to a respectable total after they had slumped to 71 for seven in 34 overs.

IND vs SA: Shubman Gill in hospital after neck injury, ruled out of first Test

India captain Shubman Gill will take no further part in the opening Test against South Africa after sustaining a neck injury on Day 2 at Eden Gardens. The opener was taken to the hospital for scans after experiencing discomfort and is currently under observation.

New Delhi. (Agency)

India captain Shubman Gill has been ruled out of the remainder of the first Test against South Africa after suffering a neck injury on Day 2 at Eden Gardens. He was taken to hospital for further examination after the close of play on Saturday and remains under observation. The BCCI confirmed his unavailability for the rest of the match, adding that its medical team will continue to monitor him.Captain Shubman Gill had a neck injury on Day 2 of the ongoing Test against South Africa in Kolkata. He was taken to the hospital for examination after the end of day's play. He is currently under observation in the hospital. He will take no further part in the Test match. He will continue to be monitored by the BCCI medical team," BCCI posted an update on Sunday morning.Gill had initially walked off on four, clutching the back of his neck after suffering what appeared to be a whiplash while slog-sweeping Simon Harmer for four. The physio attended to him immediately, and he retired hurt after facing just three balls. Later in the evening, the situation appeared more serious as he was seen being taken to hospital with his neck secured in a cervical collar.On medical advice, he will remain under observation while further tests assess the severity of the injury and determine the appropriate treatment.

India bowling coach Morne Morkel attributed the neck spasm to a benign cause rather than physical workload. "Yeah, I think we first need to determine how he got the neck stiffness, maybe just a bad night's sleep. I don't think it's, or we can put it down to the load," Morkel said when asked if Gill's packed multi-format schedule had contributed.Gill has indeed been on a relentless run of cricket, leading India during the gruelling England Test series earlier this year, followed by assignments across formats and joining the squad straight after the Australia white-ball series that ended in Brisbane. He returned to Kolkata on Sunday, with India resuming training on Tuesday.

Morkel reiterated that the Indian captain is one of the best-conditioned athletes on the circuit. Calling the timing unfortunate, he added: "Gill is a very fit guy, he looks after himself very well, so it's just unfortunate this morning that he woke up with a stiff neck and that carried him into the day, which was crucial for us. Another sort of partnership with him batting around was going to be needed for us at the time and... just bad timing."Gill had walked in after the drinks break on Saturday, moments after Harmer removed Washington Sundar. Facing the off-spinner from round the wicket, he defended the first ball before slog-sweeping the next for four. Immediately after the shot, he was in visible discomfort, clutching the back of his neck and struggling to move his head freely, prompting the physio's intervention.

After a brief assessment, he retired hurt, with Rishabh Pant replacing him. He did not return for the remainder of India's innings, which ended at 189 for 9, securing a slender 30-run lead.

Eden pitch or modern batting: Why the Kolkata Test has spiralled into chaos

New Delhi. (Agency)

Few would have dared predict this. A year after India's rank-turner gamble against New Zealand blew up in their face, they've walked straight into another minefield - and against the world Test champions, no less. Sourav Ganguly insisted Eden Gardens wouldn't be a rank-turner. Curator Sujan Mukherjee promised "a sporting wicket" with "something for everyone".

Yet the signs were there from the first session, and by Day Two the pitch had gone rogue. Uneven bounce, sharp turn and chaos: 16 wickets on Saturday, and a Test match threatening to die before the second day's close.Even India's bowling coach, Morne Morkel, admitted that the team had been caught off guard. "Yeah, look, I mean, to be honest with you, even we didn't expect a wicket to deteriorate so quickly... we all thought when we watched that first couple of hours that it was a good wicket, so it did deteriorate quite quickly, which was unexpected," he said after 27 wickets fell in the first two days of the Kolkata Test.South Africa, batting first on a surface drier than usual, were bundled out for 159. Jasprit Bumrah was irresistible, exploiting the dryness for reverse swing and making the

most of the variable bounce. Spinners played the supporting act as India's master craftsman dismantled the visitors. India responded with 189. With Shubman Gill retiring hurt due to a neck injury, and no batter truly looking settled against off-spinner Simon Harmer, KL Rahul's 39 off 119 - the highest score of the match - felt almost monumental.South Africa's second innings began after lunch on Day Two and nearly ended within a session. Ravindra Jadeja was unplayable, combining pace, dip, and vicious turn to produce deliveries that bordered on the impossible. Temba Bavuma, battling grimly, ensured South Africa reached 93 for 7 and eked out a 61-run lead - just enough to stretch the match into Sunday.It remains a shame that a contest between two top Test nations, in one of cricket's most iconic venues, is unlikely to last more than two and a half days.

BAD PITCH OR POOR BATTING?

Reactions have been swift and telling.

Former India off-spinner Harbhajan Singh, one of the heroes of Eden Gardens in 2001, did not mince words. "Test cricket India vs South Africa, the game almost over on the 2nd day isn't finished yet. What a mockery of test cricket," he posted on X.

Carlos Alcaraz and Jannik Sinner to meet again in ATP Finals showdown

AUCKLAND. (Agency)

TURIN: Carlos Alcaraz and Jannik Sinner have been playing each other nearly all year for the biggest titles in tennis

Add one more important trophy that they will vie for on Sunday: the ATP Finals.

The top-ranked Alcaraz beat Felix Auger-Aliassime 6-2, 6-4 and No. 2 Sinner defeated Alex de Minaur 7-5, 6-2 before his Italian home crowd in the semifinals on Saturday to set up another meeting between the two players who have distanced themselves from the rest of the field."I expect at least three to four people in the crowd cheering for me," Alcaraz said with a smile. "It's going to be really difficult. I'm just really happy to see Jannik in another final. Every time we face each other in a final we raise our level to the top."Alcaraz already secured the year-ending No. 1 ranking but will be contesting his first final at th event for the year's top eight players."The No. 1 means that I've been playing really good during the whole season, (on all) surfaces," Alcaraz said. "He's playing the best on indoor courts. We're playing in front of his home crowd. I would say he's the favorite."

Sinner will be playing in his third consecutive final in Turin and aiming for his second consecutive trophy. The Italian hasn't dropped a set at the Finals since getting beaten by Novak Djokovic in the 2023 championship match — a run of 18 consecutive sets."These are matches I look fowrd to," Sinner said. "Also to see for me where my level really is but at the same time it's great before the off-season to have this matchup ... of course, I feel comfortable on an indoor hard Sinner and Alcaraz have met in the last three Grand Slam finals: Alcaraz beat Sinner in a fifth-set tiebreaker to win the French Open; Sinner gained a measure of revenge by beating Alcaraz for the Wimbledon trophy; then Alcaraz again came out on top at the U.S. Open."Every matchup is different. We saw it in Rome and Paris. Even if it's the same surface, it can change," Sinner saidSinner also won the Australian Open — beating Alexander Zverev in the final — so he and Alcaraz each won two majors this year.

ATP Finals: Carlos Alcaraz sets blockbuster championship match vs Jannik Sinner

New Delhi. (Agency)

Carlos Alcaraz reached the ATP Finals championship match for the first time after beating Felix Auger-Aliassime 6-2, 6-4 on Saturday evening in Turin. The win at the Inalpi Arena sets up a blockbuster final against his great rival Jannik Sinner, a showdown between the world's top two players. It also capped a memorable week for the Spaniard, who had received the ATP Year-end No. 1 trophy just a day earlier.

Alcaraz's performance underlined the confidence and sharpness he has carried through the tournament. The 22-year-old needed only an hour and 23 minutes to overwhelm the Canadian, entertaining a packed crowd with his range and imagination. Controlling rallies from the baseline and finishing points with ease at the net, he never faced a break point and stayed in command from start to finish.

"I felt like I could do everything on court," Alcaraz said afterwards. "It didn't matter if it was a forehand down the line, a drop shot or a backhand down the line—I felt everything was going to be in. That confidence helped through the whole match, pushing him to the limit and forcing him to try something different."The foundation of his victory came early, with a break at 3-1 in the opening set sealed by a full-stretch volley at the end of a fierce rally. From there, Alcaraz kept Auger-Aliassime under pressure with his trademark drop shots and aggressive shot-making, riding that momentum to take the set 6-2. In the second, his composed serving and a crucial break at 4-4 allowed him to close out the match with conviction.Much of Alcaraz's success lay in the variety of his play. He blended weighty groundstrokes with subtlety at the net, anticipated superbly, and repeatedly pushed Auger-Aliassime into awkward positions. The tactical clarity ensured he reached the final without dropping a set.

Maybe Ravindra Jadeja was done with CSK: Ex-India opener on RR move

New Delhi. (Agency)

Former Indian opener Aakash Chopra feels that there is more to Ravindra Jadeja's RR move and he may have been done with CSK. Jadeja made headlines ahead of IPL 2026 by agreeing to a notable pay reduction as part of his transfer from CSK to RR. Jadeja, a key all-rounder and previously retained for 18 crore by CSK for IPL 2025, was traded to RR for 14, representing a pay cut for the star all-rounder. This development involved a multi-player deal with Sam Curran moving from CSK to RR, and Sanju Samson heading the other way.Jadeja's decision to accept a lower salary has sparked discussion among cricket analysts and fans. Former India opener Aakash Chopra questioned the circumstances behind Jadeja's willingness to take a pay cut and highlighted the rarity of such moves among top players.

"RR have got Jadeja but he has taken a pay cut. I am thinking he left CSK by taking a pay cut? Without a player's consent you cannot change their price. He has taken 4 crores less to leave Chennai and that is mind-boggling. Why does someone take a pay cut? Maybe he was done with CSK and did not want to stay there. But he could have done that by going into the auction as well. Have RR offered him captaincy? Was that the incentive for which he has gone towards RR? It is very interesting. There has to be a bit more to it," said Chopra.WHAT CSK SAID ABOUT JADEJA TRADE

CSK CEO Kasi Viswanathan said that letting Jadeja go was one of the most difficult decisions for the franchise, but it was made with future in mind. He also stated that Jadeja believed it was the right time to take a break from the team and explore new opportunities."It was probably one of the toughest decisions CSK had to take as a team management. Considering the transition of CSK at this point of time, the team management took the toughest decision. It is a must that we should consult the players concerned, and it was after mutual agreement that we undertook this," said Viswanathan.

"When I spoke to Jadeja, he was also very clear that if there is an opportunity for him, because he's also felt that he's in the fag end of his career in white ball. So, he also felt that he can have a break."

Temba Bavuma hits first fifty of Kolkata Test, earns standing ovation at Eden Gardens

India vs South Africa, 1st Test: Temba Bavuma brought up a superb half-century on a surface where no other batter had managed to cross 40 across three innings on a treacherous Eden Gardens pitch.

TURIN . (Agency)

Temba Bavuma stood tall amid the rubble at Eden Gardens, producing an innings of rare composure as South Africa were bowled out for 153 in their second innings on the third morning of the Kolkata Test. On a pitch where no batter had managed to touch 40 across three innings, Bavuma became the first to reach a fifty in the match, finishing unbeaten on 55. His effort earned him a warm standing ovation from a crowd that values resilience as much as flair.The landmark came via a streaky inside edge that trickled to fine leg, but everything before that boundary was crafted with discipline. Bavuma was compact in defence, patient in leaving deliveries he did not need to play, and unflustered when India's bowlers tested him relentlessly. It was exactly the kind of innings South Africa needed from their overnight batter and captain on a surface that has punished even the slightest technical error.He guided the tail with assurance after Neil Bosch was bowled by Jasprit Bumrah early in the session. Simon Harmer, who has two first-class hundreds and 33 fifties, joined him but did not last long. Mohammed Siraj, who had already beaten the bat multiple times, got a length ball to angle in and Harmer shouldered arms at the wrong moment. The off stump snapped in half, forcing the fourth

umpire to bring out a replacement.Siraj struck again two balls later. With the crowd roaring him in, he fired a yorker straight into Keshav Maharaj's toe to finish the innings. South Africa were all out for 153, setting India a target of 124, just inside the range Axar Patel had mentioned the previous evening when he said they would prefer a chase of no more than 125 on this pitch.

Bavuma walked off unbeaten on 55 from 136 balls, including four boundaries. It was his seventh fifty-plus score in his last 11 Tests and easily one of the most valuable, given the conditions. The applause around Eden Gardens reflected the appreciation for a captain's innings that combined control, discipline and calm decision-making.

India will begin the chase without their regular captain Shubman Gill, who has been ruled out of the remainder of the Test after suffering a neck injury on Day 2. Ravindra Jadeja, with figures of 4 for 50, ensured India kept South Africa within reach despite the visitors' defiance in the morning session.

South Africa at least have something to defend, and thanks to Bavuma's resolve, they have a performance worth rallying behind.

Nora Fatehi

BREAKS Silence On Drug Syndicate Allegations Linked to Dawood: 'My Name Is an Easy Target'

A major drug racket uncovered by the Mumbai Police has revealed a network allegedly involving high-profile personalities, including actors Shraddha Kapoor, Nora Fatehi and Alishah Parkar, nephew of underworld figure Dawood Ibrahim. The operation, reportedly overseen by Mohammed Salim Mohammed Suhail Shaikh—also known as Lavish—spanned exclusive parties held across India and abroad.

Drug Racket Allegedly Operated From Dubai

According to India Today, investigators believe Salim managed the entire operation from Dubai, where he resides. His son, Taher Dola — brought back from the UAE in August — has reportedly provided crucial insights into how the group operated, including details of attendees, suppliers and locations of the alleged parties.

Officials told PTI that during interrogation, Salim claimed he organised drug-fuelled gatherings attended by celebrities from film, fashion and music, as well as Alishah Parkar. These allegations form part of what investigators are now examining based on digital evidence and remand documents.

Nora Fatehi Issues Strong Denial

Among the individuals named, Nora Fatehi was the first to address the matter publicly. Taking to Instagram Stories, she issued a firm statement distancing herself from the allegations and warning against the misuse of her name."FYI I DONT go to parties… I'm constantly on flights… I'm a workaholic… I don't associate myself with people like that… Don't believe anything you read!" she wrote.

She further added, "It seems like my name is an easy target, but I won't allow it to happen this time… Please refrain from using my name in situations that have absolutely NOTHING to do with me! This will come with a heavy, heavy price!"Her reaction came after reports claimed the remand copy explicitly listed her name among others mentioned by the accused.

Priyanka Chopra

Exudes 'Princess' Vibes At Globetrotter Event, Leaves Fans Awestruck

Desi girl Priyanka Chopra never fails to make heads turn, and this time was no different! Fans were eagerly waiting to see her look tonight for the highly-anticipated GlobeTrotter event, which was held at Ramoji Film City in Hyderabad. She attended the grand event with her co-stars Mahesh Babu and Prithviraj Sukumaran and director SS Rajamouli. PeeCee wowed fans with her stunning traditional look at the event, and several pictures and videos of the actress are going viral on social media.

Priyanka Chopra Rocks White Lehenga Saree At GlobeTrotter Event

Priyanka Chopra made a stylish entry at the GlobeTrotter event in Hyderabad. She was seen in a beautiful white lehenga saree, and exuded princess vibes in the traditional outfit. She completed her traditional look with an elaborate necklace, a matching maang tikka, bracelets, and a waist belt over her saree, giving a structured look to her ensemble. She looked absolutely stunning, and was seen greeting fans warmly with a 'namaste'. She flashed her brilliant smile and waved at her fans gathered at the venue. Soon after, she headed to her seat and sat next to Prithviraj Sukumaran. She was also seen interacting with Mahesh Babu's wife Namrata Shirodkar, and his daughter Sitara. Check out her pictures and videos below!

Fans React

Fans couldn't stop gushing over Priyanka Chopra's stunning look. "Its giving princess Jasmine," commented one fan, while another one wrote, "Wow apsara." A third comment read, "She's a vision in white," while another one commented, "My jaw dropped when I saw her."Priyanka Chopra plays Mandakini in the film, and her

intriguing first look from the film was unveiled a few days ago by the makers.

Varanasi Title Reveal And Mahesh Babu's First Look

Meanwhile, the makers finally unveiled the title of SS Rajamouli's film. They revealed that it is officially titled 'Varanasi', and also shared the first look of Mahesh Babu's character, at the event. A massive screen was set up at the Ramoji Film City for the announcement of the official title of the film, along with the first look. Several videos on social media show Mahesh Babu's first look being displayed on the huge screen.

Pregnant Bharti Singh Reveals Her Sugar Levels Have Rapidly Increased: 'I Am Extremely Worried'

Star comedian Bharti Singh recently took to her vlog on her YouTube channel to update her fans about her health condition during her second pregnancy.The actress in her vlog stated that her sugar levels had rapidly increased and also expressed her grave concern over the same. She said, "My sugars have rapidly increased, especially the fasting sugars; they usually are never so high. I am definitely going to be scolded by the doctor today."

She further added, "I am confused because I did not eat anything that would trigger my sugars or increase them, nor am I in any stress. I have been extremely particular about my diet; I only eat millets and have completely cut off rotis and rice and other forms of carbs, so I don't know why my sugar has come so high, and I am extremely worried because I don't know. I just want that it shouldn't affect my baby in any way." She further added that her husband, Haarsh Limbachiyaa, was in Dubai for some professional work, and that made her even more anxious. "Haarsh is not in town; he had to leave for Dubai for some work last night, and I am just feeling so lost right now," she informed.

"Whenever Harsh is around I feel more confident and more calm; he is not just my husband, but he is also my best friend, my confidant and everything in my life – so now that he is not there I am fretting even more."She also added that she would be taking her son Gola, aka Lakshya, to the doctor. Talking about the same, she said, "Since Haarsh is not there, I will be taking my little son Gola to the hospital, to the doctor with me. When there is a man with you, you feel secure and a little calm, even if the man is my little son," Bharti quipped.Bharti further revealed that her average sugar (HB1AC) was at 4.5 some time ago, due to which the doctor was extremely happy and had lauded her, but now the average sugar has come to 6.7, which is in the diabetic stage, and that is making her extremely conscious and worried. After visiting the doctor, Bharti revealed that the doctor did scold her a lot and asked her to get more strict with her food and other things.

'Get That Child Away From Him': Netizens Fume As Nandamuri Balakrishna Pulls Harshaali Malhotra

The Thaandavam song from Akhanda 2 was launched on Friday at an event in Mumbai, and clips from the event are circulating all over Instagram, featuring Nandamuri Balakrishna and Bajrangi Bhaijaan fame Harshaali Malhotra. Now, netizens are angered by Balakrishna's behaviour towards Harshaali.

In one of the clips that is now going viral, Nandamuri Balakrishna is seen pulling Harshaali towards him, and this has left social media questioning his behaviour. One user said, "SOMEONE GET THAT CHILD AWAY FROM HIM."

"The panic in her eyes!!" another commented. A third user wrote, "The way he touches her ."

"Yeah, who the hell is he and what is she doing with him?!" another comment read. One user wrote, "Where is her family? Or manager? Anyone!!! No one should be touching her that way, GOD."

"Sometimes I wonder, does he see his own videos and consider changing himself?" another user wrote. A comment read, "Oh my God, she's a literal child! This man is so disgusting. Why isn't he getting cancelled? Her parents should know better bhyi."

"We as Indians have zero respect for personal space!! In a safer society, she could have easily communicated that she's not happy with all the manhandling… unfortunately not a possibility here. He's her grandfather's age and misogyny is at its peak here," one comment reads.

Another user shared, "If it ever comes out that she was hurt by him, Nandu won't have anywhere to hide from the outrage. No amount of brain-dead fans would be able to cover this one."

About Akhanda 2: Thaandavam

Directed and co-written by Boyapati Sreenu, Akhanda 2 promises to amplify everything that made the first film a cultural phenomenon: divine fury, stylised action, mythic undertones, and Balakrishna's signature mass appeal.

In this sequel, Balakrishna reprises his role as an Aghora who channels divine power to combat evil forces threatening humanity. The film stars Samyuktha and Aadhi Pinisetty in pivotal roles, alongside a strong supporting cast.The original Akhanda saw Balakrishna in dual roles, as Murali Krishna, a righteous farmer, and as Akhanda Rudra Sikandar Aghora, a divine warrior who emerges to fight injustice. The sequel, according to early reports, will expand this mythology further with a more intense spiritual narrative, elevated visual effects, and a grander scale.